आर.एन.आई. नं. 7387/63
मुद्रण तिथि : 29-30 जुलाई, 2022
डाक प्रेषण तिथि : 29 जुलाई-01 अगस्त 2022
ISSN : 2456-611X

वर्ष : 60 अंक : 08
मूल्य : 10/- पृष्ठ संख्या : 84
डाक पंजीयन संख्या BIKANER/022/2021-23
Office Posted At R.M.S., Bikaner

राम चमकते भानु समाना

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ का मुखपत्र

श्रमणोपासक

समाचार

पाक्षिक

महत्तम महोत्सव मेरा महोत्सव

महत्तम महोत्सव

आचार्य श्री रामेश सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव

NO NAME BLAME

जय गुरु नाना

जय गुरु राम

संघ शिखर सदस्य

श्री शान्तिलाल जी सांड
बेंगलुरु

श्री विमल जी सिपाणी
बेंगलुरु

श्री रिद्धकरण जी सिपाणी
बेंगलुरु

श्री जयचन्दलाल जी डागा
बीकानेर

श्री सोमप्रकाश जी नाहटा
सूरत

श्रीमती मंजू जी शाह (बोहरा)
पिपलियाकलां

स्व. श्री मूलचन्द जी डागा
बीकानेर

समता मनीषी
श्री उमरावमल जी बम्ब, टोंक

स्व. श्री विजयचन्द जी डागा
बीकानेर

श्री माणकचन्द जी नाहर
उदयपुर

श्रीमती कुमुद विमल जी सिपानी
बेंगलुरु

श्री दिनेश जी सिपाणी
बेंगलुरु

श्री पंकजराज जी शाह (बोहरा)
पिपलियाकलां

राम गुरु विराट हैं, दीक्षाओं का ठाठ है

21 जुलाई 2022, बीकानेर। परमागम रहस्यज्ञाता, अनुपम दीक्षा प्रदाता **आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा.** की विशेष आज्ञा से बीकानेर में **शासन दीपक श्री वीरेन्द्रमुनिजी म.सा.** के मुखारविन्द से समता साधना भवन (मालू कोटड़ी) में **मुमुक्षु श्रीमती किरणदेवी झाबक** धर्मपत्नी स्व. श्री नवरतनजी झाबक, बीकानेर निवासी की भव्य भागवती दीक्षा 21 जुलाई को तिविहार संथारे के साथ सम्पन्न हुई।

नवीन नामकरण **नवदीक्षिता साध्वी श्री कृतार्थश्रीजी म.सा.** की घोषणा होते ही सम्पूर्ण सभा जय-जयकारों एवं केसरिया-केसरिया गीतों से गूंज उठी।

केशलुंचन का कार्य **पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री पारसकँवरजी म.सा.** एवं **शासन दीपिका साध्वी श्री कमलप्रभाजी म.सा.** के करकमलों से सम्पन्न हुआ। साध्वीवृन्द ने बधाई गीत प्रस्तुत किया।

संयम जीवन का सार है।

अहो अनुपम दीक्षा प्रदाता! आपको वंदन बारंबार है।

संघ महाप्रभावक सदस्य

श्रीमती कुसुमजी कोटड़िया
कोण्डागाँव

श्री रतनलालजी साँखला
अजमेर

श्रीमती प्रेमलताजी नंदावत
बैंगलोर

श्रीमती सुन्दरदेवी सुराणा
बैंगलोर/गंगाशहर

श्री पारसजी छाजेड़
धमधा

श्री पारसजी खेतपालिया
ब्यावर

श्री रिखबचंदजी सोनावत
भीनासर

श्री मनीषकुमारजी कोठारी
बैंगलोर

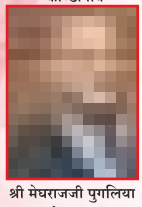
श्री मेघराजजी पुगलिया
कोलकाता

श्री सुरेशकुमारजी नांदेचा
खाचरोद

श्री राजेशजी कटारिया
बैंगलोर

श्री पारसजी छल्लाणी
सोनाली

स्व. श्री ओमप्रकाशजी भूरा
देशनोक

श्री प्रसन्नजी सुराणा
रायपुर

श्री कान्तिलालजी कटारिया
रतलाम

श्रीमती आशादेवी कटारिया
रतलाम

श्रीमती रतनीदेवी लूणावत
दिल्ली

श्री मोतीलालजी मुणोत
जलगाँव

श्रीमती तारादेवी सुराणा
गंगाशहर

श्री राजमलजी चौरड़िया
जयपुर

श्री ललितकुमारजी लोढ़ा
मदुरान्तकम्

श्री निर्मलकुमारजी भूरा
करीमगंज

श्री राजकुमारजी बच्छावत
नेपाल

श्री केशरीमल जी देशलहरा
दुर्ग

स्व. श्रीमती सुभद्रादेवी पगारिया
सूरत

श्री राजीवजी सूर्या
उज्जैन

चतुर्थ चरण

श्री खूबचन्दजी पारख
राजनांदगाँव

श्री विनयजी अब्भाणी
चित्तौड़गढ़

श्री प्रकाशजी कांकरिया
इन्दौर

श्री उत्तमचंदजी रांका
जयपुर

स्व. श्रीमती सरोजदेवी
सुराणा-बेरला

श्री रावतमलजी संचेती
गंगाशहर

श्री पुखराजजी मुकिम
जयपुर

श्री जयचंदलालजी मरोटी
देशनोक/कोलकाता

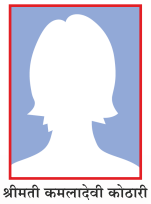
श्रीमती कमलादेवी कोठारी
बैंगलोर

श्री शांतिलालजी डागा
कोलकाता

श्री राजमलजी पंवार
कानवन

कार्यसमिति (10 जनवरी 2016) के अनुसार

तृतीय चरण

* श्री शांतिलालजी बच्छावत-सूरत * श्री अनिलकुमारजी गोलछा-सिलचर * श्री प्रकाशचंदजी कोठारी-अमरावती * श्रीमती कमलादेवी संचेती-देशनोक/दिल्ली * श्री सुन्दरलालजी बोथरा-मुम्बई * श्री गोपालचंदजी खिंवसरा-बैंगलोर * श्री बापूलालजी कोठारी-उदयपुर * श्री विजय कुमारजी टंच-बदनावर

द्वितीय चरण * श्री तेजकुमारजी तातेड़-इंदौर * श्री पूनमचंदजी भूरा-भीलवाड़ा * श्री बसंतीलालजी चंडालिया-चित्तौड़गढ़ * श्री बसंतजी कटारिया-रायपुर * श्रीमती इन्द्राबाई धाड़ीवाल-रायपुर * श्री कमलजी बैद-मुम्बई * श्री प्रकाशचंदजी सूर्या-उज्जैन * श्रीमती सुनीताजी मेहता-बेलगाँव * श्री दिलीपजी पगारिया-जावरा * श्री राजकुमारजी बाफना-हरदा * श्री प्रेमचंदजी व्होरा-बदनावर

प्रथम चरण * श्रीमती सूरजादेवी बरड़िया-सिलचर * श्री मनोज कुमारजी संचेती-बेलगाँव * श्री उदयराजजी पारख-रायपुर * श्री झंवरलालजी कुम्मट-सिलचर * श्री सोहनलालजी रांका-ब्यावर * श्रीमती ज्ञानकँवरजी ओस्तवाल-ब्यावर * श्री विजय कुमारजी मुणोत- हैदराबाद * श्री भीखमचंदजी ओस्तवाल-कलंगपुर * श्री अखराजजी ओस्तवाल-भिलाई * श्री मुन्नालालजी पँवार-कानवन * श्री चेतन कुमारजी हिंगड़-ब्यावर * श्री अभयकुमारजी भण्डारी-जावरा * श्री दिलीपजी ओस्तवाल-कलंगपुर * श्री कँवरलालजी देशलहरा-गुण्डरदेही * श्री प्रकाशचंदजी श्री श्रीमाल-हैदराबाद * श्री निर्मलजी खिंवसरा-ब्यावर

|| जय गुरु नाना || || जय महावीर || || जय गुरु राम ||

राम चमकते भानु समाना

(The Life Changing Workshop For Youth)

Towards Innovation

भारतवर्ष के समस्त साधुमार्गी युवाओं हेतु

आयु सीमा
18 से 45 वर्ष तक

रविवार-सोमवार
दिनांक-14-15
अगस्त 2022
उदयपुर (राज.)

प्रमुख आकर्षण

- सुबह की शुरुआत सामायिक एवं समता आराधना से
- अंतरराष्ट्रीय स्तर के Professional Trainer द्वारा प्रशिक्षण
- चारित्रात्माओं का विशेष सानिध्य
- सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान द्वारा जीवन जीने के सूत्र सिखाना
- युवाओं का Overall Personality Development करना
- परम् पूज्य आचार्य भगवन् और उपाध्याय प्रवर के दर्शन, वंदन, प्रवचन का सहज में लाभ

इस workshop हेतु अग्रिम पंजीकरण आवश्यक है।
अग्रिम पंजीकरण दिनांक 10 अगस्त 2022 से पहले अवश्य करवायें

शिविर अभिकल्पकार | **राष्ट्रीय शिविर मैनेजमेंट टीम**

आयोजक

संयोजन
समता युवा संघ
उदयपुर

मोनीन सुराणा
मो. 94609-00011

अल्पेश धाकड़
मो. 99295-98487

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ
(अंतर्गत - श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ)

स्व. श्रीमती कमलेश कुमारी ओस्तवाल, ब्यावर

परिवार जिसका मंदिर था, स्नेह जिसकी शक्ति थी।
परिश्रम जिसका कर्तव्य था, परमार्थ जिसकी भक्ति थी।।
ऐसी आपकी दिव्य आत्मा को ईश्वर शांति प्रदान करें।

ब्यावर निवासी धर्मनिष्ठ सुश्राविका श्रीमती कमलेश कुमारी ओस्तवाल धर्मसहायिका श्री सुभाषचन्दजी ओस्तवाल का 62 वर्ष की आयु में 8 जुलाई 2022 को अकस्मात् देवलोकगमन से पूरा परिवार शोक संतप्त हो गया है।

सुश्राविका श्रीमती कमलेश कुमारीजी आचार्यश्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश की अनन्य भक्त थी। प्रतिदिन प्रवचन श्रवण व सुपात्रदान की उत्तम भावना उनकी विशेषता थी। धर्माराधना में लीन रहते हुए आपने अपने जीवन को सार्थक किया।

आपको पुच्छिंसु णं, उत्तराध्ययन सूत्र के काफी अध्ययन व दशवैकालिक सूत्र कंठस्थ थे। आप सरल, सहज, हँसमुख व मिलनसार व्यक्तित्व की नारी रत्न होने से परिवार में स्तम्भ समान थी। आप महासती श्री तेजप्रभाजी म.सा. की संसारपक्षीय भतीजी एवं श्रद्धेय श्री सुमितमुनिजी म.सा. की संसारपक्षीय मामीजी थी।

आपके पुरुषार्थ के प्रतिफल स्वरूप आपका पूरा परिवार धार्मिक संस्कारों से ओत-प्रोत है। आपके धर्मसहायक व दोनों पुत्र संघ सेवा हेतु समर्पित हैं तथा दोनों बहुएँ धार्मिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं।

श्रीमती कमलेश कुमारजी का जीवन सम्पूर्ण परिवार के लिए प्रेरणास्रोत है। परमपिता परमेश्वर आपश्री की दिवंगत आत्मा को सर्वोच्च गति व शाश्वत सुख प्रदान करें और इस कष्ट की घड़ी में शोक-संतप्त परिवार को ये वज्राघात सहन करने की शक्ति दें यही मंगलकामना करते हैं।

श्रद्धावनत्

सुभाषचन्द (पति), भँवरलाल (जेठ), दिनेश-खुशबू, राहुल-कुसुम (पुत्र-पुत्रवधू), राजेन्द्र, सुनील, नवरत्न, हेमन्त, जय, विजय (भतीजे), सानिध्य, मौलिक, सार्थक, नैतिक (पौत्र),
रेशमा-संकल्पजी सांखला, देवली/चैन्नई (पुत्री-दामाद), श्रेयल-आर्यन साँखला (दोहिता-दोहिती)
पीहर पक्ष- प्रसन्नचन्द, दिलीपकुमार, भीकमचंद कोठारी (नागेलाव/ब्यावर)

प्रतिष्ठान

भंवरलाल सुभाषचन्द ओस्तवाल (एडवोकेट्स), ब्यावर (राज.)

सुश्राविका गुलाबदेवी पुगलिया, बीकानेर/चैन्नई

धर्मनिष्ठ सुश्राविका श्रीमती गुलाबदेवी पुगलिया धर्मपत्नी स्व. श्रीप्रतापचंदजी पुगलिया, बीकानेर निवासी चैन्नई प्रवासी का 15 जुलाई 2022 को 82 वर्ष की आयु में 7 घण्टे के संथारा-संलेखना सहित रामेश चालीसा सुनते हुए पंडितमरण हो गया। आपकी आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट श्रद्धा थी। विगत 15 वर्षों से आप प्रतिवर्ष पर्युषण पर्व पर गुरुदेव के सान्निध्य में धर्माराधना करती थीं। आपने अपने जीवन में 2 वर्षीतप, 11 तक की तपस्या की लड़ी के साथ चौदस की तिथि सहित 20 थानक ओलीजी पूर्ण की। आप प्रतिदिन 5-6 सामायिक, 500 गाथाओं का स्वाध्याय व प्रतिक्रमण करती थी। आपके विगत 30 वर्षों से रात्रिभोजन एवं जमीकंद का त्याग था। उम्र के इस पड़ाव में भी आपने जैन संस्कार पाठ्यक्रम के 5 भाग की परीक्षा पूर्ण की।

आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं। आपने संथारे से चार दिन पूर्व ही 4 की तपस्या एवं 3 दिन सागारी संथारा किया। आपने अपनी पूर्ण सजगता के साथ चौविहार संथारा श्री जयतिलकमुनिजी म.सा. के मुखारविन्द से ग्रहण किया।

श्रद्धावनत्

कैलाशचन्द, नवरतन, राजेन्द्रकुमार, तरुणकुमार, कुनाल, लक्की, मेहुल, कल्प पुगलिया

प्रतिष्ठान

Sandeep Textiles
60, M.C. Road, Chennai-21

Nanesh Creations
247, T.H. Road, Minjur-601203

Nanesh Creations
98, G.A. Road, Chennai-21

Nanesh Guru Finance
32/1, VP Koil Street, Tondiarpet, Chennai-81

नवरतन, कुनाल, कल्प पुगलिया, चैन्नई

श्रमणोपासक
।। जय गुरु नाना।।

राम चमकते भानु समाना

।। जय महावीर।।

29-30 जुलाई, 2022
।। जय गुरु राम।।

पंजीयन संख्या : आर. एन. 7387/63

श्रमणोपासक समाचार पाक्षिक

Visit us : www.sadhumargi.com

प्रकाशक
श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

अध्यक्ष एवं प्रधान सम्पादक
गौतम चन्द जैन, मुम्बई

सह-संपादिका
श्रीमती मोनिका जय ओस्तवाल, ब्यावर

बैंक खाता विवरण

Scan & Pay

Shree Akhil Bharatvarshiya Sadhumargi Jain Sangh, Bikaner

Bank	: State Bank of India
A/c No	: 31264126681
IFSC Code	: SBIN0003401
Branch	: G.S. Road, Bikaner
email	: accounts@sadhumargi.com
Mob. No.	: 7073311108

व्हाट्सएप और ई-मेल आईडी

श्रमणोपासक समाचार	: 8955682153	news@sadhumargi.com
श्रमणोपासक	: 9799061990	
साहित्य	: 8209090748	: publications@sadhumargi.com
महिला समिति	: 7231033008	: ms@sadhumargi.com
समता युवा संघ	: 7073238777	: yuva@sadhumargi.com
धार्मिक परीक्षा	: 7231933008	examboard@sadhumargi.com
कर्म सिद्धान्त	: 7976519363	
परिवारांजलि	: 7231933008	: anjali@sadhumargi.com
विहार	: 8505053113	: vihar@sadhumargi.com
पाठशाला	: 9982990507	: Pathshala@sadhumargi.com
शिविर	: 7231833008	: udaipur@sadhumargi.com
ग्लोबल कार्ड अपडेशन	: 6265311663	: globalcard@sadhumargi.com

प्रधान कार्यालय/ईमेल आईडी

समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) फोन : 0151-2270261
helpdesk@sadhumargi.com

श्रमणोपासक सदस्यता

आजीवन (अर्द्ध मूल्य)	
(केवल भारत में)	500/-
(विदेश हेतु)	10,000/-
वार्षिक	
(केवल भारत में)	60/-
(विदेश हेतु)	1,000/-
वाचनालय वार्षिक	
(केवल भारत में)	50/-
प्रस्तुत अंक मूल्य	10/-

साहित्य सदस्यता
15 वर्ष (केवल भारत में) 3,000/-

संघ सदस्यता

साधारण सदस्यता	500/-
आजीवन सदस्यता	5,000/-

सूचना- किसी भी कार्य के लिए संबंधित विभाग से ही सम्पर्क करें। इससे आपका कार्य सुगम और त्वरित गति से हो सकेगा।

कार्यालय समय- प्रात: 10.00 से सायं 6.30 बजे तक
लंच- दोपहर 1.00 से 1.45 बजे तक

अनुक्रमणिका

रक्षाबन्धन और आज का वातावरण -परम पूज्य आचार्य प्रवर		
1008 श्री नानालालजी म.सा.	:	09
चार वैद्य	:	10
उदयपुर समाचार	:	12
महत्तम महोत्सव का आगाज	:	24
चातुर्मास सूची-2022	:	27
विविध समाचार	:	59
केन्द्रीय पदाधिकारियों का प्रवास	:	64
विविध भेंट मार्फत	:	65
श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति	:	68
श्रमन की बुद्धिमानी	:	75
श्री अ.भा.सा. जैन समता युवा संघ	:	76

सुविचार

प्रमोद-भावना

गुणियों के प्रति नित्य, रखना प्रमोद भाव।

जीवन विकास में ये, सहयोगी होता है।।

गुणज्ञ के पास सभी, गुण दौड़े-दौड़े आते।

देख के पराये गुण, प्रमोद मनाता है।।

दूध पीता हंस सदा, जल को वो छोड़ देता।

धूल में से चींटा, चीनी सदा अपनाता है।।

वीर कहे गौतम से, करना गुणानुवाद।

भावना प्रमोद द्वारा, जीव तिर जाता है।।

साभार- वीर कहे गौतम से

सुरक्षा कवच में सुराख न हो

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा.

तुम्हारी प्रशंसा करने वाले कई हो सकते हैं, पर सारे तुम्हारे प्रशंसक ही हैं, ऐसा कभी मत सोचना। कुछ नहीं, अनेक लोग मुँह के सामने प्रशंसा करते हैं, पर परोक्ष में वे निन्दा भी करने में पीछे नहीं रहते हैं। यदि प्रशंसा से तुम पगला गए तो जीवन में बहुत बड़ा धोखा खा सकते हो। कोई प्रशंसा करे, यह चाह भी अपने में मत जागने दो। यदि कोई प्रशंसा करे तो यह मत मानो कि इसका कहना पूर्णतया सच ही है, क्योंकि भाव और भाषा में बहुत बार वैषम्यता रहती है। जहाँ भाव-भाषा की वैषम्यता रहती है, वहाँ पूर्ण सत्य होने की संभावना प्राय: क्षीण ही रहती है।

धर्म, रक्षा करता है, पर वह स्वयं रक्षित हो तब। यदि वह हो ही नहीं तो कौन रक्षा करेगा? चौकीदार-वॉचमैन हो तो वह घर की सुरक्षा का ध्यान रख सकता है, पर वॉचमैन ही न हो अथवा व्यवस्थित न हो, कभी हो कभी न हो तो घर की रक्षा कैसे हो पाएगी? कभी हो, कभी न हो तो जिस समय वह नहीं होता, उस समय उस पर रक्षा का भार ही नहीं तो वह क्यों रक्षा करेगा? धर्म तब रक्षा करता है जब उसमें कोई सुराख न हो। अन्यथा जहाँ सुराख है वहीं से खतरा प्रवेश करता है। वहाँ से असुरक्षा की स्थिति बनी रहेगी। उस स्थिति में यदि धर्म रक्षा न कर पाए तो यह दोष धर्म का नहीं है, हमारा अपना है। हमने उसमें सुराख रख दिए।

प्रशंसाप्रियता धर्म में सुराख है। प्रशंसाप्रिय, व्यक्ति की पहचान नहीं कर पाता। वह प्राय: चापलूसों से घिरा रहेगा। उसे वे ही अच्छे लगेंगे। वह उनको ही महत्त्व देता है। उसी में वह मात खा जाता है। प्रशंसाप्रियता धर्म से हटा देती है। प्रशंसाप्रियता से घर-परिवार में क्लेश होता है। समाज में अन्यमनस्यता पैदा हो जाती है। मेरी प्रशंसा नहीं हो रही है, मैंने समाज में कितने ही काम किए, पर अन्य की प्रशंसा हो रही है। उसने विशेष क्या किया? मेरे मुकाबले में कुछ भी नहीं। इस प्रकार मन ही मन भेद-रेखा खड़ी होने लगती है। प्रशंसाप्रियता का ईर्ष्या से चोली-दामन का सम्बन्ध है। अत: जहाँ प्रशंसाप्रियता, ईर्ष्या आदि होंगे वहाँ सदासर्वदा पूर्णकालिक धर्म की विद्यमानता संदिग्ध है। इसलिए धर्म की आराधना एकात्म भाव से होनी चाहिए।

28.08.2016, भाद्रपद कृष्ण 11, रविवार

साभार- प्रणव

रक्षाबन्धन और आज का वातावरण

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री नानालालजी म.सा.

प्रात: काल, जैसे ही प्रकाश आया कि बहनें थाल सजाकर अपने-अपने भाई के यहाँ पहुँच गई। भाई ने सीधा हाथ सामने किया और चट बहिन ने धागा बांध दिया। उसके बदले में भाई से कुछ लेकर संतुष्ट हो गई, परन्तु इतने मात्र से इतिश्री नहीं होती। इस धागे को बांधने पर आपके ऊपर बहन की रक्षा की जिम्मेदारी आ जाती है। वह संकट में, खतरे में हो तो, बिना कहे भाई उसकी रक्षा करे। आज कितनी बहनें बन्धन में और खतरे में हैं। परन्तु रक्षा करने वाले कितने हैं? आज कितनी बहिनें भूखी मर रही हैं। उनके बच्चों का क्या हाल हो रहा है, किस दुर्गति में वे पहुंच रही हैं।

बन्धुओ! मैं क्या कहूँ ! आज सामाजिक क्षेत्र में सामाजिकता कितनी नष्ट हो रही है।

क्या कोई भाई है रक्षा करने वाला?

समाज में विषमता बढ़ रही है, उसको समाहित करके जनता की रक्षा करने का सामर्थ्य है किसी में? कई फॉरेन के दृष्टान्त सुनते हैं। जिनको हम अनार्य मानते हैं और यह मानते हैं कि हम आर्य हैं। भारतीय आर्य की बात कहते हैं परन्तु वे कर्तव्य करने योग्य कर्तव्यों को धारण करके चल रहे हैं या छोड़ कर चल रहे हैं? आज मनुष्यों का गौरव, व्यक्तियों का गौरव, धर्म का गौरव, समाज का गौरव, ये सब रक्षासूत्र बंधवाने के लिए तत्पर हैं, कोई भाई रक्षासूत्र बांधने को तैयार हैं? जब उनके ऊपर आपत्ति आती है, समाज, राष्ट्र और विश्व का गौरव नष्ट होता हो तो भारतीय अपना कर्तव्य अदा करने को तैयार हैं या नहीं? जहां हम विदेशियों को अनार्य कहते हैं, परन्तु वे समाज, राष्ट्र के लिए कितने तत्पर हैं? जहां तक मैंने सुना है, उसके आधार पर कह रहा हूँ, हिन्दुस्तानी गौरव का ठेका लेकर चल रहे हैं कि हम आध्यात्मिकता के गौरवशाली व्यक्ति हैं। ऐसा एक व्यक्ति जापान में पहुंचा। वह रेल में बैठकर जा रहा था। तब उसे फलों की आवश्यकता थी। वह सब जगह फिर आया परन्तु कहीं पर भी फल नहीं मिले, धैर्य का धागा कितनी जल्दी टूटता है। अब उसके धैर्य का धागा टूट गया। देखिए-आर्य देश वालों के धैर्य का धागा कितनी जल्दी टूटता है। आपे से बाहर होकर कहने लगा कि यह कैसा निकम्मा देश है, जंगली देश है, जहां पर फल-फ्रूट भी नही मिलते हैं। यह बात किसी व्यक्ति को लेकर नहीं कही, वह सामान्य रूप में बड़बड़ा रहा था। उसी रेल में जापान का ही एक साधारण सा मजदूर था। परन्तु उसके मन में देश के प्रति गौरव था। उसने सुनकर सोचा कि मेरे देश की निन्दा नहीं होनी चाहिए। जिसको अपने देश की निन्दा का ख्याल रहता है, तो वह अपनी निन्दा का, समाज की निन्दा का ख्याल रखता है। उस गरीब जापानी को अपने राष्ट्र का गौरव रखना था। वह झट से भागा हुआ गया। उसके घर में जो खाने के लिए फल रखे थे, वे सारे उठाकर ले आया और हिन्दुस्तानी महाशय के सामने रख दिए। फलों को खाने के बाद हँसता हुआ महाशय पैसे देने लगा। उसने कहा मुझे पैसे नहीं चाहिये। तो पूछा कि क्यों नहीं चाहिए? तब उसने कहा कि आप हमारे देश में आये हैं, तो हमारे देश की निन्दा मत कीजिये, बस यही अपेक्षा है।

देखिये! अपने देश की रक्षा का कितना ख्याल है, एक साधारण मजदूर को भी। क्या है भारतवासियों को भारत का गौरव? भारत की रक्षा के लिये क्या स्वार्थ समर्पण करने को तैयार हैं? परिवार, पड़ोसी, गाँव, नगर एवं राष्ट्र की सुरक्षा की कितनी, क्या भावना दिलों में काम कर रही है, जरा अपने-अपने दिलों को टटोल कर देखिए। जहां परिवार की निन्दा होती हो, वहाँ भी मनुष्य गर्दन नीची करके चले और समाज एवं राष्ट्र की निन्दा होती हो तो भी गर्दन नीची करके चले, जहां बाहर के कर्तव्य का, बाहर के गौरव की रक्षा का भी ख्याल न

करे तो वह आध्यात्मिकता की रक्षा क्या कर सकता है ? जैसा गौरव उस जापानी व्यक्ति में था, यदि ऐसा ही हिन्दुस्तानी में गौरव जाग जाए तो भारत का उत्थान होते देर नहीं लगेगी। पर यहाँ तो एक भाई की इज्जत लूटी जा रही है तो दूसरे भाई हँस रहे हैं। अरे ! यह नहीं सोचते हैं कि आज इसके घर में आग लगी है तो कल मेरे घर में भी आग लग सकती है। व्यक्तियों को एकत्व भाव से चलना चाहिये। व्यक्ति, समाज राष्ट्र की गिरावट को देखते हुये आज रक्षा बन्धन पर सभी को चिन्तन करना है, इसी के साथ मैं अपनी बात भी कह दूं।

क्यों न मेरे भाइयों के राखी बाँध दूं। अरे! आप तो हँसने लगे। आप सोचते होंगे महाराज! आप तो साधु बन गए, अब क्या राखी बाँधोगे? भाई! मैं उस डोरे वाली राखी के लिए नहीं कह रहा हूँ। यह तो वीतराग देव का शासन है और आप उसके पीछे गौरवान्वित हैं। इस शासन के अनुरूप आध्यात्मिक जीवन की राखी बाँधना चाहता हूँ। बंधवाना चाहेंगे क्या? यदि हाँ! तो हमारे ऊपर आपकी जिम्मेदारी आ गई है। रोटी, कपड़ों की जिम्मेदारी नहीं! परन्तु हम साधु जीवन में चल रहे हैं, तो हम अपने कर्तव्य का पालन कर रहे है या नहीं? इसकी देख-रेख और गौरव की रक्षा आपको करनी है। आप भी अपनी स्थिति से करें और हम भी अपनी स्थिति से चलें। यह नहीं सोचें कि यह इनका काम है और यह उनका काम है। जहाँ गौरव नष्ट हो रहा हो तो उसकी रक्षा प्रत्येक का काम है। मैं जिम्मेदारी डालता हूँ आप पर कि मुझ में या मेरे सन्तों में या सतियों में कोई भी गलती हो या आपको भ्रम हो तो उसका निवारण करें, जिससे विशुद्ध चरित्र के परिपालन में आप सहायक बनेंगे। यदि कोई गलती होगी तो तदनुरूप निवारण किया जाएगा। यदि नहीं होगी तो आपकी शंका का समाधान हो जाएगा।

अन्त में मैं यही कहना चाहता हूँ कि इस रक्षा बन्धन के प्रसंग से भव्य आत्मायें जन्म-जन्मान्तर से कर्मों से बद्ध अपनी आत्मा की रक्षा करने के लिये, अहं, ममता, कषाय आदि का शमन करेंगे, आत्मा का समीक्षण करेंगे तो अवश्य ही एक दिन इन सभी बन्धनों से अपने आप की शाश्वत रक्षा कर सकेंगे।

साभार- नानेशवाणी-8 (परदे के उस पार)

चार वैद्य

-संकलित

सिंधु देश में एक बड़ा वैद्य रहता था। वह गरीबों का इलाज मुफ्त करता था। इसलिए सब लोग उसे बहुत चाहते थे। एक बार वह वैद्य स्वयं बहुत बीमार हो गया। उसे विश्वास हो गया कि अब वह बचेगा नहीं। छोटे बच्चों, बड़ों, औरतों और मर्दों सभी ने उसकी चारपाई को घेर लिया। उनकी आँखों से आँसू बह रहे थे। अचानक वैद्य ने आँखें खोली और सबकी ओर देखकर कहने लगा- ''आप लोग क्यों रो रहे हैं?''

सभी ने एक स्वर में कहा- ''आप हमें छोड़कर जा रहे हैं। अब बीमारी के समय कौन हमारी देखभाल करेगा?''

वैद्य ने कहा- ''भगवान की बात कोई नहीं टाल सकता। खैर! मैं आप लोगों के लिए चार वैद्य छोड़े जा रहा हूँ। जो हमेशा बिना कुछ लिए आपकी सेवा करेंगे।''

लोगों ने पूछा- ''कौन हैं वे वैद्य?''

वैद्य ने जवाब दिया- ''उन चार वैद्यों में पहला है नित्य सवेरे उठकर व्यायाम करना। दूसरा है- रोजाना दांतुन करना। तीसरा है- रोज नहाना और चौथा है- जब भूख लगे तब भोजन करना। इन चार वैद्यों के अनुसार चलोगे तो सदा स्वस्थ रहोगे।'' इतना कहने के बाद वैद्य ने आँखें मूंद ली।

वैद्य की मृत्यु के बाद लोग वैद्य की सलाह पर चलने लगे और वे बीमारियों से मुक्त व स्वस्थ रहने लगे।

श्रमणोपासक हैडलाईन्स

(1) युगनिर्माता आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा., उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-16 का उदयपुर नगरी में चातुर्मासार्थ मंगल प्रवेश हुआ।

(2) आचार्य प्रवर के उदयपुर में मंगल प्रवेश के साथ ही मुमुक्षु बहिन सुश्री अनमोलजी जैन का संयम जीवन में प्रवेश। नवदीक्षिता साध्वी श्री अनमोलश्रीजी म.सा. के रूप में करेंगी शासन को सुशोभित।

(3) चातुर्मासिक स्थापना दिवस पर आचार्य श्री रामेश सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव 'महत्तम महोत्सव' का पूरे राष्ट्र में 13 जुलाई को एक साथ शुभारंभ। जन-जन है आतुर जुड़ने को।

(4) नाना गुरु के तीन सूत्र- सह-अस्तित्व, सहिष्णुता, समता से हो सकती है विश्वशांति।

(5) श्री सुमितजी बंब-जयपुर श्री अ.भा.सा. जैन समता युवा संघ के (सत्र 2022-24 हेतु) राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत।

(6) पूरे राष्ट्र में घोषित चातुर्मास स्थलों पर चारित्रात्माओं का चातुर्मासार्थ मंगल प्रवेश।

(7) छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल के दुर्ग में 200 बच्चों का अद्भुत व ऐतिहासिक शिविर आयोजित, जिसके विशेष बिन्दु श्रावकाचार, श्रमणाचार व जैन हिस्ट्री रहे।

(8) केन्द्रीय प्रवास टीम का छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल का प्रवास सफल व सराहनीय रहा, विशेष धार्मिक प्रभावना हुई। कई लोग संघ प्रवृत्तियों से जुड़ हर्षानुभूति कर रहे हैं।

(9) श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति द्वारा विगत कुछ दिनों से ऑफर पर सदस्यता प्रदान की जा रही है, जिसके तहत 1420 नयी सदस्याएँ बनीं।

(10) महिला समिति द्वारा कराई जा रही गतिविधि केसरिया कार्यशाला में 'सवणे णाणे' का थोकड़ा पूरा हुआ।

(11) समता युवा संघ, कोलकाता-हावड़ा ने करुणा का परिचय देते हुए हावड़ा में 15 गायों व 21 बछड़ों तथा कोलकाता में 31 गायों को कसाईखानों से मुक्त कराकर सुरक्षित गौशाला पहुँचाया।

(12) समता युवा संघ के Inspiring Youth के अन्तर्गत सूरत में तीन दिवसीय शिविर सम्पन्न हुआ।

(13) साधुमार्गी पब्लिकेशन कर रहा साहित्य प्रकाशन में उत्तरोत्तर वृद्धि, अब तक 300 से अधिक पुस्तकें हो चुकी हैं प्रकाशित।

(14) श्री अ.भा.सा. जैन संघ की नई 'साधुमार्गी एप' लांच की गई।

(15) परम पूज्य आचार्य प्रवर की विशेष आज्ञा से किरणदेवी झाबक की जैन भागवती दीक्षा बीकानेर में सम्पन्न। नवीन नामकरण नवदीक्षिता साध्वी श्री कृतार्थश्रीजी म.सा.। आचार्यदेव की नैश्राय में 358वीं दीक्षा हुई।

(16) No Name No Blame पर आधारित रहेगी महत्तम महोत्सव कार्यप्रणाली।

(17) साध्वी श्री सुअर्चाश्रीजी म.सा. का जावरा में 25 जुलाई 2022 को देवलोकगमन हुआ।

महत्तम महोत्सव का आगाज

चातुर्मास की है अनोखी छटा

तप-त्याग की छाई है आध्यात्मिक छटा

युगनिर्माता, परमागम रहस्यज्ञाता, आचार्य श्री रामेश एवं बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. का धर्मनगरी उदयपुर में ऐतिहासिक मंगल प्रवेश : दर्शन हेतु जनसैलाब उमड़ा

82 संत-महासतियों से चातुर्मास सुरभित

चातुर्मास अहम् पोषण के लिए नहीं, अपितु आत्म-पोषण के लिए है -आचार्य श्री रामेश

प्रवाह में बहने वाले नहीं बनें -उपाध्याय प्रवर

वर्तमान के वर्द्धमान हो, जिनमार्ग में गतिमान हो। भक्तों के भगवान हो, हुक्मसंघ के प्राण हो।।

सुन्दरवास, सेक्टर-3, वर्द्धमान जैन स्थानक भवन, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर

मेवाड़ के अनेक क्षेत्रों को पावन पवित्र करते हुए निर्लिप्त अध्यात्म योगी, उत्क्रांति प्रदाता, गुणशील सम्प्रेरक, समता सर्व मंगल प्रदाता, आगमज्ञाता, आराध्यदेव आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा., बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा का मेवाड़ की राजधानी उदयपुर में 22 साल बाद चातुर्मासार्थ पधारने पर जन-जन हर्षित-पुलकित हो गया। गुरु-भगवंतों के आगमन से जनता आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त कर रही है।

परमागम रहस्यज्ञाता, नानेश पट्टधर आचार्यश्री का चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश पश्चात् स्थानीय जन व बाहर से धर्माराधना हेतु पधारे लोगों में नवीन ऊर्जा का संचार होता दिखाई दिया। कोई भी 'राम महोत्सव-2022' में अपनी साक्षी देने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहता था। प्रतिदिन का संभावित क्रम इस प्रकार रहता है- सर्वप्रथम प्रात:कालीन मंगलमय बेला में अत्यंत भावपूर्ण शब्दों में प्रार्थना श्री मनीषमुनिजी म.सा. द्वारा कराई जाती है। प्रार्थना के पश्चात् आचार्य भगवन् द्वारा मंगलपाठ फरमाया जाता है। प्रवचन में आचार्य भगवन् एवं अन्य चारित्रात्माओं की धर्मदेशना सुनकर मन भक्तिभाव से ओत-प्रोत हो जाता है। सत्य सदा जयकार चौपाई के माध्यम से जनता नित नई-नई प्रेरणाएँ ग्रहण कर ही है। दोपहर 2 बजे नियमित रूप से ज्ञानचर्चा होती है, जिसमें आचार्य भगवन् का सान्निध्य संभावित होता है। शास्त्र, तत्त्व व अन्य धार्मिक जिज्ञासाओं का समाधान बड़े ही सरल व सटीक तरीके से किया जाता है। तत्पश्चात् दोपहर 3:30 बजे आचार्य प्रवर के श्रीमुख से मांगलिक पाठ श्रवण के साथ चर्चा की इतिश्री होती है। ज्ञानचर्चा के साथ ही उसी समय शिविरादि का आयोजन भी संघ की विभिन्न इकाइयों द्वारा किया जा रहा है। सायंकालीन प्रतिक्रमण के पश्चात् पुरुषों हेतु ज्ञानचर्चा का प्रसंग रहता है।

01 जुलाई 2022, सुन्दरवास, उदयपुर। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए विश्ववंदनीय आचार्य श्री रामेश ने अपनी दिव्य देशना में फरमाया कि ***"संसार का वैभव सच्चा सुख देने वाला नहीं है। सच्चा सुख आत्मा का सुख है, जिससे तृप्ति और संतोष प्राप्त होता है। साधु को गोचरी मिल गई तो मौज है और नहीं मिली तो भी***

मौज है। सहज रूप से तप का लाभ मिलता है। सभी जीवों के साथ मैत्रीभाव होना चाहिए। वात्सल्य भाव होगा तो धर्म होगा। वैरभाव नहीं छूटता है तो सच्चा प्रतिक्रमण नहीं होता है। भोग से योग की ओर जाना, अनासक्त भाव में जीना धर्म है।''

श्री लाघवमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि ज्ञानपूर्वक क्रिया फल देने वाली होती है। शासन दीपिका साध्वी श्री किरणप्रभाजी म.सा. आदि साध्वीवृन्द ने 'राम गुरु की जय हो' गीतिका प्रस्तुत की। शासन दीपिका साध्वी श्री शांताकँवरजी म.सा. ने गुरु-भगवन्तों के पावन दर्शन कर धन्यता का अनुभव किया। अनेक लोगों ने प्रतिदिन एक विगय त्याग करने का नियम लिया।

स्थानीय संघ अध्यक्षजी ने आचार्य भगवन् के चरणों में अधिकाधिक विराजने की विनती की। बाहर से दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर जारी है। उदयपुर के सभी सम्प्रदायों के धर्मप्रेमियों ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लिया। दोपहर में ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी के कार्यक्रम हुए।

समाधि में रहना अपने हाथ में है...

02 जुलाई, सेक्टर-3, महावीर भवन, उदयपुर। आचार्य भगवन् एवं उपाध्याय प्रवर का जय-जयकारों के साथ महावीर भवन में मंगल पदार्पण हुआ। अपार जनसमूह दर्शन हेतु लालायित नजर आया। यहाँ आयोजित धर्मसभा में जिनवाणी का अमृतपान कराते हुए नानेश पट्टधर आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''**हम जब पसंद और नापसंद में उलझते हैं तभी हमारे मन में संशय पैदा होता है। जैसा जीवन मिलेगा वैसा मुझे जीना है। जिस विधि से मेरा जीवन चल रहा है मैं उसमें शांत रहूं, समाधि में रहूं। दुःख मिले तो सहन करूं, सुख मिले तो भावातिरेक न होऊं। क्योंकि मेरे चाहने से जब कुछ अवस्था बदलने वाली नहीं है तो मैं क्यों चाहूं कि मैं कैसे जीऊं। मुझे बस शांत रहना है, समाधि में रहना है। यह मेरे हाथ की बात है। मेरा प्रयास रहे कि मैं हर दिन अपने आपको सम रखूं। राग-द्वेष, लड़ाई-झगड़ों से मोक्ष मिलने वाला नहीं है। मोह में डूबने वाला डूब ही जाता है। हमें ज्ञानात्मा को सक्रिय करना पड़ेगा।**''

श्री लाघवमुनिजी म.सा. ने अनुशासन पर जोर देते हुए प्रवचन के समय वंदना नहीं करने, प्रवचन के दौरान दूसरों से सामायिक नहीं लेने आदि कई बातों का उल्लेख किया।

शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. ने भावोद्गार में गीतिका 'खुशी के गीत सब गाओ, मेरे भगवान पधारे हैं' के साथ फरमाया कि आज जन-जन हर्षित व पुलकित है। महापुरुषों के गुणगान करने से दुःख-दर्द मिट जाते हैं। साध्वी श्री कमलश्रीजी म.सा. ने 'भगवान मेरे आंगन पधारे, स्वागत के थाल सजाएं' गीतिका सहित फरमाया कि आज उदयपुर की धर्मधरा पवित्र हो गई है। महापुरुषों के चरण पड़ने से हम सब निहाल हो गए हैं। आचार्यदेव का स्वागत तप, दया, पौषध से करें। साध्वी मंडल ने गीतिका 'नाना गुरु का राम देखो सारी दुनिया में छा गया, चांद सा मुखड़ा, भक्तों के मन को भा गया' प्रस्तुत की।

महिला मंडल की बहिनों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन संघ की ओर से गुरुभक्तों ने आचार्य भगवन् के आगमन पर हर्ष व्यक्त करते हुए त्यागी-महापुरुषों से प्रेरणा लेने का निवेदन किया। उदयपुर सहित मेवाड़ व देश के अनेक स्थानों के श्रद्धालुओं ने भारी संख्या मे सभा में उपस्थित हो कर्मनिर्जरा का लाभ प्राप्त किया।

माह में एक दिन मोबाइल का त्याग एवं 12 उपवास, 12 एकासन, 12 संवर का प्रत्याख्यान कई लोगों ने लिया। दोपहर में श्री लाघवमुनिजी म.सा. के सान्निध्य में जिज्ञासा समाधान का कार्यक्रम हुआ।

नाना गुरु के तीन सूत्र- सह अस्तित्व, सहिष्णुता, समता

03 जुलाई, सेक्टर-3 उदयपुर। समता रविवारीय शाखा श्री मनीषमुनिजी म.सा. ने करवाई। महावीर भवन में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य भगवन् ने अपनी मधुरवाणी में फरमाया कि ''**मेरे मन-मंदिर में धर्म के सिवाय दूसरा कोई प्रवेश न करे। अर्थात् पद-प्रतिष्ठा, सत्ता-मोह, ममत्व मेरे मन-मंदिर में प्रवेश न करें। जब ये प्रतिष्ठित होते हैं तो धर्म वहाँ से निकल जाता है। नाना गुरु ने तीन सूत्र दिए- सहअस्तित्व, सहिष्णुता और समता। पूरी सृष्टि में शांति और समाधि का स्रोत तीन सूत्र हैं।**

1. सह-अस्तित्व में मैं अपना व्यक्तित्व निखारना चाहता हूँ, जबकि मेरे अस्तित्व का ठिकाना ही नहीं है। एक है होना, एक है बनना। अस्तित्व का अर्थ है होना। हम जब होने में संतुष्ट नहीं होते हैं तो बनने की कोशिश करते हैं।

2. सहिष्णुता, सहनशीलता की कमी से घर-परिवार, समूह में लड़ाई-झगड़े होते हैं।

3. समता, निंदा, प्रशंसा, मान-अपमान में समभाव रखना।''

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने अपने प्रेरक उद्बोधन में फरमाया कि अरिहंत का कीर्तन करने से मलिनता से निर्मलता की ओर, अशुभ से शुभ की ओर जाते हैं। नाना गुरु के समता संदेश को हमने जीवन में कितना उतारा है, आत्मचिंतन करें। पर्युषण पर्व जैसा ठाठ यहाँ देखने को मिला। दोपहर में ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए। शाम को प्रतिक्रमण में उपस्थिति देखते ही बनती थी। सभी संप्रदाय के धर्मप्रेमियों एवं बाहर से पधारे हुए दर्शनार्थियों ने गुरुदर्शन-सेवा का अनुपम लाभ लिया।

04 जुलाई, सेक्टर-3, उदयपुर। धर्मसभा को संबोधित करते हुए प्रशांतमना आचार्य प्रवर ने अपनी अमृतदेशना में फरमाया कि ''**आज हमें हमारी पहचान नहीं है। हम दूसरों की पहचान करने में लगे हैं। स्वयं को जानना धर्म की पहचान है। सारी क्रिया कर रहे हैं, पर अपनी पहचान नहीं है तो वह क्रिया फलदायी नहीं होगी। आज स्वयं को जानने वाले कितने हैं? बिना लक्ष्य के मंजिल मिलने वाली नहीं है। दुर्लभ बोल चार हैं- मनुष्य जन्म, धर्म श्रवण, धर्म पर श्रद्धा और संयम में पुरुषार्थ।''**

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि आचार्य भगवन् ने असीम कृपा करके आध्यात्मिक आरोग्यम् के नौ सूत्र प्रदान किए हैं। पहला गुणपरख दृष्टि का विकास है। हमारा ध्यान गुणों की अपेक्षा दुर्गुणों की ओर रहता है। जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि होती है। गुणपरख दृष्टि के अभाव के कारण आज घर-परिवार, समाज में वाद-विवाद हो रहा है।

शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (बीकानेर वाले), शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (मोड़ी वाले) आदि साध्वी मंडल ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया।

माह में एक दिन मोबाइल का त्याग कई लोगों ने ग्रहण किया। '**लोच में क्या सोच**' कार्यक्रम का आगाज संघ मंत्री श्री पारसजी डागा ने लोच करवाकर किया। गुरु-भगवंतों के पावन चरणों में ज्ञानचर्चा आदि हुए। सेक्टर-3 संघ की अनुपम सेवा-भक्ति सराहनीय रही।

एक अलग कार्यक्रम में वर्धमान जैन श्रावक समिति सेक्टर-3 द्वारा दीक्षार्थी बहिन सुश्री अनमोलजी जैन सुपुत्री सुरेशजी-कान्ताजी जैन, टिटलागढ़ (उड़ीसा) का महावीर भवन में शॉल, माला महनाकर स्वागत-अभिनंदन किया गया। महिला मंडल ने दीक्षा गीत प्रस्तुत किया। मुमुक्षु बहिन ने अपना भावभरा उद्बोधन प्रस्तत किया।

05 जुलाई, सेक्टर-3, उदयपुर। धर्मसभा को संबोधित करते हुए परमागम रहस्यज्ञाता आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यवाणी में फरमाया कि ''**धर्म जीवन में आ जाएगा तो बहुत सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। धर्म का विकास होना चाहिए, बाह्य औपचारिकता का नहीं। अपनी आवश्यकताओं को सीमित करें। किए हुए कर्म के भुगतान के बिना हम मोक्ष नहीं जा सकते। कर्म से कोई बच नहीं सकता। भगवान ऋषभदेव को बारह माह तक भिक्षा नहीं मिली। तपस्या हो या न हो, जीवन को शांत रखें। दूसरे को अशांत करके शांत नहीं हो सकते। दूसरे को खुशी देंगे तो हमें खुशी मिलेगी।**''

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने 'ऐसा अवसर मिला है मिलेगा कहाँ, जिनशासन मिला है मिलेगा कहाँ, ऐसे गुरु का शरणा मिलेगा कहाँ' गीत के साथ फरमाया कि अरिहंत भगवान की भक्ति करता हुआ कर्मों की क्रोड़ खपावे, उत्कृष्ट रसायन आवे तो तीर्थंकर नामकर्म का बंध होता है। शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकंवरजी म.सा. (मोड़ी वाले), साध्वीश्री सुशीलाकंवरजी म.सा. (बीकानेर वाले) आदि साध्वी मंडल ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया।

दीक्षार्थी बहिन सुश्री अनमोलजी जैन का शानदार अभिनंदन

अटल सामुदायिक केन्द्र, उदयपुर। श्री साधुमार्गी जैन संघ व अन्य विभिन्न इकाईयों, संघों व संस्थाओं की ओर से दीक्षार्थी बहिन सुश्री अनमोलजी जैन सुपुत्री सुरेशजी-कांताजी जैन, टिटलागढ़ (उड़ीसा) एवं उनके परिजनों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। मंच को दीक्षार्थी बहिन एवं परिजन सुशोभित कर रहे थे।

प्रारंभ में मंगलाचरण व स्वागत गीत समता महिला मण्डल ने प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण चातुर्मास समिति संयोजक ने देते हुए कहा कि आचार्य भगवन् एवं उपाध्याय प्रवर की महती कृपा से चातुर्मास एवं भव्य दीक्षा का स्वर्णिम अवसर हमें प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्थान के अध्यक्ष ने त्यागी महापुरुषों एवं आत्माओं के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्षजी ने कहा कि अनमोल बहिन ने अपनी आत्मा के सिद्ध स्वरूप को देखकर यह संयम राह चुनी है। दीक्षार्थी बहिन व परिवारजनों की सुन्दर भावना की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। आचार्य श्री रामेश एवं उपाध्याय भगवन् चलते-फिरते आगम हैं। हमें इनके बताए आयामों को आत्मसात् कर सच्ची गुरु समर्पणा दिखानी है।

अभिनन्दन पत्र का पठन संघ मंत्रीजी ने एवं दीक्षार्थी परिचय महेशजी नाहटा ने दिया। दीक्षार्थी व परिजनों का स्वागत शॉल, माला, साफा आदि के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संघ अध्यक्ष, मंत्री, संयोजक आदि सहित अनेक गणमान्यजनों ने किया गया। धन्यवाद ज्ञापन संघ अध्यक्षजी ने किया।

गुरु भगवंत के प्रवेश के साथ ही सुश्री अनमोलजी जैन का संयम मार्ग में प्रवेश

नवदीक्षिता साध्वी श्री अनमोल श्रीजी म.सा. करेंगी शासन की प्रभावना

06 जुलाई, हिरणमगरी सेक्टर-4, उदयपुर। 22 वर्षों बाद हो रहे आचार्य श्री रामेश के 'राम महोत्सव-2022' चातुर्मास के लिए जन-जन उत्साहित है, आतुर है। पूरा उदयपुर व मेवाड़ आज के दिन के लिए पलक बिछाए हुए था। सेक्टर-3 महावीर भवन से श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्थान, हिरण मगरी सेक्टर-4 में मंगलप्रवेश के लिए परम श्रद्धेय आचार्य भगवन् एवं उपाध्याय प्रवर के चरणकमल जैसे ही गतिमान हुए भक्तों के हृदय खुशियों से हिलोरें लेने लगे। चारों ओर हर्षोल्लास का वातावरण था।

'भले पधारो आगमज्ञाता, हम सब पूछें सुख और साता', 'संयम इनका सख्त है, तभी तो लाखों भक्त

हैं', 'आज कल्पना हुई साकार, सबके मन में हर्ष अपार', 'जग में सुंदर दो ये नाम, जय गुरु नाना जय गुरु राम' आदि गगनभेदी नारों एवं केसरिया-केसरिया गीतों से पूरा माहौल गुंजायमान हो रहा था। मंगल प्रवेश पर साध्वीवृन्द ने 'शुभ मंगल हो, शुभ मंगल हो' गीतिका प्रस्तुत की। भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक पाठ किया गया। आराध्यदेव आचार्य भगवन् के मंगल संदेश एवं मंगलपाठ के साथ सभा विसर्जित हुई।

प्रात: 10 बजे विशाल धर्मसभा आयोजित हुई, जिसमें मुमुक्षु अनमोलजी जैन सुपुत्री श्री सुरेशजी-कान्ताजी जैन, टिटलागढ़ (उड़ीसा) की जैन भागवती दीक्षा का पावन प्रसंग उपस्थित हुआ। सांसारिक वैभव, आधुनिकता, टी.वी., मोबाइल, लैपटॉप, भौतिक सुख-सुविधा सब को ठोकर मारकर वीरबाला चतुर्विध संघ की उपस्थिति में वीतराग संयम पथ पर आरूढ़ हो गई। अनुपम दीक्षा प्रदाता आचार्य भगवन् ने अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि तीर्थंकर देवों का मार्ग साधना का मार्ग है। अनेक आत्माओं ने साधना मार्ग स्वीकार करते हुए परमलक्ष्य को प्राप्त किया है। हमारा भी लक्ष्य यही होना चाहिए।

टिटलागढ़ की बहिन सुश्री अनमोलजी जैन साधु जीवन स्वीकार कर सारे सावद्य योगों के परित्याग से मन-वचन-माया की प्रवृत्ति से दूर हटकर आत्मस्थित होने जा रही हैं। संयम मार्ग कठिनाई का मार्ग है, वीरों का मार्ग है। इस पथ पर वीर ही आगे बढ़ते हैं। आज के इस प्रसंग पर हम भी अपने भीतर की शक्ति को जगाने का प्रयास करें।

आचार्य भगवन् ने श्रावक समाज हेतु **श्रावक से सुश्रावक** बनने की दिशा में ग्यारह सूत्रीय एक नया आयाम देकर एक नए युग का सूत्रपात किया। ग्यारह बिन्दु इस प्रकार हैं-

1. उत्क्रांति के नियमों की पालना।
2. नैतिक अर्थोपार्जन।
3. पुच्छिंसु णं एवं श्री दशवैकालिक सूत्र के चार अध्ययन कंठस्थ।
4. प्रतिमाह चार पक्की नवकारसी (विगत रात्रि सूर्यास्त से चौविहार करते हुए) करना।
5. जैन सिद्धांत बत्तीसी कंठस्थ।
6. निर्दोष भिक्षा ही बहराना।
7. प्रतिवर्ष 12 दयाव्रत/पौषध करना।
8. सुखे समाधे प्रतिदिन सामायिक करना।
9. श्रावक के बारह व्रतों को किसी न किसी अंश में स्वीकारना।
10. सप्त कुव्यसन का त्यागी
11. प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा किसी आगम का स्वाध्याय या धार्मिक पुस्तक का पठन करना।

आचार्य भगवन् ने 11:42 पर दीक्षार्थी बहिन अनमोलजी जैन की दीक्षा विधि प्रारंभ की। दीक्षार्थी परिजनों, उदयपुर संघ, उपस्थित जनता एवं श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के सदस्यों ने दोनों हाथ उठाकर दीक्षा अनुमोदना प्रदान कर कर्मनिर्जरा का लाभ लिया। दीक्षार्थी बहिन ने जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए सभी से क्षमायाचना की।

11:53 बजे तीन बार करेमि भंते के पाठ से सम्पूर्ण पापों का त्याग करवाकर तीन करण तीन योग से सामायिक चारित्र में प्रतिष्ठापित करते हुए नवकार महामंत्र के पाँचवें पद पर आरूढ़ किया। सम्पूर्ण दीक्षा विधि पूर्ण होने के बाद केसरिया-केसरिया गीतों से माहौल गूंज उठा।

महासती मंडल ने 'राम गुरु को शासन प्यारो लागे एवं राम गुरु को बधाई' गीतिका प्रस्तुत की। नवीन नामकरण **नवदीक्षिता साध्वी श्री अनमोलश्रीजी म.सा.** के नाम की जैसे ही घोषणा हुई तो सभा जय-जयकारों से गूंज उठी।

केशलुंचन का कार्य शासन दीपिका साध्वी श्री शांताकँवरजी म.सा. ने किया।

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त आध्यात्मिक आरोग्यम् के पहले सूत्र 'गुणपरक दृष्टि का विस्तार' का विवेचन करते हुए फरमाया कि जब व्यक्ति धार्मिक होता जाता है तो वह लोगों के अवगुण देखने लग जाता है। यह ऊपरी यानी दिखावे की धार्मिकता है। हमें न किसी की बुराई देखनी है, न सुननी है। दुर्गुण देखने की आदत मिथ्यात्व प्रवृत्ति है। गुणपरक दृष्टि नींव का पत्थर है, ऑक्सीजन है। कोई बुराई करे तो अपने कान में अंगुली डाल लें। बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो, बुरा मत सुनो और बुरा मत करो।

साध्वी श्री जलजश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि वीरों की भूमि को पावन करने गुरुवर राम पधारे हैं। आचार्य भगवन् एवं उपाध्याय प्रवर से निवेदन है कि आपकी कृपा से हम जल्दी से जल्दी शाश्वत सुख को प्राप्त करें। मन, वचन, काया की प्रवृत्ति आपकी आज्ञा के अनुसार ही हो और हम आपके बताए मार्ग पर चलकर परमलक्ष्य को प्राप्त करें।

श्री साधुमार्गी जैन संघ, उदयपुर के अध्यक्ष, चातुर्मास समिति संयोजक, वर्द्धमान स्थानकवासी श्रावक संस्थान के अध्यक्ष ने आचार्यदेव एवं उपाध्याय प्रवर के आगमन पर हर्ष व्यक्त करते हुए चातुर्मास को ज्ञान-ध्यान, तप-त्यागपूर्वक सफल बनाने की अपील की।

सेक्टर-4 महिला मंडल, सुविधि महिला मंडल, समता महिला मंडल ने 'स्वागत है गुरु राम का, उठे हृदय में हर्ष हिलोर' स्वागत गीत प्रस्तुत किया। आरुग्गबोहिलाभं की बहिनों ने 'वीर पथ के हो सेनानी वीरता धरो, हर कदम जहां कांटे चुभे वो ही राह चुनो' भजन प्रस्तुत किया। संघ मंत्री एवं महेश नाहटा ने आज के इस पावन प्रसंग को अलौकिक अविस्मरणीय प्रसंग निरूपित किया।

तपोधनी आचार्य भगवन् के तेले तप, उपाध्याय प्रवर के 4 उपवास, श्री इभ्यमुनिजी म.सा. के तेले तप एवं अन्य चारित्रात्माओं के विभिन्न तप उल्लेखनीय रहे।

मुमुक्षु बहिन अनमोलजी जैन ने दीक्षा से पूर्व प्रतिज्ञा-पत्र का पठन किया एवं चंचलजी गोयल ने वीर पिता की ओर से अनुज्ञा-पत्र का पठन किया। दीक्षा के पावन अवसर पर सभी संप्रदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उदयपुर एवं मेवाड़ सहित देश के अनेक स्थानों के श्रद्धालुओं ने गुरुदर्शन-सेवा का अनुपम लाभ लिया।

संघ राष्ट्रीय अध्यक्षजी, महिला समिति राष्ट्रीय अध्यक्षाजी, समता युवा संघ राष्ट्रीय अध्यक्षजी, राष्ट्रीय महामंत्रीजी, राष्ट्रीय उपाध्यक्षजी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। यह दीक्षा महोत्सव उदयपुर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया। श्री साधुमार्गी जैन संघ, समता महिला मंडल, बहू मंडल, समता युवा संघ एवं चातुर्मास सेवा समिति, उदयपुर का इस आयोजन में प्रशंसनीय योगदान रहा।

07 जुलाई, सेक्टर-4, उदयपुर। धर्मसभा को संबोधित करते हुए परम प्रतापी आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''**एक लक्ष्य से सफलता और सिद्धि मिलती है। एक को साध लो तो सब सध जाता है। लक्ष्य के बिना आध्यात्मिक क्षेत्र में भी सफलता नहीं मिलेगी। जब तक शरीर, परिवार, धन-वैभव को महत्त्व दिया जाता रहेगा तब तक परमलक्ष्य को हम प्राप्त नहीं कर पाएंगे। आज हम धन या धर्म में से किस को ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं? धर्म के लिए कितना समय हम दे रहे हैं, आत्मचिंतन करें। अधिकांश समय हम धन-परिवार के लिए लगा रहे हैं। धर्म हमें तृप्ति देता है, जिससे जीवन में सच्चे सुख की अनुभूति होती है। सत्य, ईमान, धर्म से**

जीवन में शांति और समाधि मिलेगी। नरक तिर्यंच गति में दु:ख ही दु:ख है। आत्मा परमात्मा का लक्ष्य नहीं बनता है। देव दुर्लभ मनुष्य जन्म को बताया गया है। क्योंकि इस भव से नर से नारायण बना जा सकता है। धन जाए तो जाए, पर सत्य वचन नहीं जाना चाहिए''

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने अपने प्रेरक उद्गार में फरमाया कि सिद्ध भगवान की स्तुति से भाव शुद्ध होते हैं। आचार्य भगवन् दीपक के समान होते हैं वे औरों को भी प्रकाशित करते हैं। शासन दीपिका साध्वी श्री शांताकँवरश्रीजी म.सा. आदि ने गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

08 जुलाई, सेक्टर-4, उदयपुर। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए परमप्रतापी आचार्य भगवन् ने फरमाया कि ''हमारी ज्ञान चेतना ही परमात्मा से परिचय कराने वाली होती है। जिस प्रकार जब भूख होती है तो खाने की तीव्र ईच्छा होती है, उसी तरह आत्मा में ज्ञानचेतना जागृत होने पर मन तृप्त हो जाता है। जब तक स्वाध्याय नहीं करेंगे तब तक परमात्मा से परिचय भी नहीं होगा। इसलिए निरंतर स्वाध्याय करना चाहिए। ज्ञान-चेतना जागृत होने पर भौतिकता से विरक्ति होती है। वचन की तरलवार दुधारी होती है। वह काटती भी है, सहलाती है। कभी-कभी मजाक भी महंगा पड़ जाता है। एक वचन ताला खोलने वाला होता है और एक वचन बैर पैदा करने वाला होता है। विकारों को बाहर निकालने का रास्ता स्वाध्याय है।''

विभिन्न त्याग-प्रत्याख्यान हुए, कई गुप्त तपस्याएँ जारी हैं। दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर जारी है। सांसद श्री अजयजी संचेती, नागपुर ने गुरु दर्शन सेवा का लाभ लिया। दोपहर में ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी हुई।

09 जुलाई। धर्मसभा को संबोधित करते हुए परम प्रतापी आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्य देशना में फरमाया कि ''भोजन करने से पहले सुपात्रदान देने की भावना भानी चाहिए। दान देते समय यह विचार रखें कि लेने वाले ने बहुत उपकार किया है। दान देने के बाद, दान की प्रशंसा सुनने की चाहत नहीं होनी चाहिए। कठिन समय में किसी ने दान या सहयोग किया उसे भूलना नहीं चाहिए। अरिहंत भगवान, सिद्ध भगवान, आचार्य भगवान चतुर्विध संघ का गुणगान व सेवा करने वाला सुलभ बोधि को प्राप्त करता है।''

श्री आदित्य मुनिजी ने फरमाया कि सिद्ध भगवान की आत्मा और मेरी आत्मा में कोई फर्क नहीं है, सिर्फ कर्मों का अंतर है। मैं शुद्ध स्वरूपी आत्मा हूँ यह चिंतन निरंतर करते रहना चाहिए। साध्वी मंडल ने ''तूं सांचो थारो सांचो है दरबार रे'' गीतिका प्रस्तुत की। अन्य कई उपवास बेला-बेला के प्रत्याख्यान हुए। परम गुरुभक्त गिरीश चावला-इंग्लैण्ड ने गुरुदर्शन सेवा का लाभ लिया। दोपहर में ज्ञानचर्चा प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए।

जैसी संगत वैसी रंगत

10 जुलाई, सेक्टर-4, उदयपुर। विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए विश्ववंदनीय आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''प्रीत सर्वस्व रूप से स्वीकार की जाती है। मन, वचन, काया से जितनी प्रीत होगी उतनी ही शांति और समाधि हमें मिलेगी। जैसी संगत होगी वैसी रंगत हमारे अंदर आती है। साधु की संगत पर सदाचार व्याप्त हो जाता है। व्याख्यान हमेशा सुनना चाहिए। आगम यानी आया हुआ ज्ञान। भगवान महावीर से सुधर्मा स्वमी ने ज्ञान ग्रहण किया उसे जम्बू स्वामी ने आगे बढ़ाया और ज्ञान आगे से आगे बढ़ता गया। धार्मिक क्रिया में सक्रिय व्यक्ति को आवश्यकतानुसार नींद लेनी चाहिए। नींद एक प्रकार से बेहोशी है। नींद में आत्म विस्मरण होता है। भगवान महावीर ने कभी भी आत्मा का विस्मरण नहीं किया। प्रीत का दूसरा नाम श्रद्धा-

समर्पण है। धर्म के साथ व्यवहार का समझौता कभी नहीं हो सकता। हमें धर्म के लिए जीना-मरना है।''

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने अपने प्रेरक उद्बोधन में सिद्ध स्तुति की महिमा का बखान किया। आगे उन्होंने फरमाया कि यह चातुर्मास 'राम महोत्सव' के रूप में हमें र से रिषभदेवजी से लगाकर म से महावीर तक चौबीस तीर्थंकरों की महिमा गान निरन्तर करना है।

शासन दीपिका महासती श्री शांताकँवरजी म.सा. आदि ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। सभा में उपस्थिति अनेक भाई-बहिनों ने वेज-नॉनवेज संयुक्त होटल में नहीं जाने का संकल्प लिया। श्रीमती विजयलक्ष्मी मोदी भदेसर ने उपवास के दिन एक साथ अठाई का प्रत्याख्यान लिया। कई गुप्त तपस्याएं निरन्तर जारी हैं। दोपहर में महापुरुषों के पावन सान्निध्य में आगम वांचनी, ज्ञानचर्चा आदि हुए।

11 जुलाई, सेक्टर-4, उदयपुर। प्रात:कालीन प्रार्थना पश्चात् आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि हमारा अस्तित्व हमारे आस-पास के वातावरण व संगति से प्रभावित होता है। चारों तरफ का प्रभाव हमारे मन, वचन, काया तीनों पर पड़ता हे। यह हम जान नहीं पाते किन्तु प्रभाव रहता है। साधना से स्वयं को उस प्रभाव से मुक्त रख सकें ऐसी समझ व पुरुषार्थ होना चाहिए। हमारा विकास तभी संभव है जब हम प्रवाह में बहने वाले नहीं हों। प्रत्येक इंसान को एकान्त के क्षणों में बैठना है, सारी दुनिया से दूर जाना है। मैं अकेला हूँ, मेरा कोई नहीं है, मैं किसी का नहीं हूँ। यह आगम उच्चारण सरल है, पर अनुभव कठिन है। एकत्व की साधना में निरन्तर आगे बढ़ते जाएं।

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि सिद्ध स्तुति से चंचल मन स्थिर हो जाता है। साध्वीवृंद ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। अनेक भाई-बहिनों ने तेले तप का शुभारंभ किया। दोपहर में निर्दोष भिक्षा शिविर में श्री मयंकमुनिजी म.सा. ने मार्गदर्शन प्रदान किया। शिविर में भाई-बहिनों ने उत्साहपूर्वक अच्छी उपस्थित दर्ज कराई।

12 जुलाई, सेक्टर-4, उदयपुर। धर्मसभा को संबोधित करते हुए विश्ववंदनीय आचार्य श्री रामेश ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि **''धार्मिक क्षेत्र में 'कार्य' कर्म निर्जरा के लिए होना चाहिए न कि मान-सम्मान प्राप्ति के लिए। प्रीत के साथ जब अपेक्षा जग जाती है तो प्रीत नहीं रह पाती है। आत्मा का आत्मा के साथ संबंध होना चाहिए। मेरे आवश्यकता की पूर्ति नहीं हो रही है तो भक्ति नहीं करूंगा। ऐसा भाव नहीं होना चाहिए। मरने से घबराना नहीं चाहिए। अच्छे काम किए हैं तो भय किस बात का। अच्छे काम करने वालों को नाम की, यश की दीमक नहीं लगनी चाहिए।''**

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि सिद्ध स्तुति से मन, वचन, काया की मलीनता दूर हो जाती है। हमारा धर्म अभय पर टिका हुआ है। कोई देख रहा हो या नहीं देख रहा हो हमें पाप प्रवृत्ति से दूर रहना चाहिए। शासन दीपिका महासती श्री शांताकँवरजी म.सा. आदि साध्वी मंडल ने अपनी गीतिका के भाव यूं रखे- **''नाना गुरु का राम प्यारा, सारे जग में छा गया, भक्तों के मन भा गया।''**

कुछ भाईयों ने 65-70 साल के बाद व्यापार से पूर्ण निवृत्ति का संकल्प लिया।

चातुर्मास स्थापना दिवस

13 जुलाई। धर्मसभा को संबोधित करते हुए विश्ववंदनीय आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्य देशना में फरमाया कि **''हमारा सौभाग्य है कि हमें मनुष्य जन्म मिला, भगवान महावीर की वाणी श्रवण करने का अवसर मिला। धर्म**

आराधना के लिए चातुर्मास स्वर्ण अवसर है। आठ महीने साधु विचरण करते हैं और चार माह वर्षावास में एक स्थान पर रहते हैं क्योंकि वर्षाकाल में हरी-लिलन-फुलन की उत्पत्ति अधिक होती है। राग-द्वेष को हटाना, साधना का लक्ष्य होना चाहिए। चातुर्मास अहम पोषण के लिए नहीं अपितु आत्म पोषण के लिए होना चाहिए। अहंकार बढ़ेगा तो आत्मा का अहम तत्त्व गौण होता जाएगा। चातुर्मास पर तत्त्व को जागृत करने का सुंदर अवसर है। वैर-विरोध अहंकार को बढ़ने नहीं देना है। 'जीवन जीने की कला नहीं, मरने की कला भी है।' धन, परिवार, व्यापार का खूब विकास किया है किन्तु आत्मा के विकास के बिना सब व्यर्थ है। घर-व्यापार, दुकान में हम जितना वक्त देते है और धर्म आराधना के लिए कितना समय देते हैं चिंतन करें।''

इस चातुर्मास में साधु-महासतियों का खूब सहयोग मिला है। आप समय-शक्ति को धर्म, तप, आराधना, सामायिक, स्वाध्याय साधना में लगाएं। कहीं ऐसा न हो कि हमारा समय चला जाए।

श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने आध्यात्मिक आरोग्यम की विस्तृत विवेचन करते हुए फरमाया कि गुणों पर हमारी दृष्टि होनी चाहिए। किसी की निंदा-विकथा की चर्चा नहीं होनी चाहिए। बुद्धि, समय, शक्ति का उपयोग जिनशासन की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला हो। हमें किसी की बुराई नहीं अच्छाई देखनी है।

महासती श्री अनुरागश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि आचार्य भगवन् सभी को संस्कार दे रहे हैं। गुरुवर के उपकार को कभी नहीं भुलाया जा सकता। सेवा का इस संघ में अद्भुत नजारा है।

महासती श्री विभाश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि अगर हम अपना जीवन गुरुचरणों में समर्पित कर देते हैं तो हमारा जीवन उच्चता को प्राप्त करता है। हमारी गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पणा अनूठी होनी चाहिए। गुरु दर्शन से हमारी खुशियों का ठिकाना नहीं है। हम यही भावना अर्पित करते हैं कि भगवन् दीर्घायु हों, शतायु हों।

महासती श्री चिंतनप्रज्ञाश्रीजी म.सा. ने गीतिका ''अहो गुरु मुझको इक वरदान चाहिए, मुझे हरदम गुरु तेरा साथ चाहिए'' के साथ फरमाया कि गुरु जन्म नहीं पर जिंदगी देते हैं और सु-पथ की ओर ले जाते हैं। आचार्य भगवन् का जीवन सहज-शांत प्रशांत है।

महासती सुमित्राश्रीजी म.सा. ने अपने भावोद्गार में फरमाया कि गुरु महा ज्योति है जो मिथ्यात्व रूपी अंधकार को मिटाती है। गुरु महाशक्ति है जो जीवन को ऊर्जा भर देती है। 18 वर्षों बाद गुरुचरणों का सान्निध्य मिला है हम अनंत-अनंत सौभाग्यशाली है। जब गुरु कृपा बरसती है तो असंभव भी संभव हो जाता है। गुरु पूर्णिमा पर यही भावना है कि गुरु स्वस्थ रहे, दीर्घायु हो, शतायु हो।

साध्वी मंडल ने ''राम गुरु के चरणों में वंदन है'' गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया। समता युवा संघ, उदयपुर ने गुरु भक्ति के सुन्दर भाव रखे। संघ मंत्री व महेश नाहटा ने 'महत्तम महोत्सव' व 'राम महोत्सव' को सफल बनाने की अपील की। समता युवा संघ के राष्ट्रीय महामंत्री दीपकजी मोगरा एवं उनकी धर्मसहायिका श्रीमती अलकाजी दीपक मोगरा ने इस चातुर्मास का पहला व दूसरा मासखमण (30 उपवास) का प्रत्याख्यान लेकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। पूरी सभा हर्ष-हर्ष, जय-जय, केसरीया-केसरीया से गूंज उठी।

श्री इभ्यमुनिजी म.सा. के नौ उपवास के साथ आगे तपस्या चालू है। कई चरित्र आत्माओं और श्रावक-श्राविकाओं की दीर्घ तपस्या चालू है। भाई-बहनों ने तेले-तप की आराधना गुरुचरणों में भेंट की। सामायिक, संवर 300, दया, उपवास, पौषध प्रचुर मात्रा में हुए। मासखमण तपस्या के पूर्णता के उपलक्ष्य में कई भाई-बहनों ने 30 दिन उपवास, 30 दिन आयम्बिल, 30 दिन एकासन, 30 दिन बियासणा, 30 दिन रात्रिभोजन त्याग 30 दिन संवर आदि कई

नियम ग्रहण किए।

राम गुरु महान हैं, जिनशासन की शान हैं।

14 जुलाई, सेक्टर 4, उदयपुर। धर्मसभा को संबोधित करते हुए विश्ववंदनीय आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्य देशना में फरमाया कि ''तीर्थंकर देवों का मार्ग अहिंसा के प्रकटीकरण पर है। किसी भी प्राणी के प्राणों का हनन नहीं करना। क्रोध, मान, माया, लोभ के वशीभूत होकर प्राणों का हनन होता है। कषायों से अहिंसा शिथिल हो जाती है। वीतरागता में पूर्ण अहिंसा है। भगवान ने आगार धर्म और अणगार धर्म की व्याख्या की है। साधु जीवन में पूर्ण अहिंसा का पालन किया जाता है। श्रावक गृहस्थ में रहते हुए देश रूप में अहिंसा का पालन करता हैं। श्रावक को जीव-अजीव का ज्ञाता होना चाहिए। ज्ञान-ध्यान सीखने की ललक हमारे भीतर होनी चाहिए।''

श्री अटलमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि शुभ कार्य, अच्छे कार्य एवं धर्म को कल पर कभी नहीं छोड़ना चाहिए। साध्वी मण्डल ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया।

सभा में उपस्थित कई भाई बहिनों ने दो माह एवं चार माह रात्रिभोजन व जमीकंद त्याग का प्रत्याख्यान लिया। श्री ईभ्यमुनिजी म.सा. के अपूर्व आत्मबल के साथ दस उपवास के साथ तपस्या आगे गतिमान है।

नवदीक्षिता महासती श्री अनमोलश्रीजी की बड़ी दीक्षा सम्पन्न

15 जुलाई, सेक्टर 4 उदयपुर। धर्मसभा को संबोधित करते हुए विश्ववंदनीय आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्य देशना में फरमाया कि ''सद्गुण आदमी को ऊँचा उठा देता है। एक दुर्गुण व्यक्ति को नीचे गिरा देता है। कम से कम एक श्रद्धा का गुण विकसित कर लें। पाँच इन्द्रियों के विषय हमारी समाधि को भंग करने वाले हैं। नवदीक्षिता महासती श्री अनमोल श्रीजी म.सा., जिनकी 6 जुलाई को यहीं पर दीक्षा हुई थी, आज छेदोपस्थानीय चारित्र में प्रतिस्थापित करने का प्रसंग है। साधु जीवन सिद्धि तक पहुँचाने वाला हैं साधुता सिद्धि का द्वार है। श्रद्धा के साथ ज्ञान और क्रिया मोक्ष तक ले जाने वाली है। इसके लिए प्रबल पुरुषार्थ की जरूरत है। एक सच्चाई का गुण आ जाए तो सारे दुर्गुण दब जाएंगे। जीवन में सत्य धर्म नहीं तो कुछ नहीं। साधु जीवन में आत्महित सर्वोपरि है। छल, प्रपंच, क्रोध, मान, माया, लोभ, राग-द्वेष आत्महित में नहीं है। 'सत्य सदा जयकार' की चौपाई आचार्य भगवन् द्वारा प्रारम्भ की गई।''

आचार्य भगवन् ने बड़ी दीक्षा विधि के अंतर्गत पाँच महाव्रत अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह का तीन करण, तीन योग से पालन करने हेतु नवदीक्षिता साध्वी को प्रतिज्ञाबद्ध कराया। नवदीक्षिता साध्वी ने गुरु आज्ञा में रहते हुए शुद्ध संयम पालन का अपना संकल्प दोहराया।

श्री अटलमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि समता की साधना से बढ़कर कोई साधना हीं है। जिसने समभाव की साधना कर ली वह परम लक्ष्य प्राप्त कर लेगा। युवारत्न दीपक जी मोगरा एवं श्रीमती अलकाजी मोगरा ने 32 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। श्री इभ्यमुनिजी म.सा. के दस उपवास का पारणा सानन्द संपन्न हुआ।

चातुर्मास में रोज एक विगय त्याग का प्रत्याख्यान कई भाई-बहनों ने लिया। श्रीसंघ, महिला समिति, युवा संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी, वीर परिवार से सुरेशजी जैन, कांताजी जैन, राजेन्द्रजी जैन, संगीताजी जैन, सुमित्राजी जैन, टिटलागढ़ सहित श्रद्धालु भारी संख्या में उपस्थित थे। दोपहर में आगमवांचनी, ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए। उदयपुर 'राम महोत्सव' चातुर्मास में अपूर्व धर्म उल्लास का वातावरण है।

आचार्य प्रवर के मुखारविन्द से हुए त्याग-प्रत्याख्यान की सूची

क्रम.	प्रत्याख्यान के नाम	प्रत्याख्यान ग्रहण करने वाले श्रावक-श्राविकाओं के नाम	
1	आजीवन शीलव्रत	सुजानमलजी कुशुमदेवी बड़ाला, देवीलालजी तारादेवी डोसी, मनोहरलालजी हीरादेवी बाफना-भूपालसागर, रघुवीरजी विद्यादेवी हरकावत, मांगीलालजी कंचनदेवी बोहरा, उत्तमचंदजी देसरला-मैसूर, ओमप्रकाशजी जैन-दिल्ली, कलाबाई जैन, रमेशजी खटोड़-मनावर, सावित्रीजी जैन-रायगढ़, हीरालालजी बोकड़िया, चंदेशजी हीरामणीजी जैन, जसवंतजी पारख-वाण्याविहिर, पारसमलजी मंजूदेवी कुदाल-भीण्डर, सज्जनलालजी भण्डारी-दलोदा, पन्नालालजी चौरड़िया-मंगलवाड़ चौराया, प्रकाशचंदजी बैद-गंगाशहर, कनकमलजी, कुसुमदेवी कुदाल-चित्तौड़गढ़, वीर पिता सुरेशजी कांताजी जैन, इन्द्रादेवी शंकरलालजी अग्रवाल	
2	रात्रिभोजन का त्याग	सुशीलाजी खमेसरा, अनचाही कावड़िया, विनोदजी मुणोत, कपूरजी कोठारी-रतलाम, सावित्रीजी जैन	
3	टी.वी. का त्याग	शकुंतलादेवी सिसोदिया, गुलाबबाई चौरड़िया, पुष्पादेवी मलारा, शिल्पाजी गोलेछा, शांताजी वड़ाला, लक्ष्मीजी मेहता, चावदबाई जारोली	
4	उपवास	वर्ष में 30 उपवास	सीताजी जैन-भीण्डर
		वर्ष में 24 उपवास	सावित्रीजी जैन-रायगढ़
		9 उपवास	डॉ. मोनिका शैलेषजी बाकड़िया, प्रेमबाई, लक्ष्मीलालजी बोहरा, भावनाजी वया-बंबोरा, शांतिलालजी मांडावत, कुशुमजी कोठारी, चन्द्राजी डागा
5	पोरसी	आजीवन पोरसी	कांताजी पोखरना
		200 पक्की पोरसी	सरोजजी मुणोत
		100 पोरसी	सुशीलाजी पटवा-जावरा, अनीताजी बाफना, धन्नादेवी मेहता
		वर्ष में 100 डेढ़ पोरसी	मधुबालाजी गोरेचा-रतलाम
6	बड़े स्नान का त्याग	वर्ष में 200 दिन बड़े स्नान का त्याग	सुशीलजी पोखरना, किरणबाई कोठारी, अंजुजी सिपाल, पुष्पाजी भणावत, अंजुजी सियाल
		वर्ष में 100 दिन बड़े स्नान का त्याग	सुमित्राजी नलवाया, रीनाजी वया, मधुजी कासमां, चेतनजी मेहता, चंदनबालाजी मुणोत, राजश्री चपलोत, भावनजी वया, कौशल्याजी पितलिया, कांताजी जैन, आशाजी जैन, मधुजी सिपानी-दिल्ली, कुसुमदेवी चावला-उदयपुर, मधुबाला गोरेचा-रतलाम, लीलाजी मोगरा, अंजनाजी धींग
7	पक्की नवकारसी	आजीवन पक्की नवकारसी	सावित्रीजी जैन
		360 पक्की नवकारसी	निर्मलाजी पोरवाल
		100 पक्की नवकारसी	वीरमाता कांताजी जैन-टिटलागढ़, उषाजी कंठालिया-बड़ीसादड़ी, प्रियंकाजी गुरलिया-बैंगलोर, विद्याजी धींग-कानोड़, भैरूदानजी गोलछा-जनकपुर (नेपाल), झुमरलालजी पिंचा-गुवाहाटी, युवराजजी भूरा, चन्द्रकांताजी पिरोदिया, लक्ष्मीजी नंदावत, सुशीलाजी कोठारी, राजश्री चपलोत
		50 पक्की नवकारसी	शकुंतलाजी कोटड़िया-शहादा
8	मिठाई का त्याग	लीनाजी डूंगरपुरिया, लाडदेवी चंडालिया, चंचलजी डोसी, देवेन्द्रजी धमानी	
9	बाजार की मिठाई का त्याग	हेमलताजी बाफना, ममताजी डांगी	
10	जमीकंद का त्याग	वीनाजी पोरवाल, मनोरमाजी भणावत, रेणुजी कदमालिया, अनचाही कावड़िया, अंजुजी सिपाल, पुष्पाजी भणावत, विनोदजी मुणोत, मुकेशजी, कपूरजी कोठारी-रतलाम, कुंदनसिंहजी डूंगरपुरिया, भूपेन्द्रजी गोलछा	

11	100 बियासन	चन्द्रकलाजी गोरेचा, देवीलालजी सकलेचा-बैंगलोर, चन्द्रकांताजी गोरेचा-रतलाम	
12	वर्षीतप का प्रत्याख्यान	पाँचवां वर्षीतप का प्रत्याख्यान	सरोजजी मूणत-रतलाम
		वर्षीतप का प्रत्याख्यान	सरलाजी सांखला-खेरागढ़, चन्द्रकांताजी ओस्तवाल, पुष्पाजी बड़ाला
13	आजीवन चप्पल का त्याग	सुनील खेतमलजी कोटड़िया-नंदूरबार	
14	सचित्त का त्याग	धनादेवी मेहता, सावित्रीजी जैन	
15	12 पौषध	सुशीलाजी पोरवाल, प्रेमबाई लोढ़ा	
16	संवर	200 संवर	अनोखी लालजी सिंघवी-रतलाम
		100 संवर	बसंती लालजी मोहनीदेवी कोठारी
17	आयम्बिल केमासखमण का प्रत्याख्यान	संजयजी मेहता-बड़ीसादड़ी	
18	होटल का त्याग	किरणजी कासमां, चन्द्राजी इटोदिया	
19	2 माह एकान्तर तप	कांताजी कोठारी-सूरत	
20	चौविहार	सुनीलजी पगारिया-रतलाम, सरोजजी सेठिया-भीनासर	
21	21 द्रव्य की मर्यादा	अंगूरबालाजी कांठेड़	
22	एकासन	एक साल तक एकासन	दुर्गाजी सुनीलजी कोटड़िया-नंदूरबार
		एकासन का मासखमण	जयाजी पोखरना
		एकान्तर एकासन	फतेहकँवरजी
		120 एकासन	तीजाबाई मण्डावत
		106 एकासन	मंजूजी
		100 एकासन	कंचनदेवी बोहरा, अशोकजी जारोली-मोरवन, अर्पिताजी जेमलीवाला, उर्मिलाजी कोठारी-कोलकाता
23	वर्ष में गाथाओं का स्वाध्याय	5 लाख गाथा का स्वाध्याय	पुष्पलताजी बरमेचा-भीलवाड़ा
		3 लाख गाथा का स्वाध्याय	सुशीलाजी कोठारी-भींडर
24	प्रतिदिन 200 गाथा का स्वाध्याय	सरोजजी चपलोत	
25	मोबाइल का त्याग	मोबाइल का त्याग	हिम्मतजी मोगरा, प्रेमलताजी करणपुरिया
		माह में 4 दिन	मधुबालाजी सकलेचा
		माह में 2 दिन	प्रभुलालजी सहलोत
		माह में 1 दिन	दिलीपजी वया, कोमलजी वया, मुकेशजी सहलोत, तेजसिंहजी, दिलखुशजी कावड़िया, दिलखुशजी मेहता, भंवरलालजी भानावत

-महेश नाहटा

मुँह के सन्मुख प्रंशसा, पीछे दोष प्रकट करना भी क्षुल्लक वृत्ति का लक्षण है। पर, हाँ इस मॉडल को भी बदला जा सकता है। उसके लिए विशेष रूप से ट्रेनिंग की आवश्यकता है।

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा.

महत्तम महोत्सव मेरा महोत्सव का स्वर्णिम आगाज

सुवर्ण दीक्षा महोत्सव आया जन-जन कर लो ध्यान, महत्तम दिया है इसको नाम।
राम गुरु के चरणों में अर्पण भेंट ये कर लो ध्यान, महत्तम दिया है इसको नाम।।

चातुर्मास स्थापना दिवस इस बार अनोखा अवसर लेकर उपस्थित हुआ। 13 जुलाई को चातुर्मास स्थापना के साथ शुभारम्भ हुआ 'सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव - महत्तम महोत्सव' का।

पंच परमेष्ठी नवकार महामंत्र का स्मरण, बैनर का लॉन्च, श्री रामेश चालीसा और महत्तम महोत्सव का एक सुर निश्चय ही एक अनोखी ऊर्जा का संचार कर रहा था। वहां उपस्थित सभी का एक ही लक्ष्य था- आचार्य भगवन् के 50वें दीक्षा दिवस के आध्यात्मिक यज्ञ में अपनी ज्ञानाराधना की आहुति देना।

लगभग 300 क्षेत्रों में करीबन 17000 श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति में 'महत्तम महोत्सव' का स्थानीय स्तर पर अनेक संघों में भव्य रूप से हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हुआ।

राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ

दिनांक : 16 जुलाई 2022 **समय :** सुबह 10:30 बजे

स्थान : हिरण मगरी, सेक्टर 4, उदयपुर
जैन स्थानक का प्रांगण।

हिरण मगरी सेक्टर-4 का प्रांगण मानो स्वयं इस महोत्सव के शुभारम्भ हेतु लालायित था। इसके लिए जन-जन आतुर नजर आया। प्रांगण में उपस्थित सभी भक्त मानो यही विचार कर रहे हों कि इस महामहोत्सव में अपना अंश मात्र भी योगदान दे पाएं तो गुणों की खान आचार्यश्री के चरणों मे सर्वोत्तम भेंट होगी। कई महीनों के विचार-विमर्श पश्चात् तैयार योजना को आज क्रियान्वित करने का समय आ गया था। जय जयकार जय जयकार राम गुरु की जय जयकार के गगनभेदी जयघोष के साथ तीनों इकाईयों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में महत्तम महोत्सव की टीम के साथ उदयपुर में राष्ट्रीय स्तर पर 'महत्तम महोत्सव मेरा महोत्सव' का शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ के साथ ही 9 बिंदुओं- ज्ञानार्जन, स्वाध्याय, तप-त्याग, व्रत-विवेक संस्कार, सामाजिक, जन-जन में राम, संघ विस्तार, सशक्तिकरण और गुदड़ी के लाल की प्रस्तुति दी गई, जिसमें सभी बिन्दुओं को टीम के माध्यम से क्रियात्मक रूप से समझाया गया।

विशेष आकर्षण The Karma Quiz में मिलने वाला license to siddhatwa, Spin the wheel में बच्चों को छोटे-छोटे प्रत्याख्यानों के माध्यम से धर्म से जोड़ने का प्रयास किया गया। साथ ही सेल की घड़ी के विकल्प में रखे गए उपकरण ध्यान आकर्षित कर रहे थे। सभी प्रवृत्तियों को समझाने हेतु आध्यात्मिक आरोग्यम् pamplets, पुस्तकें, props का उपयोग किया गया और इस प्रकल्प में रजिस्ट्रेशन भी करवाए गए।

9 बिंदु समझने के पश्चात् दो दिनों के लिए रोचक एक्टिविटी आयोजित की गई, जिसमें सभी श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महत्तम महोत्सव मेरा महोत्सव की व्यावहारिक प्रस्तुति को उपस्थित जनता द्वारा सराहा गया।

महत्तम महोत्सव की पूरी टीम ने उदयपुर में विराजित परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. के दर्शन, वंदन के पश्चात् बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. के दर्शन-वंदन के साथ मार्गदर्शन लिया। उपाध्याय प्रवर ने फरमाया कि आचार्य श्री रामेश सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव का नाम ही महत्तम है। अत: आप सभी

का कार्य भी महत्तम होना चाहिए। प्रारम्भ से लेकर लक्ष्य प्राप्ति तक एक ही उत्साह बना रहने से वास्तविक परिणाम आ सकते हैं। लक्ष्य चाहे कितना भी बड़ा हो, उसका क्रियान्वयन यदि छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर समयबद्धता, नियमितता और पूर्ण मनोयोग से किया जाए तो वह अवश्य प्राप्त हो जाता है।

NO NAME NO BLAME के स्लोगन के साथ उपाध्यायश्री ने टीम को निष्काम व निर्लिप्त भावना से कार्य करने की प्रेरणा देते हुए फरमाया कि किसी भी कार्य को सफल बनाने में नाम बहुत बड़ा बाधक होता है। कार्य सफलता की असली संतुष्टि उसकी पूर्णता से मिलती है, नाम से नहीं। जब कोई सवाल करे कि अमुक कार्य किसने किया? तो जवाब यह मिलना चाहिए कि महत्तम महोत्सव की टीम ने किया और कोई गलती हो जाए तो कहना चाहिए कि मैंने की है।

एक कहावत है कि Big people are consumed with productivity not with image.

जो व्यक्ति/कार्यकर्ता जिम्मेदारी को स्वयं पर लेते हैं, विकास करते हैं और जीवन में आगे बढ़ते हैं, साथ ही वे प्रशंसा-नाम आदि की क्षणिकता से अपने कार्य को विराम नहीं देते हैं।

आगम कहते हैं कि तपस्या, निर्जरा के उद्देश्य से की जाए। संघ भक्ति भी एक रूप से तपस्या है। संघ के प्रत्येक सदस्य का योगदान इस महामहोत्सव में अपनी क्षमता, रुचि अनुसार हो। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि मैं नहीं करूंगा तो क्या होगा? दूसरे सभी कर रहे हैं ना। प्रत्येक सदस्य अपने भाग का कर्तव्य निर्वहन करते चले। कार्य में यदि कोई समस्या आए तो समाधान ढूंढें, क्योंकि हर चीज का समाधान संभव होता है। समस्या में समाधान को देखने से धीरे-धीरे स्पष्टता आ जाती है। हम छिद्रान्वेषी न बन, गुणग्राही बनने का दृष्टिकोण रखें।

उपाध्याय प्रवर के ऊर्जा से ओत-प्रात मार्गदर्शन से महत्तम महोत्सव समिति के समस्त कार्यकर्तागण का रोम-रोम उत्साह व उमंग से पुलकित हो उठा।

महत्तम महोत्सव मेरा महोत्सव

16 जुलाई 2022 को संध्या 8.30 बजे अटल बिहारी सभागृह, उदयपुर में **'महत्तम महोत्सव मेरा महोत्सव'** का विशेष कार्यक्रम तीनों इकाईयों के राष्ट्रीय, स्थानीय पदाधिकारीगण एवं महत्तम महोत्सव टीम द्वारा आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य महत्तम महोत्सव की कार्यप्रणाली को समझाते हुए साधुमार्गी परिवारों को हर एक प्रकल्प से जोड़कर सकल जैन समाज में इसकी प्रभावना करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत उदयपुर महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति से की हुई। मंगलाचरण पश्चात् वीरमाता श्रीमती चंदाजी गुलगुलिया का भावविभोर कर देने वाला वक्तव्य, जिसका एक-एक शब्द, एक-एक वाक्य अंतर्मन को छूते हुए सभा में उपस्थित जन-जन की आँखों में गुरुभक्ति के श्रद्धा अश्रु ले आया।

लगभग 15 मिनट का उद्बोधन श्रोताओं के मन-मस्तिष्क में अमिट प्रभाव छोड़ गया और सभी ने संकल्प लिया कि गुरुदेव के प्रति हमारी आस्था, उनके चिंतन, उनका जीवन सिर्फ हम तक ही ना रहते हुए जन-जन तक पहुंचाने हैं और पूरे राष्ट्र को राममय बनाते हुए महत्तम महोत्सव मेरा महोत्सव सफल बनाना है।

आचार्य भगवन् और उपाध्याय प्रवर सदैव फरमाते हैं कि श्रेष्ठ कार्यकर्ता वही है जो सफलता-असफलता, प्रसिद्धि-निराशा से परे हटकर सिर्फ लक्ष्य को विशेष महत्त्व देता है।

इसी को ध्यान में रखते हुए महत्तम महोत्सव की कार्यप्रणाली No Name No Blame पर आधारित होकर इस अभियान का हिस्सा बनेगी। इसकी घोषणा होते ही पूरी सभा ने एक स्वर में हर्ष-हर्ष, जय-जय के साथ अपनी सहमति प्रदान करते हुए इस अभियान का स्वागत किया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में सभी 9 बिंदुओं के

प्रकल्पों के Date wise plan और विस्तृत जानकारी को समाहित करने वाली बुकलेट 'इन्द्रधनुष' के कवर पृष्ठ का विमोचन किया गया। सभी 9 बिंदुओं को समझाते हुए छोटे-छोटे बच्चों ने आकर्षक प्रस्तुति दी, जिसकी सभी ने सराहना कर बच्चों को प्रोत्साहित किया।

सभा के आभार प्रदर्शन के बाद संघ समर्पणा गीत से कार्यक्रम को विराम दिया गया।

महत्तम महोत्सव के अंतर्गत 9 बिंदुओं के कुछ प्रकल्प शुरू हो चुके हैं और कई अपनी पूर्ण तैयारी में जुटे हुए हैं।

शुरू हो चुके प्रकल्प-

श्रुत आरोहक (3 वर्षीय पाठयक्रम के अंतर्गत ज्ञानार्जन) अभी तक 1000 से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू है।

कर्म तत्त्वज्ञ (कर्म प्रज्ञप्ति अध्ययन सिर्फ श्रावक वर्ग के लिए)

पार्ट ए की परीक्षा हो चुकी है, जिसमें 115 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। इस परीक्षा का परिणाम आ चुका है और टॉप 10 प्रतियोगियों के नाम यहाँ प्रकाशित किए जा रहे हैं।

पार्ट बी : ऑनलाईन/ऑफलाईन अध्ययन शुरू है।

आने वाले सभी प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी स्थानीय टीम द्वारा जल्द ही आपके समक्ष होगी।

-महत्तम महोत्सव टीम

गुरुवर के गुण गाते जाएं, उत्सव को हम महान बनाएं।
महत्तम महोत्सव मेरा महोत्सव जन-जन कर लो ध्यान, महत्तम दिया है इसको नाम।

KARM TATVAGYA RESULTS - EXAM PART (A) TOP 12 STUDENTS

ROLL NO.	NAME	CITY	MARKS OBTAINED
KTR164	MAGAN MAL JI SANCHETI	GANGASHAHAR	91
KTR160	SUBASHCHAND JI CHAJER	DURG	88
KTR251	SUMEET JI MUNOOT	RATLAM	88
KTR179	ANKIT LODHA	KOTA	84
KTR265	DR. KHEMCHAND JI DAGA	MALEGAON	82
KTR286	ANSHUL JI PIRODIYA	RATLAM	82
KTR098	MANISH JI POKHRANA	MANGALWAD	81
KTR281	HEERA SINGH JI BAID	JAIPUR	81
KTR056	NIRMAL JI DERASARIYA	BANGALORE	80
KTR104	NIKIT JI DESHLAHARA	DURG	79
KTR238	SAURABH JI BAFNA	GURUGRAM	79
KTR247	RANJEET JI JAIN (POST MASTER)	KAPASAN	79

परम श्रद्धेय, परमागम रहस्यज्ञाता, दृढ़ प्रतिज्ञ, सामाजिक क्रान्ति के पुरोधा, गुणशील सम्प्रेरक, परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती चारित्रात्माओं के वि.सं. 2079 के स्वीकृत चातुर्मास

चातुर्मास सूची - 2022

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	प्रमुख संत/सतीवर्याओं के नाम	स्थान	ठाणा
1.	परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	उदयपुर (राज.)	16
2.	शासन दीपक श्री रमेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	रामेश रत्नम्- गंगाशहर (राज.)	3
3.	शासन दीपक श्री वीरेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	सेठिया कोटड़ी-बीकानेर (राज.)	7
4.	पर्यायज्येष्ठ श्री नरेन्द्रमुनिजी म.सा. शासन दीपक श्री विनयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	ब्यावर (राज.)	6
5.	शासन दीपक श्री प्रकाशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	बिरमावल (म.प्र.)	2
6.	शासन दीपक श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा	शिवाबस्ती-गंगाशहर (राज.)	3
7.	शासन दीपक श्री पदममुनिजी म.सा. आदि ठाणा	औरंगाबाद (महा.)	3
8.	शासन दीपक श्री निश्चलमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	बोरीवली-मुम्बई (महा.)	3
9.	शासन दीपक श्री अक्षयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	रायपुर (छ.ग.)	2
10.	शासन दीपक श्री छत्रांकमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	मंडिया (कर्नाटक)	2
11.	शासन दीपक श्री हेमन्तमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	देवकर (छ.ग.)	2
12.	शासन दीपक श्री चिन्मयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	सवाईमाधोपुर (राज.)	3
13.	शासन दीपक श्री हर्षितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	राजनांदगाँव (छ.ग.)	2
14.	शासन दीपक श्री सुबाहुमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	शिरपुर (महा.)	2
15.	शासन दीपक श्री मुदितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	मणिपुँज-अजमेर (राज.)	5
16.	शासन दीपक श्री विदेहमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	हिमायतनगर-हैदराबाद (तेलं.)	2
17.	शासन दीपक श्री श्रुतप्रभमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	किशनगढ़ (राज.)	2
18.	शासन दीपक श्री जयप्रभमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	मनावर (म.प्र.)	2
19.	शासन दीपक श्री सुमितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	रतलाम (म.प्र.)	3
20.	शासन दीपक श्री दिव्यदर्शनमुनिजी म.सा. आदि ठाणा	डोंगरगाँव (छ.ग.)	2
21.	शासन दीपिका साध्वी श्री शांताकँवरजी म.सा. आदि ठाणा	हि.म. सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)	6
22.	शासन दीपिका साध्वी श्री रोशनकँवरजी म.सा. आदि ठाणा	ब्यावर (राज.)	6
23.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (उदयपुर वाले) आदि ठाणा	हि.म. सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)	8
24.	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री कस्तूरकँवरजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री चन्दनबालाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	मन्दसौर (म.प्र.)	8

25.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलताश्रीजी म.सा. (रायपुर वाले) आदि ठाणा	निम्बाहेड़ा (राज.)	5
26.	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री पारसकँवरजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री कमलप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	मालू कोटड़ी-बीकानेर (राज.)	11
27.	शासन दीपिका साध्वी श्री जयश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	छोटीसादड़ी (राज.)	5
28.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (महाराष्ट्र वाले) आदि ठाणा	नीमच (म.प्र.)	4
29.	शासन दीपिका साध्वी श्री शकुन्तलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	कटंगी (छ.ग.)	3
30.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (बीकानेर वाले) आदि ठाणा	चाणक्यपुरी-उदयपुर (राज.)	7
31.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलताश्रीजी म.सा. (मन्दसौर वाले) आदि ठाणा	पिपलियामण्डी (म.प्र.)	4
32.	शासन दीपिका साध्वी श्री विमलाकँवरजी म.सा. आदि ठाणा	हि.म. सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)	31
33.	शासन दीपिका साध्वी श्री कल्याणकँवरजी म.सा. आदि ठाणा	राठी परिसर-भीनासर (राज.)	4
34.	शासन दीपिका साध्वी श्री श्रीकान्ताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	समता भवन-इन्दौर (म.प्र.)	16
35.	शासन दीपिका साध्वी श्री चेतनश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	काशीपुरी-भीलवाड़ा (राज.)	4
36.	शासन दीपिका साध्वी श्री समताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	चित्तौड़गढ़ (राज.)	5
37.	शासन दीपिका साध्वी श्री निरंजनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	सुभाषनगर-भीलवाड़ा (राज.)	3
38.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियलक्षणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	सुदामानगर-इन्दौर (म.प्र.)	5
39.	शासन दीपिका साध्वी श्री वनिताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रामपुरा (म.प्र.)	4
40.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	कोप्पल (कर्नाटक)	4
41.	शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुलाश्रीजी म.सा. (देशनोक वाले) आदि ठाणा	कमलानेहरू नगर-जोधपुर (राज.)	6
42.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रीतिसुधाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रतलाम (म.प्र.)	6
43.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुदर्शनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	भूपालसागर-जि. चित्तौड़गढ़ (राज.)	4
44.	शासन दीपिका साध्वी श्री चन्द्रप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	जयपुर (राज.)	6
45.	शासन दीपिका साध्वी श्री आदर्शप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	बांसवाड़ा (राज.)	5
46.	शासन दीपिका साध्वी श्री हर्षिलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	लूणकरणसर (राज.)	4
47.	शासन दीपिका साध्वी श्री अर्चनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	गदग (कर्नाटक)	4
48.	शासन दीपिका साध्वी श्री मनोरमाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	जावरा (म.प्र.)	6
49.	शासन दीपिका साध्वी श्री चंचलकँवरजी म.सा. आदि ठाणा	विनोद नगर-ब्यावर (राज.)	4
50.	शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांताश्रीजी म.सा. (छ.ग. वाले) आदि ठाणा	परपोड़ी (छ.ग.)	3
51.	शासन दीपिका साध्वी श्री शांतप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	हि.म. सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)	3
52.	शासन दीपिका साध्वी श्री अरुणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रावटी (म.प्र.)	4
53.	शासन दीपिका साध्वी श्री वंदनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	देवगढ़ मदारिया (राज.)	3
54.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमोदश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	सुभाषनगर-उज्जैन (म.प्र.)	4
55.	शासन दीपिका साध्वी श्री कल्पनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	सूरत (गुज.)	3
56.	शासन दीपिका साध्वी श्री दर्शनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	खिरकिया (म.प्र.)	3
57.	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री सुभद्राश्रीजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री समीक्षणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	नाडी मौहल्ला-भीलवाड़ा (राज.)	3
58.	शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	दुर्ग (छ.ग.)	4

59.	शासन दीपिका साध्वी श्री ज्योतिप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	बिनोता (राज.)	3
60.	शासन दीपिका साध्वी श्री विद्यावतीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	गंगापुर (राज.)	3
61.	शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	निकुंभ-जि. चित्तौड़गढ़ (राज.)	3
62.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रतिभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	अहमदाबाद (गुज.)	3
63.	शासन दीपिका साध्वी श्री श्वेताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	देशनोक (राज.)	4
64.	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री विशालप्रभाश्रीजी म.सा शासन दीपिका साध्वी श्री सुसमृद्धिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	जवाहर विद्यापीठ-भीनासर (राज.)	4
65.	शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रानीबाजार-बीकानेर (राज.)	4
66.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रभावनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	बड़ीसादड़ी (राज.)	3
67.	शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुलाश्रीजी म.सा. (भीनासर वाले) आदि ठाणा	धुलिया (महा.)	5
68.	शासन दीपिका साध्वी श्री अर्पणाश्रीजी म.सा. (कानोड़ वाले) आदि ठाणा	कानोड़ (राज.)	5
69.	शासन दीपिका साध्वी श्री रजतमणिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	गुण्डरदेही (छ.ग.)	3
70.	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री सुबोधप्रभाश्रीजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री मननप्रज्ञाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	बोथरा कोटडी-पुगलिया कोटड़ी गंगाशहर-भीनासर (राज.)	4
71.	शासन दीपिका साध्वी श्री उज्ज्वलप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	अमरोली-सूरत (गुज.)	3
72.	शासन दीपिका साध्वी श्री विकासश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	पालगाँव+जैन एन्क्लैव-जोधपुर (राज.)	5
73.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमिलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	महामंदिर समता भवन-जोधपुर (राज.)	3
74.	शासन दीपिका साध्वी श्री पावनश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	भदेसर (राज.)	4
75.	शासन दीपिका साध्वी श्री शर्मिलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	नोखामण्डी (राज.)	3
76.	शासन दीपिका साध्वी श्री सौम्यशीलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रालेगाँव (महा.)	4
77.	शासन दीपिका साध्वी श्री मनीषाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	मेरठ (उत्तरप्रदेश)	3
78.	शासन दीपिका साध्वी श्री विजेताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रोहिणी सेक्टर-9 (दिल्ली)	3
79.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	सैंधवा (म.प्र.)	4
80.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रज्ञाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	श्रीगंगानगर (राज.)	3
81.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रशान्तश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रामामंडी (पंजाब)	4
82.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुरभिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (नगरी)	वैशाली नगर-अजमेर (राज.)	4
83.	शासन दीपिका साध्वी श्री ऋजुताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	कोटा (राज.)	3
84.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुभक्तिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	खामगाँव (महा.)	3
85.	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री प्रभातश्रीजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री साक्षीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	अरविन्द नगर-जोधपुर (राज.)	3
86.	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री लघुताश्रीजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री संयतिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	महामंदिर-जोधपुर (राज.)	4
87.	शासन दीपिका साध्वी श्री चिरागश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	शेरगढ़ (राज.)	4
88.	शासन दीपिका साध्वी श्री हितैषीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रतलाम (म.प्र.)	5
89.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रखरश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	पाली (राज.)	4
90.	शासन दीपिका साध्वी श्री खुशालश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	रूपनगर-जोधपुर (राज.)	3
91.	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री सुवासश्रीजी म.सा.	शहादा (महा.)	4

	शासन दीपिका साध्वी श्री शृंगारश्रीजी म.सा. आदि ठाणा		
92.	शासन दीपिका साध्वी श्री समीहाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	किलपॉक-चैन्नई (तमि.)	4
93.	शासन दीपिका साध्वी श्री समियाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	खैरागढ़ (छ.ग.)	4
94.	शासन दीपिका साध्वी श्री पूर्वीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	अशोकविहार (दिल्ली)	4
95.	शासन दीपिका साध्वी श्री निखारश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	हि.म. सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)	6
96.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियंकाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	केकड़ी (राज.)	4
97.	शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यदेशनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	विजयनगर-बैंगलुरु (कर्नाटक)	4
98.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुरीलीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	हावड़ा (प.बं.)	4
99.	शासन दीपिका साध्वी श्री खंतिप्रियाश्रीजी म.सा.	हि.म. सेक्टर-5, उदयपुर (राज.)	5
100.	शासन दीपिका साध्वी श्री अनाकारश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	गिलुण्ड (राज.)	4

संत-मुनिराज	**:**	**72**	**चातुर्मास स्थल**	**:**	**20**
साध्वीश्रीजी	**:**	**377**	**चातुर्मास स्थल**	**:**	**80**
कुल ठाणा	**:**	**449**	**कुल चातुर्मास स्थल**	**:**	**100**

नोट- चारित्रात्माओं के नाम, वरीयता क्रम, चातुर्मास स्थल व पता आदि लिखने में यदि कोई त्रुटि हुई हो तो अविनय असातना के लिए श्रमणोपासक टीम क्षमायाचना करती है।

अनुपम अवसर जैन दर्शन अध्ययन के लिए

अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा इस वर्ष के माह जुलाई, 2022 से जैन शिक्षण एवं नैतिक मूल्यों के उन्नयन की दिशा में स्नातक (सेमेस्टर पद्धति से तीन वर्षीय) एवं प्रमाण पत्र (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जा रहा है।

सम्माननीय विश्वविद्यालय ने आरुग्गबोहिलाभं, बीकानेर को भी पंजीकृत केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की है।

इच्छुक अभ्यर्थी अधोलिखित सूत्रों से या विश्वविद्यालय से सीधे सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

1 आरुग्गबोहिलाभं बीकानेर, श्री राजेंद्र प्रसाद जैन
मोबाइल नंबर 9929097608

2 अपेक्स विश्वविद्यालय जयपुर, डॉक्टर श्रीमती वीणाजी छंगाणी
मोबाइल नंबर 9414939142

उपरोक्त पाठ्यक्रम नियमित अभ्यर्थियों के लिए ही मान्य रहेंगे।

परम श्रद्धेय, परमागम रहस्यज्ञाता, दृढ़ प्रतिज्ञ, सामाजिक क्रान्ति के पुरोधा, गुणशील सम्प्रेरक, परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती चारित्रात्माओं के वि.सं. 2079 के स्वीकृत चातुर्मास

चातुर्मास सूची - 2022

1. उदयपुर (राज.)

1. **परम श्रद्धेय, परमागम रहस्यज्ञाता, परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा.**
2. बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा.
3. श्री हेमगिरिजी म.सा.
4. श्री आदित्यमुनिजी म.सा.
5. श्री मनीषमुनिजी म.सा.
6. श्री नीरजमुनिजी म.सा.
7. श्री अटलमुनिजी म.सा.
8. श्री राजनमुनिजी म.सा.
9. श्री गगनमुनिजी म.सा.
10. श्री लाघवमुनिजी म.सा.
11. श्री शोभनमुनिजी म.सा.
12. श्री आदर्शमुनिजी म.सा.
13. श्री इभ्यमुनिजी म.सा.
14. श्री नवोन्मेषमुनिजी म.सा.
15. श्री मयंकमुनिजी म.सा.
16. श्री गुणीशमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-16

चातुर्मास स्थल- जैन स्थानक, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राज.)

1. श्री अर्जुनजी लोढ़ा
   4, मेवाड़ मोटर्स, लिंक रोड,
   उदयपुर-313001 (राज.)
   मो. : 8949942495
2. श्री पारसकुमारजी डागा
   जे-11, हिरणमगरी सेक्टर-5
   उदयपुर-313003 (राज.)
   मो. : 9413300423
3. श्रीमती आशाजी सरूपरिया
   मो. : 9829437047
4. श्रीमती मधुजी बाफना
   मो. : 9660688868
5. श्री आशीषजी सहलोत
   मो. : 8854013333
6. श्री सुनीलजी मेहता
   मो. : 9414157661

2. रामेश रत्नम्, गंगाशहर (राज.)

1. शासन दीपक श्री रमेशमुनिजी म.सा.
2. श्री राकेशमुनिजी म.सा.
3. श्री राजरत्नमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- रामेश रत्नम्, बोथरा गर्ल्स स्कूल के पीछे, बोथरा चौक-प्रथम, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.)

1. श्री कौशलजी दुग्गड़
   बोथरा गर्ल्स स्कूल के सामने,
   बोथरा चौक, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.)
   मो. : 9414137121
2. श्री विमलकुमारजी सेठिया
   जैन मन्दिर के पास, भीनासर
   बीकानेर-334403 (राज.)
   मो. : 9460172673
3. श्री विजयसिंहजी सेठिया, मो. : 9461470063

3. सेठिया कोटड़ी, बीकानेर (राज.)

1. शासन दीपक श्री वीरेन्द्रमुनिजी म.सा.
2. श्री चन्द्रेशमुनिजी म.सा.
3. श्री संजयमुनिजी म.सा.
4. श्री हिमांशुमुनिजी म.सा.
5. श्री हृषिकेशमुनिजी म.सा.
6. श्री सूर्यप्रभमुनिजी म.सा.
7. श्री मंगलमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-07

चातुर्मास स्थल- सेठिया कोटड़ी, मरोठी सेठिया मौहल्ला, ठंठेरा बाजार, बीकानेर-334001 (राज.)

1. श्री राजेन्द्रकुमारजी गोलछा
द्वारा- जय फर्नीचर हाऊस, हंसा गेस्ट
हाऊस के सामने, नोखा रोड, गंगाशहर,
बीकानेर-334401 (राज.)
मो. 9571840310

2. श्री वीरेन्द्रजी बडेर
रामपुरिया स्ट्रीट,
बीकानेर-334001 (राज.)
मो. : 9829240337

4. ब्यावर (राज.)

1. पर्यायज्येष्ठ श्री नरेन्द्रमुनिजी म.सा.
2. शासन दीपक श्री विनयमुनिजी म.सा.
3. श्री अनन्तमुनिजी म.सा.
4. श्री मधुरमुनिजी म.सा.
5. श्री प्राणेशमुनिजी म.सा.
6. श्री प्रमोदमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-06

चातुर्मास स्थल- समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, खटीकान हथाई के पास, ब्यावर, जि. अजमेर-305901 (राज.)

1. श्री अरविन्दजी मूथा
समता दीप, गिरदावर गली, नया बास,
ब्यावर जि. अजमेर-305901 (राज.)
मो. : 9414010326

2. श्री चेतनजी हींगड़
लोकाशाह नगर, हनुमान मंदिर के पास,
ब्यावर जि. अजमेर-305901 (राज.)
मो. : 7597188424

5. बिरमावल (म.प्र.)

1. शासन दीपक श्री प्रकाशमुनिजी म.सा.
2. श्री किशोरमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

चातुर्मास स्थल- श्री जैन स्थानक भवन, सदर बाजार, पो. बिरमावल जि. रतलाम-457441 (म.प्र.)

1. डॉ. जयन्तीलालजी सोनी
नया बाजार, पो. बिरमावल
जि. रतलाम-457441 (म.प्र.)
मो. : 9981059935

2. श्री श्रेणिकराजजी श्रीश्रीमाल
नया बाजार, पो. बिरमावल
जि. रतलाम-457441 (म.प्र.)
मो. : 9893002101, 7879933189

6. शिवाबस्ती, गंगाशहर (राज.)

1. शासन दीपक श्री गौतममुनिजी म.सा.
2. श्री प्रशममुनिजी म.सा.
3. श्री जयेशमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- समता महिला भवन, शिवा बस्ती, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.)

सम्पर्क सूत्र 1 व 2 ऊपर क्र.सं. 2 के अनुसार तथा 3 नं. नीचे देखें-
3. श्री मनोजजी डागा, मो. : 7340068470

7. औरंगाबाद (महा.)

1. शासन दीपक श्री पदममुनिजी म.सा.
2. श्री उदितमुनिजी म.सा.
3. श्री प्रणतमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- केशर बाग मंगल कार्यालय, एन 3 सिडको, औरंगाबाद-431001 (महाराष्ट्र)

1. श्री अजीतजी सिसोदिया
   50 ग्रीम बीड़ बाई पास,
   औरंगाबाद-431001 (महा.)
   मो. : 9423345666
2. श्री अभयजी देवड़ा
   150, समर्थ नगर,
   औरंगाबाद-431001 (महा.)
   मो. : 9823157527

8. बोरीवली-मुम्बई (महा.)

1. शासन दीपक श्री निश्चलमुनिजी म.सा.
2. श्री मदनमुनिजी म.सा.
3. श्री रोहितमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- समता भवन, ओस्तवाल टॉवर, समता मार्ग, वजीरा नाका, बोरीवली (वेस्ट), मुम्बई-400092 (महा.)

1. श्री सुन्दरजी बोथरा
   5, बोथरा हाऊस, तीसरा माला,
   एसैम्बली लेन, डैडी सेठ अग्यारी लेन,
   कालबादेवी रोड, मुम्बई-400092 (महा.)
   मो. : 9324670179
2. श्री तोलारामजी बोथरा
   1705, ओस्तवाल टॉवर, समता मार्ग,
   बोरीवली (वेस्ट), मुम्बई-400092 (महा.)
   मो. : 9320891510

9. रायपुर (छ.ग.)

1. शासन दीपक श्री अक्षयमुनिजी म.सा.
2. श्री दिनेशमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

चातुर्मास स्थल- समता मुकीम भवन, फन-फेस्टा ग्राऊण्ड, शैलेन्द्रनगर, रायपुर-492001 (छ.ग.)

1. श्री उदयराजजी पारख
   ए-17, वालफोर्ट सिटी, रिंग रोड नं. 01,
   रायपुर-492001 (छ.ग.)
   मो. : 9424127849
2. श्री सन्तोषकुमारजी खटोर
   डी-269, एम.आर. कॉलोनी, टैगोरनगर,
   रायपुर-492001 (छ.ग.)
   मो. : 9039288000

10. मंडिया (कर्ना.)

1. शासन दीपक श्री छत्रांकमुनिजी म.सा.
2. श्री निर्वाणमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

Chaturmas Sthal- Sh. Vardhman Sthanakvasi Jain Shravak Sangh, Near Janardhan Temple Street, Mandiya-571401 (K.N.)

1. Sh. Manoharlalji Gandhi
   IInd Cross, Subhash Nagar,
   Mandiya-571401 (K.N.)
   Mob. : 9845324369
2. Sh. Poonamchandji Kothari
   1536-A IIIrd Cross, Mena Mension,
   Vidhya nagar, Mandiya-571401 (K.N.)
   Mob. : 9902631936

11. देवकर (छ.ग.)

1. शासन दीपक श्री हेमन्तमुनिजी म.सा.
2. श्री सौरभमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

चातुर्मास स्थल- जैन भवन, पो. देवकर, तह. साजा जि. बेमेतरा-491331 (छ.ग.)

1. श्री सुरेशजी बोरा
   नवकार मोटर्स, पो. देवकर
   तह. साजा जि. बेमेतरा-491331 (छ.ग.)
   मो. : 9893444138
2. श्री रमेशजी जैन
   अरिहंत ज्वैलर्स, पो. देवकर
   तह. साजा जि. बेमेतरा-491331 (छ.ग.)
   मो. : 9993280160

12. सवाईमाधोपुर (राज.)

1. शासन दीपक श्री चिन्मयमुनिजी म.सा.
2. श्री अमितमुनिजी म.सा.
3. श्री उम्मेदमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- आचार्य श्री श्रीलाल समता भवन, गुरुद्वारा रोड, सवाईमाधोपुर सिटी-322021 (राज.)

1. श्री विनोदजी जैन
   सी-10, पोरवाल कचौरी, बस स्टैण्ड,
   सवाईमाधोपुर सिटी-322021 (राज.)
   मो. : 9413482257, 9587375009
2. श्री संदीपजी जैन
   द्वारा- राजेन्द्र ट्रांसपोर्ट कम्पनी
   पुराना खण्डार रोड, मिश्र मोहल्ला,
   सवाईमाधोपुर सिटी-322021 (राज.)
   मो. : 9414045296, 9610761333

13. राजनांदगाँव (छ.ग.)

1. शासन दीपक श्री हर्षितमुनिजी म.सा.
2. श्री धीरजमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

चातुर्मास स्थल- समता भवन, गौरव पथ, राजनांदगाँव-491441 (छ.ग.)

1. श्री उत्तमचन्दजी बाफना
   भरकापारा,
   राजनांदगाँव-491441 (छ.ग.)
   मो. : 9425549060
2. श्री बालचन्दजी पारख
   समर्पण कामठी लाइन,
   राजनांदगाँव-491441 (छ.ग.)
   मो. : 9425240791

14. शिरपुर (महा.)

1. शासन दीपक श्री सुबाहुमुनिजी म.सा.
2. श्री भूतिप्रज्ञमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

**चातुर्मास स्थल- नूतन जैन स्थानक, आर.सी. पटेल स्कूल,
मेन बिल्डिंग के पास, पो. शिरपुर जि. धुले-425405 (महा.)**

1. श्री सतीशजी लुणावत
   10, प्रेमकमल नगर, जय माताजी निवास,
   मंडल सिवर रिक्रेशन गार्डन के सामने,
   पो. शिरपुर जि. धुले-425405 (महा.)
   मो. : 9284062832
2. श्री सतीशजी चौरड़िया
   सतन प्रोविजन, महाराजा कॉम्पलैक्स
   पो. शिरपुर जि. धुले-425405 (महा.)
   मो. : 9822337370

15. मणिपुँज, अजमेर (राज.)

1. शासन दीपक श्री मुदितमुनिजी म.सा.
2. श्री शमितमुनिजी म.सा.
3. श्री गौरवमुनिजी म.सा.
4. श्री यत्नेशमुनिजी म.सा.
5. श्री मुक्तेश्वरमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-05

चातुर्मास स्थल- मणिपुँज नानेश भवन, सिने वर्ल्ड टॉकीज के पास, बी.के. कौल नगर, अजमेर-305001 (राज.)

1. श्री शिखरचन्दजी सिंघी
   600, कृष्णा विहार कॉलोनी,
   बी.के. कौल नगर, अजमेर-305001 (राज.)
   मो. : 9928371148
2. श्री ताराचन्दजी कर्नावट
   सिटी पॉवर हाऊस के सामने, जयपुर रोड,
   अजमेर-305001 (राज.)
   मो. : 9829249648

16. हिमायतनगर (हैदराबाद)

1. शासन दीपक श्री विदेहमुनिजी म.सा.
2. श्री उत्तमयशमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

चातुर्मास स्थल- मातोश्री सरोज बेन एवं रमणिकलालजी संघवी 'सुधर्मालय',
3-6-108/बी, स्ट्रीट नं. 19, हिमायत नगर, हैदराबाद-500029 (तेलंगाना)

1. श्री विजय भाई संघवी
   3-6-108/बी, स्ट्रीट नं. 19, हिमायत नगर
   हैदराबाद-500029 (तेलंगाना)
   मो. : 9391012052
2. श्री विजयजी मुणोत
   6-3-345/1/1 फ्लैट नं. 501,
   रिद्धि सिग्नेचर रोड नं. 1, बंजारा हिल्स,
   हैदराबाद-500034 (तेलंगाना)
   मो. : 9989311090

17. किशनगढ़ (राज.)

1. शासन दीपक श्री श्रुतप्रभमुनिजी म.सा.
2. श्री नि:श्रेयशमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

चातुर्मास स्थल- महावीर भवन, डॉ. कर्मचन्द हॉस्पिटल के पीछे, पो. किशनगढ़ शहर, जि. अजमेर-305802 (राज.)

1. श्री विनयचन्दजी जैन (झामड़)
   पाण्डियों का मोहल्ला, धानमण्डी,
   पो. किशनगढ़ शहर जि. अजमेर-305802 (राज.)
   मो. : 8290475252, 9252266182
2. श्री नेमीचन्दजी जैन (कवाड़)
   बाफनों का मोहल्ला, प्रेमराजजी राठी के सामने,
   पो. किशनगढ़ शहर जि. अजमेर-305802 (राज.)
   मो. : 9784225524

18. मनावर (म.प्र.)

1. शासन दीपक श्री जयप्रभमुनिजी म.सा.
2. श्री अनन्यमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

चातुर्मास स्थल- महावीर भवन, जवाहर मार्ग, पो. मनावर जि. धार-454446 (म.प्र.)

1. श्री प्रवीणजी ओरा
   पो. मनावर जि. धार-454446 (म.प्र.)
   मो. : 9893527590
2. श्री सुमितजी खटोड़
   जवाहर मार्ग,
   पो. मनावर, जि.धार-454446 (म.प्र.)
   मो. : 9893842288

19. रतलाम (म.प्र.)

1. शासन दीपक श्री सुमितमुनिजी म.सा.
2. श्री ब्रह्मऋषिजी म.सा.
3. श्री ऋजुप्रज्ञमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- समता शीतल बाग, छोटू भाई की बगीची, लक्कड़पीठा के पास, रतलाम-457001 (म.प्र.)

1. श्री सुदर्शनजी पिरोदिया
   49, लक्कड़पीठा, रतनसागर,
   रतलाम-457001 (म.प्र.), मो. : 9425103697
2. श्री दशरथजी बाफना
   गौशाला रोड, रतलाम-457001 (म.प्र.)
   मो. : 9425103717

20. डोंगरगाँव (छ.ग.)

1. शासन दीपक श्री दिव्यदर्शनमुनिजी म.सा.
2. श्री लक्षितमुनिजी म.सा.

कुल ठाणा-02

चातुर्मास स्थल- ओसवाल भवन, पुराना बस स्टैण्ड के पास, मेन रोड, पो. डोंगरगाँव जि. राजनांदगाँव-491661 (छ.ग.)

1. श्री धरमजी बोथरा
   सदर लाइन, पो. डोंगरगाँव,
   जि. राजनांदगाँव-491661 (छ.ग.)
   मो. : 9406243443
2. श्री अजयजी बोहरा
   सदर लाइन, पो. डोंगरगाँव,
   जि. राजनांदगाँव-491661 (छ.ग.)
   मो. : 9407763943

21. हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री शांताकँवरजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुमनप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री विरक्ताश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री रौनकश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री सुसौम्याश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री सुखदाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-06

चातुर्मास स्थल- विजयसिंहजी भाणावत का मकान, मकान नं. 1063, ज्ञाननगर, जैन स्थानक के पिछले वाले गेट से एंट्री, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर-313001 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 1 पर देखें।

22. ब्यावर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री रोशनकँवरजी म.सा.
2. साध्वी श्री परागश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री प्राचीश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री प्रकृतिश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री वाचनाश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री सत्कारश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-06

चातुर्मास स्थल- कांकरिया देलान, नया बास, ब्यावर जि. अजमेर-305901 (राज.)

सम्पर्क सूत्र : क्र.सं. 4 पर देखें।

23. हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (उदयपुर वाले)
2. साध्वी श्री किरणप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री कमलश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सिद्धमणिश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री भावनाश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री अर्पिताश्रीजी म.सा.
7. साध्वी श्री अनुरागश्रीजी म.सा.
8. साध्वी श्री मृगांकश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-08

चातुर्मास स्थल– बंशीलालजी बोहरा का मकान, मकान नंबर 585 बी, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, दिगंबर जैन मंदिर के सामने वाली गली, हिरण मगरी सेक्टर–4, उदयपुर–313001 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 1 पर देखें।

24. मन्दसौर (म.प्र.)

1. पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री कस्तूरकँवरजी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री चन्दनबालाश्रीजी म.सा. (पिपलियामण्डी वाले)
3. साध्वी श्री शारदाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री दिव्यप्रभाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री लक्षिताश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री यशस्वीश्रीजी म.सा.
7. साध्वी श्री मनस्वीश्रीजी म.सा.
8. साध्वी श्री विशुद्धिश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा–08

चातुर्मास स्थल– समता सदन, रोम टावर वाली गली, पुलिस कन्ट्रोल रूम के सामने, नई आबादी, मन्दसौर–458001 (म.प्र.)

1. श्री बाबूलालजी पितलिया
   विकास ट्रेडर्स, दया मण्डी रोड,
   गौशाला मार्केट, मन्दसौर–458001 (म.प्र.)
   मो. : 9425369562
2. श्री नरेन्द्रकुमारजी चौधरी
   77, शुभम् नगर, यश बालाजी चौराहा के पीछे,
   किटीयानी, संजीत रोड, मन्दसौर–458001 (म.प्र.)
   मो. : 9425369547

25. निम्बाहेड़ा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलताश्रीजी म.सा. (रायपुर वाले)
2. साध्वी श्री पुष्पलताश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री जिनप्रभाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सिद्धप्रभाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री अनुप्रेक्षाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा–05

चातुर्मास स्थल– समता भवन, आदर्श कॉलोनी, निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़–312601 (राज.)

1. श्री रतनलालजी पोरवाल
   7, आदर्श कॉलोनी,
   निम्बाहेड़ा–312601 (राज.)
   मो. : 9461273789
2. श्री सुशीलकुमारजी नागौरी
   130, आर.के. कॉलोनी,
   निम्बाहेड़ा–312601 (राज.)
   मो. : 9799999595

26. मालू कोटड़ी, बीकानेर (राज.)

1. पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री पारसकँवरजी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री कमलप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुमतिकँवरजी म.सा.
4. साध्वी श्री पूर्णिमाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री कनकप्रभाश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री संयमप्रभाश्रीजी म.सा.
7. साध्वी श्री प्रथमाश्रीजी म.सा.
8. साध्वी श्री सांत्वनाश्रीजी म.सा.
9. साध्वी श्री सोऽहमश्रीजी म.सा.
10. साध्वी श्री जयामिश्रीजी म.सा.
11. साध्वी श्री कौमुदीश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा–11

चातुर्मास स्थल– समता साधना भवन (मालू कोटड़ी), रांगड़ी चौक, बीकानेर–334001 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 3 पर देखें।

27. छोटीसादड़ी (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री जयश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुनीताश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री मल्लिकाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री कृतिकाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री कर्णिकाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-05

चातुर्मास स्थल- जैन स्थानक भवन, स्थानक गली, जूना बाजार, छोटीसादड़ी, जि. प्रतापगढ़-312604 (राज.)

1. श्री लक्ष्मीलालजी कोठारी
   जूना बाजार, छोटीसादड़ी,
   जि. प्रतापगढ़-312604 (राज.)
   मो. : 9887797063, 9460084588
2. श्री पुखराजजी डूंगरवाल
   बड़ीसादड़ी दरवाजा, छोटीसादड़ी,
   जि. प्रतापगढ़-312604 (राज.)
   मो. : 8875258185

28. नीमच (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (महाराष्ट्र वाले)
2. साध्वी श्री चन्दनाश्रीजी म.सा. (बड़ीसादड़ी वाले)
3. साध्वी श्री अर्पणाश्रीजी म.सा. (बड़ीसादड़ी वाले)
4. साध्वी श्री मर्मज्ञश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- बंगलो नं. 8, रामेश समता भवन, एल्कोलाइड कॉलोनी के सामने, नीमच-458441 (म.प्र.)

1. श्री शौकिनजी मुणोत
   द्वारा- आशीष ट्रेडिंग कम्पनी
   6, अनजाना कॉम्प्लैक्स, टैगोर मार्ग,
   नीमच-458441 (म.प्र.), मो. : 9425106189
2. श्री अशोकजी मोगरा
   291, विकास नगर, 14/4,
   नीमच-458441 (म.प्र.)
   मो. : 9329444345

29. कटंगी (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री शकुन्तलाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री चरित्रप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री हर्षिताश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- श्री गुरु गणेश भवन, कटंगी, जि. बालाघाट-481445 (म.प्र.)

1. श्री पवनकुमारजी कोठारी
   वार्ड नं. 15, राम मन्दिर रोड,
   कटंगी जि. बालाघाट-481445 (म.प्र.)
   मो. : 9893577789
2. श्री ज्ञानचंदजी कोचर
   मातृ छाया, गंज वार्ड,
   कटंगी जि. बालाघाट-481445 (म.प्र.)
   मो. : 9893577834

30. चाणक्यपुरी, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (बीकानेर वाले)
2. साध्वी श्री राजमतीश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री तरुलताश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री कविताश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री विभाश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री अंजलिश्रीजी म.सा.
7. साध्वी श्री संभाव्यश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-07

चातुर्मास स्थल- कांतिलालजी नागौरी का मकान, हाऊस नं. 249, चाणक्यपुरी, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 1 पर देखें।

31. पिपलियामण्डी (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलताश्रीजी म.सा. (मन्दसौर वाले)
2. साध्वी श्री कुसुमकांताश्रीजी म.सा (जावरा वाले) 3. साध्वी श्री समीक्षाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री स्तुतिश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा–04**

चातुर्मास स्थल– श्री साधुमार्गी जैन स्थानक भवन, मनासा रोड, पिपलियामण्डी, जि. मन्दसौर–458664 (म.प्र.)

1. श्री मनोहरजी खिंदावत (नेताजी)
स्टेशन रोड़, पिपलियामण्डी
जि. मन्दसौर–458664 (म.प्र.)
मो. : 9425105061

2. श्री पारसमलजी भण्डारी
केशरीमलजी मूलचंदजी जैन, मेन मार्केट,गांधी चौराहा,
पिपलियामण्डी, जि. मन्दसौर–458664 (म.प्र.)
मो. : 8964868181

32. हिरण मगरी सेक्टर–4, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री विमलाकँवरजी म.सा. 2. साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (मोड़ी वाले)
3. साध्वी श्री मुक्तिप्रभाश्रीजी म.सा. 4. साध्वी श्री मधुबालाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री पंकजश्रीजी म.सा. 6. साध्वी श्री करुणाश्रीजी म.सा.
7. साध्वी श्री गरिमाश्रीजी म.सा. 8. साध्वी श्री सुमित्राश्रीजी म.सा.
9. साध्वी श्री इंगिताश्रीजी म.सा. 10. साध्वी श्री लक्षिताश्रीजी म.सा.
11. साध्वी श्री विवेकश्रीजी म.सा. 12. साध्वी श्री पुनीताश्रीजी म.सा.
13. साध्वी श्री पूजिताश्रीजी म.सा. 14. साध्वी श्री चिंतनप्रज्ञाश्रीजी म.सा.
15. साध्वी श्री अर्जिताश्रीजी म.सा. 16. साध्वी श्री अर्चिताश्रीजी म.सा.
17. साध्वी श्री मुदितप्रज्ञाश्रीजी म.सा. 18. साध्वी श्री विशाखाश्रीजी म.सा.
19. साध्वी श्री नीरजश्रीजी म.सा. 20. साध्वी श्री जिज्ञासाश्रीजी म.सा.
21. साध्वी श्री महकश्रीजी म.सा. 22. साध्वी श्री श्रुतिश्रीजी म.सा.
23. साध्वी श्री रुचिश्रीजी म.सा. 24. साध्वी श्री प्रगतिश्रीजी म.सा.
25. साध्वी श्री सम्पन्नताश्रीजी म.सा. 26. साध्वी श्री सौम्यताश्रीजी म.सा.
27. साध्वी श्री प्रज्ञप्तिश्रीजी म.सा. 28. साध्वी श्री प्रीतिश्रीजी म.सा. (चित्तौड़गढ़ वाले)
29. साध्वी श्री मंजरीश्रीजी म.सा. 30. साध्वी श्री कृतिश्रीजी म.सा.
31. साध्वी श्री संयमसुगंधाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा–31**

चातुर्मास स्थल– अशोकजी कोठारी का मकान, 1 ज्योतिनगर, वैशाली अपार्टमेन्ट के पीछे, मनवा खेड़ा रोड, हिरण मगरी सेक्टर–4, उदयपुर–313001 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 1 पर देखें।

33. राठी परिसर, भीनासर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री कल्याणकँवरजी म.सा. 2. साध्वी श्री लब्धिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सन्निधिश्रीजी म.सा. 4. साध्वी श्री वरदाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा–04**

चातुर्मास स्थल– आसकरणजी राठी का मकान, बैदों का मोहल्ला, गीता भवन के पास, भीनासर, बीकानेर–334403 (राज.)

सम्पर्क सूत्र 1 व 2 ऊपर क्र.सं. 3 पर देखें। 3. श्री महेन्द्रकुमारजी सोनावत, मो. : 9414141691

34. समता भवन, इन्दौर (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री श्रीकान्ताश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री चंदनबालाश्रीजी म.सा. (बड़ावदा वाले)
3. साध्वी श्री रंजनाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सुलोचनाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री जयंतश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री मधुश्रीजी म.सा.
7. साध्वी श्री मुक्ताश्रीजी म.सा.
8. साध्वी श्री अविचलश्रीजी म.सा.
9. साध्वी श्री महिताश्रीजी म.सा.
10. साध्वी श्री श्रुतशीलाश्रीजी म.सा.
11. साध्वी श्री जिनेन्द्रप्रज्ञाश्रीजी म.सा.
12. साध्वी श्री प्रियताश्रीजी म.सा.
13. साध्वी श्री अविकारश्रीजी म.सा.
14. साध्वी श्री छवियशाश्रीजी म.सा.
15. साध्वी श्री पीहिताश्रीजी म.सा.
16. साध्वी श्री पर्युपासनाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-16**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, यशवन्त निवास रोड, रानी सती गेट के आगे, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

1. श्री तेजकुमारजी तातेड़
   4, गिरधर नगर, महेश नगर,
   इन्दौर-452002 (म.प्र.)
   मो. : 9826033624
2. श्री ललितजी दुगड़
   यशवन्त निवास रोड,
   इन्दौर-452002 (म.प्र.)
   मो. : 9827013200

35. समता भवन, काशीपुरी, भीलवाड़ा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चेतनश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सूर्यमणिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुरभिश्रीजी म.सा. (जावद वाले)
4. साध्वी श्री सुषमाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- 19-20, समता भवन, विष्णु होटल के पीछे, काशीपुरी, भीलवाड़ा-311001 (राज.)

1. श्री बलवन्तजी रांका
   रांका हाऊस, सोनी हॉस्पिटल के पास,
   शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा-311001 (राज.)
   मो. : 9799738431
2. श्री संदीपजी संखलेचा
   संखलेचा हाऊस, सोनी हॉस्पिटल के पास,
   शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा-311001 (राज.)
   मो. : 9414973630

36. चित्तौड़गढ़ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री समताश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री रविप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री अक्षयप्रभाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री स्वर्णज्योतिश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री प्रसिद्धिश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-05**

चातुर्मास स्थल- नानेश-रामेश भवन, किला रोड, इन्कम टैक्स ऑफिस के पास, चित्तौड़गढ़-312001 (राज.)

1. श्री अशोकजी नाहर
   दिल्ली गेट, चित्तौड़गढ़-312001 (राज.)
   मो. : 9414497880
2. श्री सुशीलकुमारजी अब्भाणी
   मीरा नगरी, चित्तौड़गढ़-312001 (राज.)
   मो. : 8003728833
3. श्री संजयजी सुराणा, मो. : 9829122814

37. सुभाषनगर-भीलवाड़ा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री निरंजनाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री ललिताश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रणतप्रज्ञाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक समिति, सुभाषनगर, भीलवाड़ा-311001 (राज.)

1. श्री हेमन्तजी कोठारी
कोठारी एन्टरप्राइजेज
अजमेर रोड, भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो. : 9414112850

2. श्री अमरचन्दजी दुग्गड़
98 ए, मेन पार्क के पास,
सुभाषनगर, भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो. : 9414978697

38. सुदामानगर-इन्दौर (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियलक्षणाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुमंगलाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रांजलश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री विरलश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री मीनाक्षीश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-05

**चातुर्मास स्थल- समता भवन, महावीर गेट के अन्दर,
गौतम आश्रम के पास, सुदामानगर, इन्दौर-452009 (म.प्र.)**

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 34 पर देखें।

39. रामपुरा (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री वनिताश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री साधनाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री निष्ठाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री निरामगंधाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- चंदनबाला भवन, सिंघाड़ा गली, रामपुरा जि. नीमच-458118 (म.प्र.)

1. श्री धन्यकुमारजी धाकड़
महावीर बाजार, रामपुरा,
जि. नीमच-458118 (म.प्र.)
मो. : 9425417077, 9425328147

2. श्री यशवन्तसिंहजी चौधरी
सिंघाड़ा गली, रामपुरा,
जि. नीमच-458118 (म.प्र.)
मो. : 8305073700, 9424033965

3. श्री लोकेन्द्रजी कड़ावत, मो. : 9425974730

40. कोप्पल (कर्ना.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रभाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सत्यप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री पुण्यप्रभाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सन्मतिशीलाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

Chaturmas Sthal- S.S Jain Sangh, Gavimath Road, Ghadiyar Khamba, Koppal-583231 (K.N.)

1. Sh. Abhay Kumarji Mehta
Abhay Rice Mill, Goushala Road,
Koppal-583231 (K.N.)
Mob. : 9448496330, 9845067030

2. Sh. Goutam P. Mehta
Kamal Home Decore, Hospet Road,
Koppal-583231 (K.N.)
Mob. : 9880732535

3. Sh. Prakashji Chopra, Mob. : 9845117528

41. कमला नेहरू नगर, जोधपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुलाश्रीजी म.सा. (देशनोक वाले)
2. साध्वी श्री वैभवप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री संस्कारश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री लघिमाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री भाग्यश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री शुभदाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-06

**चातुर्मास स्थल- समता भवन, ए-125 कमला नेहरू नगर प्रथम विस्तार, आचार्य श्री नानेश मार्ग,
लक्की बाल निकेतन स्कूल के पीछे, जोधपुर-342008 (राज.)**

1. श्री जसराजजी गुलाबजी चौपड़ा
समता, 32 अरिहंत नगर, गुरों का तालाब
रोड, जोधपुर-342008
मो. : 9462098161, 9414128026

2. श्री सुरेशजी साँखला
37, अरिहंत नगर, गुरों का तालाब
रोड, जोधपुर-342008
मो. : 9414196404, 02912750759

42. रतलाम (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रीतिसुधाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सरिश्माश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री करिश्माश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री अणिमाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री सर्वज्ञश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री ख्यातिश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-06

चातुर्मास स्थल- समता सदन, घास बाजार, रतलाम-457001 (म.प्र.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 19 पर देखें।

43. भूपालसागर-जि. चित्तौड़गढ़ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुदर्शनाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री प्रभुताश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री संवरश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री प्रीतिश्रीजी म.सा. (नारायणपुर वाले)

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- वर्धमान जैन स्थानक, भूपालसागर, जि. चित्तौड़गढ़-312204 (राज.)

1. श्री लक्ष्मीलालजी बापना
गायत्री नगर, भूपालसागर
जि. चित्तौड़गढ़-312204 (राज.)
मो. : 9468944269

2. श्री दीपकजी रांका
भूपालसागर,
जि. चित्तौड़गढ़-312204 (राज.)
मो. : 9414732791

44. जयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चन्द्रप्रभाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुजाताश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुमेधाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री समिधाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री जीतयशाश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री जागृतिश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-06

चातुर्मास स्थल- श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संस्थान, समता भवन, 13 गायत्री नगर-ए, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर- 302018 (राज.)

1. श्री ज्ञानचन्दजी मूथा
अंचल निवास, सी-11, राजा पार्क,
पिंक स्क्वैयर मॉल के पास, जयपुर-302004 (राज.)
मो. : 9414054971

2. श्री अभयजी नाहर
103-104, जनकपुरी-प्रथम
इमलीवाला फाटक, जयपुर-302004 (राज.)
मो. : 9829165897

45. बांसवाड़ा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री आदर्शप्रभाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री गुणसुंदरीश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री समर्पिताश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री ऋतुश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री गुंजनश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-05

चातुर्मास स्थल- समता भवन, राती तलाई, रोड नं. 6, भारत विकास परिषद् के पास, बांसवाड़ा-327001 (राज.)

1. श्री राजेन्द्रजी मेर
राजस्थान प्लाईवुड, उपाध्याय पार्क के पास,
एम.जी. हॉस्पिटल रोड, बाँसवाड़ा-327001 (राज.)
मो. : 8949424405, 9414103808

2. श्री रंजीतकुमारजी ललवानी
राती तलाई, रोड नं. 3
बांसवाड़ा-327001 (राज.)
मो. : 9460437614

46. लूणकरणसर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री हर्षिलाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री ज्योत्सनाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री मणिप्रभाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री लवियशाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, लूणकरणसर, जि. बीकानेर-334604 (राज.)

1. श्री शेषकरणजी राखेचा
करणी माता मन्दिर के पीछे,
मण्डी रोड, लूणकरणसर,
जि. बीकानेर-334604 (राज.)
मो. : 9414528693, 8209386862

2. श्री आसकरणजी बरड़िया
शीतला माता मन्दिर के पीछे,
चौधरी कॉलोनी, लूणकरणसर,
जि. बीकानेर-334604 (राज.)
मो. : 9461942460, 8290042751

47. गदग (कर्ना.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री अर्चनाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री मल्लिप्रज्ञाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रतिष्ठाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री रुचिताश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- श्री वर्धमान स्था. जैन श्रावक संघ, महावीर नगर, अबिगीरी कम्पाउण्ड, पो. गदग-582101 (कर्ना.)

1. श्री रूपचन्द एल. पारलेचा
जनता ट्रेडर्स, नामजोशी रोड,
गदग-582101 (कर्ना.)
मो. : 9242253666

2. श्री विजयराज जी. बागमार
बागमार जनरल स्टोर, ग्रेन मार्केट,
गदग-582101 (कर्ना.)
मो. : 9342748100

48. जावरा (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मनोरमाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सरोजबालाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुमुक्तिश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सुविरागश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री सुविराजश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री सुअर्चाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-06**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, जवाहर पथ, सेंट्रल बैंक के पास, जावरा जि. रतलाम-457226 (म.प्र.)

1. श्री अभयकुमारजी भण्डारी
कांठेड़ परिसर, हॉस्पिटल रोड,
भोलेनाथ गैस एजेन्सी के सामने,
जावरा, जि. रतलाम-457226 (म.प्र)
मो. : 8989605240, 07414221410

2. श्री मनीषजी पोखरना
52, मधु एजेन्सी, मुगलपुरा,
जावरा, जि. रतलाम-457226 (म.प्र)
मो. : 8319104628, 9893482863

3. श्री राजेशजी संघवी, मो. : 9826444732

49. विनोदनगर, ब्यावर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चंचलकँवरजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुरक्षाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री उमंगश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सुहर्षाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- मूथा बगीची, विनोदनगर, ब्यावर, जि. अजमेर-305901 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 4 पर देखें।

50. परपोड़ी (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांताश्रीजी म.सा. (छ.ग. वाले)
2. साध्वी श्री सुनेहाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुशक्तिश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- परपोड़ी जैन भवन, वार्ड नं. 9, परपोड़ी तह. साजा जि. बेमेतरा-491331 (छ.ग.)

1. श्री नथमलजी कोठारी
ग्राम परपोड़ी तह. साजा जि. बेमेतरा (छ.ग.)
मो. : 8319115852
2. श्री मिश्रीलालजी जैन
ग्राम जानो पो. परपोड़ी जि. बेमेतरा (छ.ग.)
मो. : 9009451313

51. हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री शांतप्रभाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सरोजश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री जलजश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- श्रीमती रंजनाजी विरवाल का मकान, हाऊस नंबर 951, ज्ञाननगर, जैन स्थानक के पीछे, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 1 पर देखें।

52. रावटी (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री अरुणाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री उपासनाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री वीतरागश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री राजुलश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- जैन स्थानक भवन, सदर बाजार, रावटी, जि. रतलाम-457001 (म.प्र.)

1. श्री कान्तिलालजी कटारिया
कपड़ा बाजार, रावटी,
जि. रतलाम-457001 (म.प्र.)
मो. : 9589746191, 9424500561
2. श्री पारसमलजी गांधी
कपड़ा बाजार, रावटी,
जि. रतलाम-457001 (म.प्र.)
मो. : 9827070659, 9424020147
3. श्री अशोककुमारजी सागरमलजी कटारिया, मो. : 9425356378, 9644056346

53. देवगढ़ मदारिया (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री वंदनाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुव्रतयशाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री अवियशाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, बड़ी होली चौक, पो. देवगढ़ मदारिया जि. राजसमंद-313331 (राज.)

1. श्री मनोहरलालजी देरासरिया
माणक चौक, सदर बाजार
पो. देवगढ़ जि. राजसमंद-313331 (राज.)
मो. 7597815089
2. श्री प्रेमकुमारजी पोरवाड़
हरीलाल सोहनलाल पोरवाड़, सदर बाजार,
पो. देवगढ़ जि. राजसमंद-313331 (राज.)
मो. : 9460320943

54. सुभाषनगर-उज्जैन (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमोदश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री कृतज्ञाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री स्वागतश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सुगुणाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- श्री महावीर श्वेता. जैन स्थानकवासी न्यास, 15/1, सुभाषनगर, सांवेर रोड, पानी की टंकी के सामने, उज्जैन-456010 (म.प्र.)

1. श्री संजयजी बाफना
85, संत नगर, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
मो. : 9425092837

2. श्री प्रकाशजी बोथरा
ए 5/7, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9826730394

55. सूरत (गुज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री कल्पनाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री स्थितप्रज्ञाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री जयघोषाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- समता भवन-3, रविदर्शन सोसायटी, कापड़िया हैल्थ क्लब के सामने, न्यू सिविल रोड, भटार, सूरत-395017 (गुज.)

1. श्री हुलासचन्दजी सुराना
402, उमंग अपार्टमेंट, उमा भवन के पास, अमृता हॉस्पिटल के सामने, भटार रोड, सूरत-395007 (गुज.)
मो. : 9825198522

2. श्री प्रेमचन्दजी पारख
बी1103, सिलिकोन पैलेस, अर्चना स्कूल रोड, एस.एम.सी. स्टोर के सामने, पर्वत पाटिया, सूरत-395010 (गुज.)
मो. : 9426865679

56. खिरकिया (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री दर्शनाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री रिद्धप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रतीक्षाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- समता भवन, पो. खिरकिया जि. हरदा-461441 (म.प्र.)

1. श्री अशोककुमारजी भण्डारी
10/3, नानेश-लीला, मुख्य मार्ग, पो. खिरकिया जि. हरदा-461441 (म.प्र.)
मो. : 9144441008, 9425042130

2. श्री पंकजजी भण्डारी
स्टेट बैंक के सामने, पो. खिरकिया जि. हरदा-461441 (म.प्र.)
मो. : 9131207220

57. नाड़ी मोहल्ला-भीलवाड़ा (राज.)

1. पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री सुभद्राश्रीजी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री समीक्षणाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री रूपयशाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- महावीर भवन, नाडी मोहल्ला, बड़े मन्दिर के पास, भीलवाड़ा-311001 (राज.)

1. श्री नाथुलालजी छाजेड़
नाड़ी मोहल्ला, बड़े मंदिर के पास, पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो. : 9785066500

2. श्री पारसमलजी कूकड़ा
पारसमल धर्मचन्द, आजाद मार्केट, आजाद चौक, पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो. : 9462241948

58. दुर्ग (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुमेरुश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री चंद्रिकाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री नियतयशाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- समता भवन, शिवपारा, दुर्ग-491001 (छ.ग.)

1. श्री राजेन्द्रजी श्रीश्रीमाल
शान्ति सदन, मैथिल पारा,
दुर्ग-491001 (छ.ग.)
मो. : 9300330075

2. श्री प्रदीपजी बोथरा
रामेश विला, मोक्ष मार्ग, शिक्षक नगर,
दुर्ग-491001 (छ.ग.)
मो. : 9424119340

59. बिनोता (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री ज्योतिप्रभाश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री गुणरंजनाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुवर्णाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, सदर बाजार, बिनोता, तह. निम्बाहेड़ा जि. चित्तौड़गढ़-312614 (राज.)

1. श्री जसवन्तकुमारजी डोशी
पुत्र श्री भँवरलालजी डोशी
पो. बिनोता तह. निम्बाहेड़ा
जि. चित्तौड़गढ़-312614 (राज.)
मो. : 9929384227

2. श्री हस्तीमलजी चपलोत
पुत्र श्री मांगीलालजी चपलोत
पो. बिनोता तह. निम्बाहेड़ा
जि. चित्तौड़गढ़-312614 (राज.)
मो. : 9351588754

60. गंगापुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री विद्यावतीश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री नमनश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रतिज्ञाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, आचार्य श्री नानेश चौक, गंगापुर, जि. भीलवाड़ा-311801 (राज.)

1. कैलाशचन्द्रजी कोठारी
कैलाश जनरल स्टोर, कंसारा बाजार,
गंगापुर, जि. भीलवाड़ा-311801 (राज.)
मो. : 9414740985

2. श्री पवनकुमारजी गिलुण्डिया
द्वारा- अम्बालाल मिश्रीलाल कपड़ा व्यापारी
सदर बाजार, गंगापुर, जि. भीलवाड़ा (राज.)
मो. : 9460352047, 9079110703

61. निकुंभ-जि. चित्तौड़गढ़ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री सुरिद्धिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुसिद्धिश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, निकुंभ, तह. बड़ीसादड़ी जि. चित्तौड़गढ़-312603 (राज.)

1. श्री आजादकुमारजी सहलोत
पुत्र श्री किशनलालजी सहलोत
सहलोत स्ट्रीट, निकुंभ, तह. बड़ीसादड़ी
जि. चित्तौड़गढ़-312603 (राज.)
मो. : 9829152319

2. श्री कमलेशकुमारजी धींग
पुत्र श्री राजमलजी धींग
सहलोत स्ट्रीट, निकुंभ, तह. बड़ीसादड़ी
जि. चित्तौड़गढ़-312603 (राज.)
मो. : 9829247251

62. अहमदाबाद (गुज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रतिभाश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री सुभगश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुरक्षणश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

**चातुर्मास स्थल- नीलम फ्लैट, चन्द्रमणि हॉस्पिटल के पीछे,
गिरधर नगर रोड, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004 (गुज.)**

1. श्री मुकेशजी पीपाड़ा (जैन)
सी-7, प्रेम सोसायटी, सुजाता फ्लैट के पास,
शाहीबाग, अहमदाबाद-380004 (गुज.)
मो. : 9057582290

2. श्री राजेशजी बाँठिया
48, भद्रेश्वर सोसायटी, एम.बी. कापड़िया
स्कूल के पीछे, दिल्ली दरवाजा के पास,
अहमदाबाद-380004 (गुज.), मो. : 9428121200

63. देशनोक (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री श्वेताश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री नूतनश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री ऋषिताश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री विश्रुतश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- जैन जवाहर मण्डल, पो. देशनोक, जि. बीकानेर-334801 (राज.)

1. श्री मोतीलालजी बुच्चा
आँचलियों का बास, पो. देशनोक
जि. बीकानेर-334801 (राज.)
मो. : 6350348268

2. श्री पानमलजी भूरा
सुराणों का बास, पो. देशनोक
जि. बीकानेर-334801 (राज.)
मो. : 8094812556

64. जवाहर विद्यापीठ, गंगाशहर-भीनासर (राज.)

1. पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री विशालप्रभाश्रीजी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री सुसमृद्धिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुविधाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सुचारूश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- श्री जैन जवाहर विद्यापीठ, भीनासर, बीकानेर-334401 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 3 पर देखें

65. रानीबाजार, बीकानेर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री मीताश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री लक्ष्यज्योतिश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री निशान्तश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

**चातुर्मास स्थल- रूपा समता भवन, राजस्थान नर्सिंग होम के पीछे,
रानीबाजार इण्डस्ट्रीयल एरिया, बीकानेर-334001 (राज.)**

1. श्री मनोजजी दस्साणी
राजस्थान नर्सिंग होम के सामने,
रानी बाजार इण्डस्ट्रीयल एरिया,
बीकानेर-334001 (राज.)
मो. : 9414141255

2. श्री राजेन्द्रकुमारजी गोलछा
द्वारा- जय फर्नीचर हाऊस,
हंसा गेस्ट हाऊस के सामने, नोखा रोड,
गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.)
मो. : 9571840310

66. बड़ीसादड़ी (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रभावनाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री चित्तरंजनाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री चंदनाश्रीजी म.सा. (इंदौर वाले) **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, राजमहल के पास, बड़ीसादड़ी, जि. चित्तौड़गढ़-312403 (राज.)

1. श्री प्रकाशचन्द्रजी मेहता
क्लॉथ मर्चेन्ट, बड़ीसादड़ी,
जि. चित्तौड़गढ़-312403 (राज.)
मो. : 9414619476, 9784757565

2. श्री विमलजी दलाल
दलालों की पोल, राजमहल रोड, बड़ीसादड़ी,
जि. चित्तौड़गढ़-312403 (राज.)
मो. : 9414619514

67. धुलिया (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुलाश्रीजी म.सा. (भीनासर वाले)
2. साध्वी श्री सुसारिकाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुपरश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सुरक्तिश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री सुनवनिधिश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-05**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, वखारकर नगर, नाकोड़ा मेडिसिन के सामने, मार्केट, धुलिया-424004 (राज.)

1. श्री रमेशजी केशरमलजी संकलेचा
   25, भगामोहन नगर, वखारकर नगर
   के पास, धुलिया-424004 (महा.)
   मो. : 9822197130
2. श्री किशोरजी खींवसरा
   जैन मशीनरी, पारोला रोड,
   धुलिया-424004 (महा.)
   मो. : 9822760277

68. कानोड़ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री अर्पणाश्रीजी म.सा. (कानोड़ वाले)
2. साध्वी श्री रश्मिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री उन्नतिश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सम्यक्श्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री सम्पदाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-05**

चातुर्मास स्थल- समता साधना भवन, कानोड़, जि. उदयपुर-313604 (राज.)

1. श्री रमेशजी कुदाल
   नगर पालिका रोड के पीछे,
   कानोड़, जि. उदयपुर-313604 (राज.)
   मो. : 9414683309
2. श्री तखतमलजी लसोड़
   ब्रह्मपुरी, कानोड़,
   जि. उदयपुर-313604 (राज.)
   मो. : 9166663441

69. गुण्डरदेही (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री रजतमणिश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा. (उड़ीसा वाले)
3. साध्वी श्री निर्मलयशाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- जैन भवन, मेन रोड, गुण्डरदेही, जि. बालोद-491223 (छ.ग.)

1. श्री अशोकजी जैन
   जैन भवन के पास, वार्ड नं. 12
   गुण्डरदेही, जि. बालोद-491223 (छ.ग.)
   मो. : 9425211984
2. श्री प्रमोदजी जैन
   वार्ड नं. 13, मेन रोड, गुण्डरदेही,
   जि. बालोद-491223 (छ.ग.)
   मो. : 9893727074

70. बोथरा कोटडी एवं पुगलिया कोटड़ी, गंगाशहर-भीनासर (राज.)

1. पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री सुबोधप्रभाश्रीजी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री मननप्रज्ञाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री रमणश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री समयाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

1. दो माह चातुर्मास स्थल- नथमलजी बोथरा की कोटड़ी, गांधी चौक, नई लेन, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.)

सम्पर्क सूत्र 1 व 2 ऊपर क्र.सं. 3 पर देखें

3. श्री सुभाषजी बोथरा, मो. : 7014974325

2. दो माह चातुर्मास स्थल- पुगलिया कोटड़ी, पोस्ट ऑफिस के पास, भीनासर, बीकानेर-334401 (राज.)

सम्पर्क सूत्र 1 व 2 ऊपर क्र.सं. 3 पर देखें

3. श्री देवेन्द्रकुमारजी पुगलिया, मो. : 7737330835

71. अमरोली, सूरत (गुज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री उज्ज्वलप्रभाश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री प्रमितिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री मणामगंधाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- महावीर भवन, तुलसी रेस्टोरेंट के सामने, छपराभाठा रोड, अमरोली, सूरत-394107 (गुज.)

1. श्री प्रकाशजी पोरवाड़
बी-26, वर्द्धमान पार्क-2,
अमरोली-394107 (गुज.)
मो. : 9904171707

2. श्री सुनीलजी शाह (मांडोत)
बी/504, नीलकंठ रेजीडेन्सी,
क्रॉस रोड, अमरोली-394107 (गुज.)
मो. : 9879378052

72. पाल गाँव+जैन एन्क्लैव, जोधपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री विकासश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री अपूर्वश्रीजी म. सा.
3. साध्वी श्री अभीप्साश्रीजी म. सा. 4. साध्वी श्री पुष्पिकाश्रीजी म. सा.
5. साध्वी श्री सुहानीश्रीजी म. सा. **कुल ठाणा-05**

चातुर्मास स्थल (श्रावण-भाद्रपद)- पाल स्थानक, गोगा मण्ड का बास, पाल गाँव, जोधपुर-342001 (राज.)

1. श्री जगदीशजी बाफना
148 फेज प्रथम, आशापूर्णा सिटी,
पो. पाल गाँव, जि. जोधपुर-342001 (राज.)
मो. 9414268013

2. श्री संजयजी बाफना
गोगामण्ड का बास,
पो. पाल गाँव, जि. जोधपुर-342001 (राज.)
मो. : 9829124320

**चातुर्मास स्थल (आश्विन-कार्तिक)- जैन एंक्लेव सोसायटी,
वैशाली नगर, गंगाना फाटा के पास, सांई धाम के पीछे, जोधपुर-342001 (राज.)**

1. श्री गौरवजी मेहता
108, जैन एंक्लेव सोसायटी, वैशाली नगर,
पाल, जोधपुर-342001 (राज.)
मो. : 8401000051

2. श्री संदीपजी बोहरा
21, जैन एंक्लेव सोसायटी, वैशाली नगर,
पाल, जोधपुर-342001 (राज.)
मो. : 9461148026

73. महामंदिर, जोधपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमिलाश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री सुप्रियाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री अनुजाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

**चातुर्मास स्थल- समता भवन, कुम्भटों का बास,
धानमण्डी के पास, महामंदिर, जोधपुर-342006 (राज.)**

1. श्री सुगनचंदजी नवरत्नमलजी चोरड़िया
हेमसिहजी का कटला, महामंदिर
जोधपुर-342006 (राज.)
मो. : 9460425065

2. श्री अनिलजी सांखला
अनिल प्रोविजन स्टोर, तीसरी पोल के बाहर,
महामंदिर, जोधपुर-342006 (राज.)
मो. : 7791057752

74. भदेसर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री पावनश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा. (चिकारड़ा वाले)
3. साध्वी श्री प्रेक्षाश्रीजी म.सा. 4. साध्वी श्री प्रणतिश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- नानेश-रामेश समता भवन, मीणा चौक, मु.पो. भदेसर जि. चित्तौड़गढ़-312602 (राज.)

1. श्री सागरमलजी कच्छारा
पुत्र श्री मीठूलालजी कच्छारा, सदर बाजार,
मु.पो. भदेसर जि. चित्तौड़गढ़-312602 (राज)
मो. : 9982341162

2. श्री कन्हैयालालजी मोदी
मेन बाजार, मु.पो. भदेसर
जि. चित्तौड़गढ़-312602 (राज.)
मो. : 9784170942

75. नोखामण्डी (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री शर्मिलाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुगुप्तिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुप्रीतिश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- जैन जवाहर भवन, जैन चौक, पो. नोखा, जि. बीकानेर-334803 (राज.)

1. श्री ईश्वरचन्दजी जैन
द्वारा- नेमचंद शांतिलाल, सदर बाजार,
पो. नोखा जि. बीकानेर-334803 (राज.)
मो. : 9414147245

2. श्री उत्तमचंदजी बेताला
जैन चौक, पो. नोखा
जि. बीकानेर-334803 (राज.)
मो. : 9460923785

76. रालेगाँव (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सौम्यशीलाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री विवेकशीलाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुयशप्रज्ञाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री जयप्रज्ञाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- श्री जैन स्थानक, मेन रोड, रालेगाँव, जि. यवतमाल-445402 (महा.)

1. श्री कांतिलालजी पुखराजजी बोथरा
बोथरा हार्डवेयर, शांतिनगर,
रालेगाँव, जि. यवतमाल-445402 (महा.)
मो. : 9422167226

2. श्री दीपकजी जवरीलालजी बोरा
बिट्टल मंदिर रोड, करुणा सदन, बचपन स्कूल के
सामने, रालेगाँव, जि. यवतमाल-445402 (महा.)
मो. : 9423266650

77. मेरठ (उत्तरप्रदेश)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मनीषाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री धैर्यप्रभाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री मृणालकँवरजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- श्री एस.एस. जैन सभा, सेक्टर-5, अंशल सुशान्त सिटी, वेद व्यास पुरी, मेरठ-250002 (उ.प्र.)

1. श्री अनिलकुमारजी जैन
सी-95, सेक्टर-5, अंशल सुशान्त सिटी,
वेद व्यास पुरी, मेरठ-250002 (उ.प्र.)
मो. : 9837061468

2. श्री रघुनाथ प्रसादजी जैन
ए-74, सेक्टर-5, अंशल सुशान्त सिटी,
वेद व्यास पुरी, मेरठ-250002 (उ.प्र.)
मो. : 9927573211

78. रोहिणी सेक्टर-9 (दिल्ली)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री विजेताश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री विराटश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री जयतिश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- जैन स्थानक, अहिंसा विहार अपार्टमेंट, प्लॉट नं. 27/1, सेक्टर-9 रोहिणी, मैट्रो स्टेशन के पास, मैट्रो पिल्लर नं. 405, रोहिणी (ईस्ट), दिल्ली-110085

1. श्री सुभाषजी जैन (पारख)
सी-57, अहिंसा विहार, सेक्टर-9,
रोहिणी, दिल्ली-110085
मो. : 9212113680, 9868013680

2. श्री हेमचन्दजी जैन
सी-22, अहिंसा विहार, सेक्टर-9,
रोहिणी, दिल्ली-110085
मो. : 9999260960, 9310990161

79. सैंधवा (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुरम्यश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुपद्मश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सुदक्षाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- जैन स्थानक, महाराज गली, सैंधवा-451666 (म.प्र.)

1. श्री प्रेमचन्दजी सुराणा
जवाहर गंज, सैंधवा-451666 (म.प्र.)
मो. : 8839314235, 9425982675

2. श्री अशोकजी सकलेचा
मोती बाग, जालाराम मन्दिर के सामने,
सैंधवा-451666 (म.प्र.), मो. : 9926487400

80. श्रीगंगानगर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रज्ञाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुश्रद्धाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुरचिताश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- एस.एस. जैन सभा (रजि.), 457-458, अग्रसेन नगर, श्रीगंगानगर-335001 (राज.)

1. श्री नरेशजी जैन
4 ई 37, जवाहर नगर,
श्रीगंगानगर-335001 (राज.)
मो. : 9950993955

2. श्री मनोजजी जैन (हैप्पी)
177, अग्रसेन नगर, एस.एस. जैन सभा के
सामने, श्रीगंगानगर-335001 (राज.)
मो. : 9414089249

81. रामामण्डी (पंजाब)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रशान्तश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री प्रबोधश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रणवश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री प्रशस्तिश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

**चातुर्मास स्थल- श्री एस.एस. जैन सभा, पोस्ट ऑफिस के पास,
गली नं. 5/1, रामामण्डी, भटिण्डा-151301 (पंजाब)**

1. श्री राजेशजी जैन
जैन आईसक्रीम पार्लर, गौशाला रोड,
रामामण्डी, जि. भटिण्डा-151301 (पंजाब)
मो. : 9815739711

2. अभिषेकजी जैन
जैन सभा मार्केट, रामामण्डी,
जि. भटिण्डा-151301 (पंजाब)
मो. : 9041197308

82. वैशालीनगर, अजमेर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुरभिश्रीजी म.सा. (नगरी)
2. साध्वी श्री सुरुचिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुनिधिश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सुवृष्टिश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- ओसवाल भवन, पार्श्वनाथ कॉलोनी, वैशालीनगर, अजमेर-305004 (राज.)

1. श्री पुखराजजी पोखरणा
जी-147, माकड़वाली रोड,
अजमेर-305004 (राज.)
मो. : 9214970167

2. डॉ. पी.एम. जैन (डोसी)
एस-2, प्रगति पार्श्वनाथ कॉलोनी,
वैशालीनगर, अजमेर-305004 (राज.)
मो. : 9829751083

3. श्री हेमराजजी कोठारी, मो. : 9829073084

83. कोटा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री ऋजुताश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री श्रेयाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री मुस्कानश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, लक्खीबुर्ज के पास,
जैन दिवाकर हॉस्पिटल के सामने, तालाब रोड, कोटा-324006 (राज.)

1. श्री हनुमानमलजी दुगड़
अरिहन्त प्लास्टिक्स, रामपुरा बाजार,
कोटा-324006 (राज.)
मो. : 9214381312

2. श्री धन सुरेशजी जैन
पोरवाल बर्तन भण्डार, बहादुर बाजार,
कोटा-324006 (राज.)
मो. : 9252027342

84. खामगाँव (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुभक्तिश्रीजी म.सा. 2. साध्वी श्री सुऋचाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री पल्लवश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन स्थानक, सामुद्री माता मन्दिर,
मेन रोड, खामगाँव जि. बुलढाणा-444303 (महा.)

1. श्री राजेन्द्रजी नाहर
विनार मेडिकल एजेन्सी, तिलक मैदान,
खामगाँव जि. बुलढाणा-444303 (महा.)
मो. : 9422180268

2. श्री विजयजी रुणवाल
प्राइम हाइट्स, केशवनगर
खामगाँव जि. बुलढाणा-444303 (महा.)
मो. : 9766665204

85. अरविन्द नगर, गोल्फ कोर्स, जोधपुर (राज.)

1. पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री प्रभातश्रीजी म.सा. 2. शासन दीपिका साध्वी श्री साक्षीश्रीजी म.सा.
3. साध्वीश्री पूर्णाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल- श्री महावीर जैन श्रावक समिति, एयर फोर्स एरिया (पंजीकृत),
15 ए, अरविन्द नगर, गोल्फ लिंक रोड, जोधपुर-342011 (राज.)

1. श्री प्रवीणजी, श्री सुधींद्रजी दुगड़
57, गोल्फ कोर्स, जोधपुर-342011 (राज.)
मो. : 9414127450, 9414130550

2. श्री राजेन्द्र राजजी गांग मेहता
बी-65, अरविन्द नगर, एयर फोर्स,
जोधपुर-342011 (राज.), मो. : 9461190608

86. महामन्दिर, जोधपुर (राज.)

1. पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री लघुताश्रीजी म.सा. 2. शासन दीपिका साध्वी श्री संयतिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री वरणश्रीजी म.सा. 4. साध्वी श्री रम्याश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- कांकरिया पौषधशाला, सरकारी डिस्पेंसरी के सामने गली में,
पावटा बी रोड, जोधपुर-342006 (राज.)

1. श्री श्रीचंदजी सांखला
49, पद्मावती नगर, दूसरी गली,
जालम विलास पोल के अंदर,
पावटा बी रोड, जोधपुर-342006 (राज.)
मो. : 9414561873

2. श्री अरुणजी चौपड़ा
28 बी, लक्ष्मीनगर,
पार्क नं. 1 के पास,
पावटा बी रोड, जोधपुर-342006 (राज.)
मो. : 9828426000

87. शेरगढ़ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चिरागश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री मतिज्ञाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री मैनासुंदरीश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री मानसश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- कबानियों का बास, महावीर भवन, पो. शेरगढ़ जि. जोधपुर-342022 (राज.)

1. श्री केवलचन्द जसराज चौपड़ा
   मु.पो. शेरगढ़,
   जिला जोधपुर-342022 (राज.)
   मो. : 9461649880
2. श्री गौतमचन्द पुखराज ढ़ेलड़िया
   द्वारा- गौतम क्लॉथ स्टोर, जैन मंदिर के सामने,
   मु.पो. शेरगढ़ जिला जोधपुर-342022 (राज.)
   मो. : 9413061260

88. रतलाम (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री हितैषीश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री रुचिराश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री कीर्तियशाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री सौम्यसुगंधाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री दीपिकाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-05

चातुर्मास स्थल- समता भवन, काटजू नगर, रतलाम-457001 (म.प्र.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 19 पर देखें।

89. पाली (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रखरश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री भवपारश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री चन्द्रकलाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री जयंकराश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- समता भवन, 15 महावीर नगर विस्तार, आचार्य श्री नानेश मार्ग, बलिया गर्ल्स स्कूल के पीछे, पाली-306401 (राज.)

1. श्री अशोककुमारजी श्रीश्रीमाल
   19, ग्रीन पार्क, पाली-306401 (राज.)
   मो. : 9414120829
2. श्री ललित कुकड़ा
   16-17 श्रेयांसनगर, जैन मंदिर के सामने,
   पाली-306401 (राज.), मो. : 9414610121

90. रूपनगर, जोधपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री खुशालश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री भव्याश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री हिमानीश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-03

चातुर्मास स्थल- 207, रूपनगर द्वितीय, सांई बाबा मंदिर के पास, पाल रोड, जोधपुर-342006 (राज.)

1. भंवरलालजी सुमेरमलजी छाजेड़
   160, अरिहंत नगर, सांई बाबा मंदिर के पास,
   पाल रोड, जोधपुर-342008 (राज.)
   मो. : 9636472750, 7976896342
2. श्री सागरमलजी हेमंतकुमारजी विनायकिया
   38, श्यामनगर, सांई बाबा मंदिर के पास,
   पाल रोड, जोधपुर-342008 (राज.)
   मो. : 9414988196
3. श्री जितेन्द्रजी छाजेड़, मो. : 8696938111

91. शहादा (महा.)

1. पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री सुवासश्रीजी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री शृंगारश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री निर्वेदश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री दीक्षिताश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, पिपल्स बैंक के पास, शहादा जि. नन्दुरबार-425409 (महा.)

1. श्री दिलीपजी मनोहरमलजी कोटड़िया
समता मेडिकल स्टोर्स, 2 बुहारी मार्केट,
पो. शहादा जि. नन्दुरबार-425409 (महा.)
मो. : 7588735341

2. श्री शैलेषजी जेठमलजी जैन
श्री राम कॉलोनी, पुरानी मोहिदा रोड,
पो. शहादा जि. नन्दुरबार-425409 (महा.)
मो. : 9960224990

92. किलपॉक-चैन्नई (तमि.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री समीहाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री निर्जराश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री संहिताश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री छविप्रज्ञाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

Chaturmas Sthal- Kankaria Bhawan, No. 4, Manonmani Ammal Road, Opp. Mauchham Theater, Kilpauk, Chennai-600010 (T.N.)

1. Sh. Vijay Singhji Pincha
7A/1, Manonmani Ammal Road,
Kilpauk, Chennai-600010 (T.N.)
Mob. : 9884497000

2. Sh. Subhash Chandji Nahar
19/20, General Mudali Street, Ram Lakhan Chamber, Sowcarpet, Chennai-600010 (T.N.)
Mob. : 9444014014

3. Sh. Suganji Bardiya, Mob. : 9884378000

93. खैरागढ़ (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री समियाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री कामनाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री सुधृतिश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री मृदुलप्रज्ञाश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- समता भवन, भगवान महावीर चौक, गोल बाजार, खैरागढ़-491881 (छ.ग.)

1. श्री अमृतलालजी साँखला
सांखला अनाज भण्डार, ठाकुर पारा,
वार्ड नं. 5, खैरागढ़-491881 (छ.ग.)
मो. : 9424111516

2. श्री नवीनकुमारजी चौरड़िया
फैमस मेडिकल स्टोर्स, ठाकुर पारा,
वार्ड नं. 5, खैरागढ़-491881 (छ.ग.)
मो. : 9329128420

94. अशोकविहार (दिल्ली)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री पूर्वीश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री सुश्रियाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री शिक्षिताश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री शशांकश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- अहिंसा भवन जैन स्थानक, एफ ब्लॉक, अशोक विहार, फेज-प्रथम,दिल्ली-110052

1. श्री भूपेन्द्रकुमारजी जैन
जी-94, अशोक विहार, फेज-प्रथम,
दिल्ली-110053
मो. : 9811016545

2. श्री पदमचन्दजी पटवा
आईए-60 ए, अशोक विहार, फेज-प्रथम
दिल्ली-110052
मो. : 9311166951

95. हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री निखारश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री मर्यादाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री अरुणिमाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री प्रत्युषाश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री अक्षिताश्रीजी म.सा.
6. साध्वी श्री रिभिताश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-06**

चातुर्मास स्थल- ललित जी जारोली का मकान, 157, टैगोर नगर, हंसा पैलेस वाली रोड, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर-313001 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 1 पर देखें।

96. केकड़ी (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियंकाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री ह्रींकारश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री शीलसुगंधाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री श्रुतिप्रज्ञाश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- जैन स्थानक भवन, मिशन स्कूल के सामने, सब्जी मण्डी, केकड़ी, जि. अजमेर-305404 (राज.)

1. श्री अरविन्द कुमारजी नाहटा
   नाहटा ज्वैलर्स, जूनिया गेट,
   केकड़ी, जि. अजमेर-305404 (राज.)
   मो. : 9414421487
2. श्री रिखबचन्दजी सोनी
   शास्त्रीनगर, अजमेर रोड,
   केकड़ी, जि. अजमेर-305404 (राज.)
   मो. : 7665434992

97. विजयनगर, बैंगलुरु (कर्ना.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यदेशनाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री नवकारश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री भाविताश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री शुभंकराश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

Chaturmas Sthal- Samta Bhawan, No. 1192, 10th Main Road, Near City Central Library, Hampinagar, R.P.C. Layout, Vijaynagar, Bangalore-560104 (K.N.)
Ph. 080-23350105, Mob. : 9972580105

1. Sh. Dharmchandji Bambki
   Sh. Ganesh Palace, #355/19, 4th Main,
   Orchard Palace, Sada Shivnagar,
   Bangalore-560080 (K.N.)
   Mob. : 9845322355
2. Sh. Ashokji Nagori
   #160, 3rd Main Road, Chamrajpet
   Bangalore-560018 (K.N.)
   Mob. : 9845316923
3. Sh. Kailash Chandji Gurliya, Mob. : 9844035101

98. हावड़ा (प.बं.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुरीलीश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री चिरन्तनश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री ईहिताश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री रोहिताश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-04

चातुर्मास स्थल- 493/सी/ए, जी.टी. रोड, फेज-5, ब्लॉक-19, विवेक विहार, हावड़ा-711102 (प.बं.)

1. श्री मनोजजी डागा
   41/2, लक्ष्मी नारायण तला रोड,
   बी. गार्डन के पास,
   हावड़ा-711103 (प.बं.)
   मो. : 9830960708
2. श्री सुशीलजी गेलड़ा
   4/5/1, खेत्रो मित्रा लेन, प्रथम तल,
   राम-सीता मंदिर के पास, सलकिया,
   गोलाबाड़ी, हावड़ा-711106 (प.बं.)
   मो. : 9830452344

99. हिरण मगरी सेक्टर-5, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री खंतिप्रियाश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री खामेमिश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री रमामिश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री आगमश्रीजी म.सा.
5. साध्वी श्री अनमोलश्रीजी म.सा.

कुल ठाणा-5

चातुर्मास स्थल- भूपेंद्रजी रांका का मकान, हाऊस नंबर 1400, गायत्रीनगर, पार्क के सामने, हिरण मगरी सेक्टर-5, उदयपुर-313001 (राज.)

सम्पर्क सूत्र क्र.सं. 1 पर देखें।

100. गिलुण्ड (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री अनाकारश्रीजी म.सा.
2. साध्वी श्री काव्ययशाश्रीजी म.सा.
3. साध्वी श्री तारिकाश्रीजी म.सा.
4. साध्वी श्री शाश्वतश्रीजी म.सा. **कुल ठाणा-04**

चातुर्मास स्थल- श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, पुरानी कचहरी के पास, गिलुण्ड, जि. राजसमन्द-313207 (राज.)

1. श्री मनोहरलालजी आँचलिया
पुत्र श्री नानालालजी आँचलिया
महावीर बासण भण्डार, सदर बाजार,
गिलुण्ड जि. राजसमन्द-313207 (राज.)
मो. : 9772421123

1. श्री लक्ष्मीलालजी आँचलिया
श्री गणेशलालजी आँचलिया
वैभव इलैक्ट्रिक एण्ड हार्डवेयर, सदर बाजार,
गिलुण्ड जि. राजसमन्द-313207 (राज.)
मो. : 6350670492, 9549241031

3. श्री कुलदीपजी ओस्तवाल, मो. : 9783843623

नोट- चारित्रात्माओं के नाम, वरीयता क्रम, चातुर्मास स्थल व पता आदि लिखने में यदि कोई त्रुटि हुई हो तो अविनय असातना के लिए श्रमणोपासक टीम क्षमायाचना करती है।

रचनाएँ आमंत्रित

भगवान महावीर के अहिंसा सन्देश को जन-जन के हृदय पटल पर जागृत करने एवं समाजोत्थान के साथ-साथ समाज कल्याण को समर्पित आपकी अपनी श्रमणोपासक पत्रिका का अंक आपके करकमलों में है। आप संघ के मुखपृष्ठ के नियमित पाठक है यह हमारे लिए हर्ष का विषय है। हम आतुर हैं आपके सुझावों को जानने के लिए। कृपया श्रमणोपासक के सम्बन्ध में आप अपने सुझाव हमें नि:संकोच भिजवाएँ ताकि इसे और अधिक जनोपयोगी व रुचिकर बनाया जा सके। आपके सुझाव हमारा मार्गदर्शन करेंगे ऐसा हमारा विश्वास है।

श्रमणोपासक के धार्मिक अंक विभिन्न विषयों पर आधारित होते हैं। इसी प्रकार आगामी **15-16 सितम्बर 2022** का धार्मिक अंक **'हमारा संघ हमारा सम्मान', 'संघ समर्पणा', 'स्वधर्मी वात्सल्य', 'प्रोत्साहन ही संघ का पोषण है'** आदि विषयों पर प्रकाशित किया जाएगा। प्रबुद्ध लेखक-लेखिकाएँ अपनी रचनाएँ (लेख, कविता, भजन, कहानी, लघुकथाएँ) 1000-1100 शब्दों में समाहित करते हुए अपनी रचनाएँ शीघ्रातिशीघ्र मो.नं. **9314055390** एवं ईमेल : **news@sadhumargi.com** पर हिन्दी व अंग्रेजी में सुन्दर एवं स्पष्ट अक्षरों में अपने नाम, पते व मोबाइल नं. सहित भिजवाएँ। आपकी रचनाओं पर पाठकों से निरन्तर प्रोत्साहन प्राप्त हो रहा है। आपके सहयोग व स्नेह का हम सम्मान करते हुए आभार व्यक्त करते हैं। **-श्रमणोपासक टीम**

गुरु सुदर्शन जन्म शताब्दी वर्ष 4 अप्रैल 2022-2023

संघशास्ता गुरुदेव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. के सुशिष्य तथा गणाधीश तपस्वीराज गुरुदेव श्री प्रकाशचन्दजी म.सा. के गुरुभ्राता संघनायक गुरुदेव शास्त्री श्री पदमचन्दजी म.सा. के उत्तराधिकारी संघ संचालक गुरुदेव श्री नरेशचन्दजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजों के सन् 2022 के घोषित चातुर्मास-

1. शालीमार बाग (दिल्ली)

गणाधीश तपस्वीराज गुरुदेव श्री प्रकाशचन्दजी म.सा., मधुरवक्ता श्री अजयमुनिजी म.सा., श्री सौरभमुनिजी म.सा., श्री दिनेशमुनिजी म.सा., श्री विनीतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-5

पता : एस.एस. जैन सभा, R-11A, B.K. ब्लॉक (क्लब रोड) पश्चिमी शालीमार बाग, दिल्ली-110088

प्रधान : शान्तिकुमार जैन 9711253000, महामंत्री : ईश्वरदास जैन 9212207021

2. रोहतक (संयुक्त) हरियाणा

बहुश्रुत गुरुदेव श्री जयमुनिजी म.सा., परम विचक्षण श्री सत्यप्रकाशमुनिजी म.सा., सेवामूर्ति श्री आदिशमुनिजी म.सा., श्री पीयूषमुनिजी म.सा., श्री प्रणीतमुनिजी म.सा., श्री समकितमुनिजी म.सा., श्री विजयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-7

पता : एस.एस. जैन सभा, विश्वकर्मा नगर, जनता कॉलोनी, काठमण्डी, रोहतक-124001

प्रधान : श्यामलाल जैन 9255548118, महामंत्री : नरेश जैन 9416051812

पता : एस.एस. जैन सभा, रेलवे रोड, रोहतक मण्डी-124001

प्रधान : पवन जैन 9896399091, महामंत्री : विनोद जैन 9355626950

पता : एस.एस. जैन सभा, धोबी गेट, बाबरा मोहल्ला, रोहतक शहर-124001

प्रधान : राजेश जैन 9812017207, महामंत्री : अजित जैन 9215550262

3. पानीपत (संयुक्त) हरियाणा

संघ संचालक मनोहर व्याख्यानी गुरुदेव श्री नरेशचन्द्रजी म.सा., त्याग शिरोमणि राजर्षि श्री राजेन्द्रमुनिजी म.सा., मधुरवक्ता श्री नवीनचन्द्रजी म.सा., श्री नवनीतजी म.सा., श्री निपुणमुनिजी म.सा., श्री नीरजमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-6

पता : एस.एस. जैन सभा, अग्रवाल मण्डी, पानीपत-132103

प्रधान : गौतम जैन 9354916249, महामंत्री : राजेन्द्र जैन 9896123560

पता : एस.एस. जैन सभा, एज्युकेशन सोसायटी, गेट नं. 2, (सामने अंसल मॉल), प्लाट नं. APS-01 अंसल-132103, पानीपत

प्रधान : जगदीश जैन 9896600025, महामंत्री : राजीव जैन 9812900005

4. रोहिणी सै.5, सै.3 एवं वीर अपार्टमैन्ट सै.13 (संयुक्त) दिल्ली

करुणा पुरुष श्री राकेशमुनिजी म.सा., प्रवचन भास्कर श्री अजितमुनिजी म.सा., श्री शीतलमुनिजी म.सा., श्री अखिलमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-4

पता : एस.एस. जैन सभा, B-8/59, C.S.C-3, D.D.A. मार्केट, सैक्टर-5, रोहिणी, दिल्ली-110085

प्रधान : रामनिवास जैन 9811295715, महामंत्री : सुरेश जैन 9818355552

पता : एस.एस. जैन सभा, पॉकेट H-32-34, सैक्टर 3, रोहिणी-110085

जीवनराम जैन 9350044040, राजेश जैन 9810560001, पवन जैन 9811389901

पता : एस.एस. जैन सभा, प्लॉट नं. 28, वीर अपार्टमैंट, सैक्टर-13, रोहिणी-110085

प्रधान : दिनेश जैन 9810000207, महामंत्री : जगदीश जैन 9810795300

5. घरोंडा मण्डी (नजदीक पानीपत, हरियाणा)
तपस्वीराज श्री सुधीरमुनिजी म.सा., श्री पुनीतमुनिजी म.सा., श्री अक्षयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-3
पता : एस.एस. जैन सभा, मण्डी मनीराम, मेन G.T. रोड, घरोंडा-132114 (करनाल)
प्रधान : रामफल जैन 9515753004, महामंत्री : मुकेश जैन 9215750153

6. लैहरागागा, संगरूर (पंजाब)
वात्सल्यमूर्ति श्री नरेन्द्रमुनिजी म.सा., श्री जयंतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-2
पता : एस.एस. जैन सभा, नजदीक सरकारी कन्या विद्यालय, लैहरागागा-148031, संगरूर (पंजाब)
प्रधान : हंसराज जैन 9417078176, महामंत्री : पुनीत 9815372114

7. संगरूर (पंजाब)
कविरत्न श्री सुनीलमुनिजी म.सा., श्री वीरेन्द्रमुनिजी म.सा., श्री अर्हम्मुनिजी म.सा. आदि ठाणा-3
पता : एस.एस. जैन सभा, मैगजीन मोहल्ला, निकट D.E ऑफिस, संगरूर-148001 (पंजाब)
प्रधान : विजयकुमार जैन 9417117540, महामंत्री : सुनील जैन 9417453100

8. सिविल लाइन, हैब्बोवाल, शिवपुरी (संयुक्त), लुधियाना (पंजाब)
कुशलवक्ता श्री मुकेशमुनिजी म.सा., सरलमना श्री श्रीपालमुनिजी म.सा., श्री अतिशयमुनिजी म.सा., श्री निखिलमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-4
पता : एस.एस. जैन सभा, 'महावीर भवन' B 19/552, आत्म मार्ग, निकट फव्वारा चौक, सिविल लाइन्स, लुधियाना-141001 (पंजाब)
प्रधान : अरिदमन जैन 9501233866, महामंत्री : प्रमोद जैन 9814387807
पता : एस.एस. जैन सभा (रजि.), हैब्बोवाल, प्रेमनगर, गली नं. 1, पेट्रोल पम्प के पीछे, लुधियाना-141001 (पंजाब)
प्रधान : पंकज जैन (मालकस) 8557943605, महामंत्री : राजीव जैन (बिल्ला) 9814246017
पता : एस.एस. जैन सभा (रजि.), शिवपुरी, डाकखाने वाली गली, लुधियाना-141001 (पंजाब)
प्रधान : विनीत जैन 9417267311, महामंत्री : राजीव जैन 9888646477

9. ऋषभ विहार, सूर्यनगर, बलबीर नगर (संयुक्त), जमनापार (दिल्ली)
मधुरवक्ता श्री रोहितमुनिजी म.सा., तपस्वी श्री श्रेयांसमुनिजी म.सा., श्री रजतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-3
पता : एस.एस. जैन सभा, भगवान महावीर मार्ग, ऋषभ विहार, कडकड़डूमा, दिल्ली110092
प्रधान : अशोक जैन 9310989999, महामंत्री : अशोक जैन 9953799451
पता : एस.एस. जैन सभा, राठी मिल कम्पाउण्ड, बलबीर नगर, शहादरा, दिल्ली-110032
प्रधान : शिखरचन्द जैन 9899543553, महामंत्री : मदनलाल जैन 9810196621
पता : एस.एस. जैन सभा, A-241/2, निकट काशीराम समुदाय भवन, सूर्यनगर-201011, गाजियाबाद (यू.पी.)
प्रधान : वीरेन्द्रकुमार जैन 9810393816, महामंत्री : नीरज जैन 9871403648

चातुर्मास प्रारंभ	:	13-07-22	पर्युषण प्रारम्भ	:	24-08-22
संवत्सरी महापर्व	:	31-08-22	चातुर्मास सम्पन्न	:	08-11-22

विचारों की उधेड़बुन व्यक्ति को अनिर्णायक बनाए रखती है और परस्पर विरोधी विचार टकराते रहते हैं। दोनों तरह के विचारों के अपने तर्क होते हैं।

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा.

NEWS विविध समाचार

मेवाड़ अंचल

बड़ीसादड़ी। शासन दीपिका साध्वी श्री प्रभावनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-3 का ग्रामानुग्राम विचरण करते हुए 6 जुलाई को पंचायत समिति से समता भवन में मंगल प्रवेश हुआ। प्रवेश के समय संघ, महिला समिति एवं युवा संघ अपनी निर्धारित वेशभूषा में प्रवेश यात्रा में सम्मिलित होते गए। अपार जनसमूह जय-जयकारों से माहौल को गुंजायमान कर रहा था।

प्रवेश के पश्चात् समता प्रवचन हॉल में आयोजित धर्मसभा में शासन दीपिका साध्वी श्री प्रभावनाश्रीजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि गुरु आज्ञा को सर्वोपरि मानकर भवसागर से तिरा जा सकता है। चातुर्मास मिलना पुण्यवानी का उदय है। आपश्रीजी ने श्रावक-श्राविकाओं को रात्रि संवर की प्रेरणा दी। साध्वी श्री चित्तरंजनाश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि हम सभी मिलकर इस चातुर्मास काल में ज्ञान, ध्यान एवं शिविरों के माध्यम से लाभान्वित हों। साध्वी श्री चन्दनाश्रीजी म.सा. ने सुखविपाक सूत्र का स्वाध्याय किया। महिला मण्डल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अध्यक्षजी एवं संरक्षकजी सहित अनेक वक्ताओं ने भावाभिव्यक्ति दी। **-प्रकाशचन्द मेहता**

भदेसर। शासन दीपिका साध्वी श्री पावनश्रीजी म.सा., साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा., साध्वी श्री प्रेक्षाश्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री प्रणतिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 का 9 जुलाई को प्रात: नानेश-रामेश समता भवन में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर संघ की तीनों इकाइयों के पदाधिकारियों सहित अनेक गणमान्यजनों की उपस्थिति रही।

प्रवेश पश्चात् आयोजित धर्मसभा में जिनवाणी का अमृतपान कराते हुए साध्वी श्री प्रेक्षाश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि इस चातुर्मास मैं अधिकाधिक धर्म-ध्यान, त्याग-तप के साथ प्रत्येक सदस्य संघ सेवा में अपना पूरा योगदान देवे। संघ मंत्रीजी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कोषाध्यक्षजी ने बताया कि 18 वर्ष पश्चात् साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा., साध्वी श्री प्रेक्षाश्रीजी म.सा. का पुन: चातुर्मास हमारे संघ को प्राप्त हुआ है, जिससे संघ में हर्षोल्लास का वातावरण बना हुआ है। इस अवसर पर आवरीमाता संघ के सदस्य भी उपस्थित रहे।

-अभयकुमार मोदी

भीलवाड़ा। दीक्षार्थी बहिन सुश्री कविताजी बुच्चा, देशनोक एवं दीक्षार्थी बहिन सुश्री दिव्याजी पारख, गंगाशहर अपने पारिवारिकजनों के साथ यहाँ पधारे। मुमुक्षु बहिनों ने अत्र विराजित सभी चारित्र आत्माओं के दर्शन कर सेवा का लाभ लिया।

दिनांक 28 जून को शंकर समता भवन में प्रात:कालीन प्रार्थना के पश्चात् दोनों मुमुक्षु बहिनों का श्रीसंघ द्वारा अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुमुक्षु बहिनों ने अपने वैराग्य अनुभव बताते हुए दीक्षा प्रसंग पर उदयपुर पधारने की विनती की। समता महिला मंडल ने स्वागत गान द्वारा अभिनंदन किया। अभिनंदन समारोह में संघ की तीनों ईकाईयों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। **-दीपक बेताला**

प्रतापगढ़। चातुर्मासिक स्थापना दिवस 13 जुलाई को महत्तम महोत्सव के शुभारम्भ पर लगभग 75 श्रावक-श्राविकाओं ने सामायिक, 35 सायंकालीन प्रतिक्रमण, 11 उपवास, तेला तप 8 आदि तपस्याएँ सानंद सम्पन्न हुई। **-कमलेश मालू**

बिनोता। शासन दीपिका साध्वीश्री ज्योतिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा-5 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश 6 जुलाई को जय-जयकारों के साथ समता भवन में हुआ। प्रवेश यात्रा में भाई-बहिनों ने उत्साह से भाग लिया। साध्वी श्री सुवर्णाश्रीजी म.सा. ने मंगलाचरण किया।

प्रात: प्रार्थना, प्रवचन, दोपहर में सामूहिक शास्त्र वाचन, बहिनों की संस्कार पाठ्यक्रम की कक्षा आदि चल रहे हैं। एकासन आदि की लड़ी चालू है। प्रवचन में

जैन-अजैन (दिगम्बर, ब्राह्मण, सोनी) आदि सभी भाग लेकर जीवन धन्य बना रहे हैं। **-प्रकाश मूणत**

बीकानेर मारवाड़ अंचल

बीकानेर। श्री साधुमार्गी जैन सेवा समिति के तत्वावधान में 26 जून 2022 को प्रात: 8:45 बजे आयोजित प्रवचन में सर्वप्रथम साध्वी श्री समयाश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि व्यक्ति अकेले किसी भी कार्य को करने में सक्षम नहीं और अगर वहीं संगठन बनाकर उस कार्य को पूर्ण किया जाए तो वो आसानी से पूर्ण हो सकता है। साध्वी श्री पूर्णिमाश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि शास्त्रो में तीर्थंकर देवों को वंदन करने से पूर्व णमो संघस्स यानी संघ को नमस्कार किया गया है।

श्री संजयमुनिजी म.सा. ने संगठन की महिमा का वर्णन करते हुए फरमाया कि संघ परम उपकारी है। हमारे शरीर का हर रोम संघ का ऋणी है। प्रवचन पश्चात् आयोजित समता यात्रा में जैन ध्वज के तले पूर्णत: अनुशासन में सबसे पहले समता संस्कार पाठशाला के बच्चे, साधुमार्गी महिला मंडल, समता बहु मंडल, समता युवा संघ के सदस्य जय-जयकार से भक्तिमय माहौल बनाते हुए चल रहे थे। श्री साधुमार्गी जैन सेवा समिति के सदस्यों का उत्साह दर्शनीय था। यह यात्रा विभिन्न मोहल्लों से होती हुई सेवा सदन में सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान संघ, महिला मंडल, बहु मंडल एवं समता युवा संघ के सभी सदस्य अपनी निर्धारित पोशाकों में थे।

सेवा सदन में श्री साधुमार्गी जैन सेवा समिति की साधारण सभा आयोजित की गई, जिसमें मंच पर संघ के गौरवशाली श्रावक रत्नों सहित संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, स्थानीय संघ अध्यक्ष, मंत्री आदि विराजित थे। सभा का आरंभ मंगलाचरण से हुआ। संघ समर्पणा गान का संगान किया गया।

श्री सुशील जी बैद ने कहा कि बीकानेर चातुर्मास को सफल बनाना है। सभा में चातुर्मास के लोगो का अनावरण किया गया।

चातुर्मास के लिए तप, त्याग, आराधना हेतु 4 श्रेणियाँ निर्धारित की गई, जिसके फोल्डर का अनावरण मंचस्थ महानुभावों ने किया। राम शरणोत्सव चातुर्मास के स्टीकर भी वितरित किए गए। मंत्रीजी ने गत 4 माह के कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

अध्यक्षजी ने सभी कार्यकर्ताओं को संघ कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। **-हेमन्त कुमार सिंगी**

जयपुर ब्यावर अंचल

ब्यावर। शासन दीपक श्री विनयमुनिजी म.सा. के सान्निध्य में लोगस्स साधना शिविर एवं दिशाबोध शिविर का आयोजन समता भवन में किया गया। आपश्रीजी ने फरमाया कि लोग्गस के ध्यान से शरीर के कई केन्द्र सक्रिय होने के साथ-साथ जागृत हो जाते हैं। यह लोक मे प्रकाश करने वाला, धर्म तीर्थ की स्थापना करने वाला, राग-द्वेष को जीतने वाला, कर्म रुपी शत्रु का नाश करने वाला, शरीर के अशुभ परमाणुओं को बाहर निकालने वाला होता है।

दिशाबोध शिविर के समापन पर मुनिश्रीजी ने फरमाया कि दिशाबोध में पहले ज्योति केन्द्र मे जोश विराजमान होता है, दर्शन केन्द्र मे स्फूर्ति व आत्मविकास होता है, ज्ञान केंद्र जाग्रत होने पर ज्ञान प्रकट होने के साथ समकित व विवेक की बुद्धि का विचार और विचारों की शुद्धि होती है। ज्योति केन्द्र सक्रिय होने पर शांति, एकाग्रता और आनंद की अनुभूति होती है। श्रद्धा के साथ आत्मा की शुद्धि के लिए नवपद की आराधना करनी चाहिए, जिससे कर्मनिर्जरा हो सके। इस शिविर में सैकड़ों सदस्यों ने भाग लेकर कर्मों की निर्जरा की।

पर्याय ज्येष्ठ श्री नरेन्द्रमुनिजी म.सा एवं शासन दीपक श्री विनयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-6, शासन दीपिका साध्वी श्री रोशनकँवरजी म.सा. आदि ठाणा 6, शासन दीपिका साध्वी श्री चंचलकँवरजी म.सा. आदि ठाणा-4 के सानिध्य में चातुर्मास स्थापना पर **'महत्तम महोत्सव'** का शुभारंभ संघ की तीनों इकाइयों के

पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

शासन दीपक श्री विनयमुनिजी म.सा. ने भजन ''सुनो सुनो रे ब्यावरवासी, हम आए हैं संत प्रवासी'' के साथ फरमाया कि पर्व लौकिक एवं लोकोत्तर दो प्रकार के होते हैं। लोकोत्तर पर्व सोयी चेतना को जगाने व आत्मा को संवारने के लिए आते हैं। आज महत्वपूर्ण चौमासी पर्व है।

श्री मधुरमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि धर्म दो जगह होता है एक धर्म स्थानक में और दूसरे देव स्थानक में। एक में स्वयं चलकर आते हैं और दूसरे में जबरदस्ती लाते हैं। भगवान कहते हैं कि मेरी कितनी भी माला फेरो पर तारने वाले तुम्हारे कर्म ही हैं। **-नौरतमल बाबेल**

मध्यप्रदेश अंचल

मन्दसौर। पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री कस्तूरकँवरजी म.सा. के सानिध्य में 13 जुलाई को महत्तम महोत्सव का शुभारंभ नवकार महामंत्र जाप, रामेश चालीसा, प्रस्तावना आदि के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रवचन एवं महत्तम महोत्सव के बैनर का लोकार्पण स्थानीय संघ, महिला समिति एवं युवा संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने किया।

खिरकिया। शासन दीपिका साध्वी श्री दर्शनाश्रीजी म.सा., साध्वी श्री रिद्धप्रभाश्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री प्रतिक्षाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-3 का छिंपावड़ से समता भवन में मंगल प्रवेश हुआ। समता भवन में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री प्रतिक्षाश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि वीतरागी बनने के लिए सम्यक् आराधना की आवश्यकता होती हैं। हम सभी का मुख्य उद्देश्य वीतरागता को प्राप्त करना है। आपश्रीजी ने इस चातुर्मास का नामकरण ''जीवन परिवर्तन महोत्सव'' किया। इस अवसर पर समता संस्कार पाठशाला के बच्चों ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी तथा प्रेरणीय मुक्तकों से अभिनव संदेश दिया।

समता महिला मंडल एवं महावीर महिला मंडल ने सामूहिक गुरुभक्ति गुणगान किया। इस अवसर पर हरदा, गुड़ी, पाडलिया, छनेरा, चारुवा, बाबई आदि अनेक क्षेत्रों के श्रावक-श्राविकाओं एवं गुरुभक्तों के साथ खिरकिया संघ के सैंकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

चातुर्मासिक स्थापना दिवस पर साध्वी श्री प्रतिक्षाश्रीजी म.सा. ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए फरमाया कि चातुर्मास की स्थापना आषाढ़ी पूर्णिमा को ही की जाती है, क्योंकि इस दिन आरे का परिवर्तन होता है। चातुर्मास में तप, त्याग, ज्ञान- ध्यान, स्वाध्याय आदि करके अपने जीवन को परिवर्तित करें, यही चातुर्मास की सार्थकता होगी। गुरु हमारे मार्गदर्शक होते हैं। उनकी दृष्टि विशाल होती है। गुरुकृपा से ही हमारी बंद किस्मत के सारे रास्ते खुल जाते हैं। जिनके जीवन में गुरु नहीं उनका जीवन शुरू नहीं।

आचार्य श्री रामलालजी म.सा. के 50वें दीक्षा दिवस को आचार्य रामेश सुवर्ण दीक्षा महोत्सव ''महत्तम महोत्सव'' का आगाज सैंकड़ों श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति में नवकार महामंत्र जाप, रामेश चालीसा आदि के साथ मनाया गया। कांताजी रांका, कुसुमलताजी भंडारी, मधुबालाजी मेहता, उज्ज्वलाजी बाफना, कु. दीक्षिता धर्मेंद्रजी भंडारी, मोहनजी सोनी, आशीषजी समदड़िया ने तेला तथा स्मिताजी रांका ने 4 उपवास कर अनुपम भेंट दी। **-आशीष समदड़िया**

छत्तीसगढ़ उड़ीसा अंचल

दुर्ग। शासन दीपक श्री अक्षयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-8 तथा शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा-8 के सानिध्य एवं श्री साधुमार्गी जैन संघ के तत्वावधान में 3 जून को आरोहण शिविर प्रारंभ हुआ, जिसमें भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा से 13-25 वर्ष तक के लगभग 400 बच्चे आए, लेकिन शिविर से पूर्व चयन में श्री सौरभमुनिजी म.सा., श्री हर्षितमुनिजी म.सा., श्री धीरजमुनिजी म.सा. एवं साध्वी

श्री समियाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-3 द्वारा साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार पश्चात् लगभग 200 बच्चों का शिविर हेतु चयन हुआ।

शिविर के लिए निम्न नियम निर्धारित किए गए- 1. शिविर में मोबाइल का त्याग, 2. प्रतिदिन 9 सामायिक, रात्रिभोजन का त्याग एवं नवकारसी, पौरसी आदि, 3. संवर एवं स्नान का त्याग जरूरी नहीं, 4. सचित्त का त्याग, 5. शिविर परिसर में ही रहना। इसके अलावा बहुत से बच्चों ने चप्पल का त्याग, 8 द्रव्यों का मर्यादा, बियासना, एकासना, उपवास, संवर आदि अनेक तप किए। भावेश सांखला ने तेला, सृष्टि बैद, दृष्टि बैद और राजुल दुग्गड़ ने बेला, रचितजी चौरड़िया ने एकान्तर तप किया। तीन ग्रुप में लगे इस शिविर में प्रतिदिन 8 कक्षाएँ, प्रार्थना, एक्टिविटी आदि हुए।

शासन दीपक श्री अक्षयमुनिजी म.सा. ने जनरल नॉलेज, श्री हेमन्तमुनिजी म.सा. ने परम कल्याण के 40 बोल, श्री हर्षितमुनिजी म.सा. ने कॉमन क्लास, एवं जैन हिस्ट्री, श्री सौरभमुनिजी म.सा. ने श्रावकाचार, श्री दिव्यदर्शनमुनिजी म.सा. ने श्रावकाचार, श्री दिनेशमुनिजी म.सा. ने प्रार्थना, साध्वी श्री सुमेरूश्रीजी म.सा.,साध्वी श्री समियाश्रीजी म.सा. ने जैन लाईफ स्टाइल, साध्वी श्री कामनाश्रीजी म.सा. ने श्रमणाचार, साध्वी श्री मृदुलप्रज्ञाजी म.सा. ने श्रमणाचार, साध्वी श्री सुधृतिश्रीजी म.सा. ने लोक आदि का ज्ञानार्जन करवाया।

शिविर के 8वें दिन शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांताजी म.सा. आदि ठाणा-3 तथा शासन दीपिका साध्वी श्री रजतमणिजी म.सा. आदि ठाणा-3 का मंगल प्रवेश हुआ।

शिविर समापन 12 जून को चतुर्विध संघ की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर अंचल के अनेक क्षेत्रों से गुरुभक्तों का आगमन हुआ। बच्चों ने शुद्ध सामायिक, विनय-विवेकपूर्वक जीवन जीना, समता सर्व मंगल, समता शाखा, समता सुप्रभातम्, जन्मदिन कैसे मनाएँ, माँसाहार होटल में पानी भी न पीना, नो इन्टरकास्ट मैरिज, शिविर के नित्य नियम आदि विषयों पर शानदार प्रस्तुति दी।

श्री महाकौशल शिविर ट्रस्ट छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल, श्री साधुमार्गी जैन संघ तथा श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ का विशेष योगदान रहा।

समापन दिवस पर दानवीर परम गुरुभक्त मदनलालजी गौतमचंदजी ओमप्रकाशजी सांखला परिवार द्वारा समता भवन हेतु 6000 वर्ग फुट भूमि श्री साधुमार्गी जैन संघ दुर्ग को दान स्वरूप प्रदान की।

शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभाजी म.सा., साध्वी श्री सुमेरूश्रीजी म.सा., साध्वी श्री चन्द्रिकाश्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री नियतयशाश्रीजी म.सा. के सान्निध्य में 13 जुलाई को महत्तम महोत्सव का शुभारंभ संघ संरक्षकजी, अध्यक्षजी, महिला समिति अध्यक्ष-मंत्री, युवा संघ अध्यक्ष-मंत्री सहित अनेक गणमान्यजनो के करकमलों से समता भवन में किया गया।

साध्वीवृन्द ने परमश्रद्धेय आचार्य प्रवर श्री रामलालजी म.सा. के दीक्षा प्रसंग की रोचक जानकारी प्रवचन के माध्यम से सभा में रखी एवं महत्तम महोत्सव के सभी 9 प्रकल्पों का विस्तृत विवेचन सभा के समक्ष रखते हुए सभी से इस सुवर्ण दीक्षा महोत्सव से जुड़ने का आह्वान किया। गुरुचरणों में भेंट स्वरूप अठाई सहित लगभग 35 तेला तप के प्रत्याख्यान साध्वीश्रीजी ने करवाए। अन्य अनेक छोटी-बड़ी तपस्याओं का क्रम निरन्तर जारी है। **-प्रदीप बोथरा**

शहादा। पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री सुवासश्रीजी म.सा., शासन दीपिका साध्वी श्री शृंगारश्रीजी म.सा. आदि ठाणा का वर्षावास हेतु समता भवन में मंगल प्रवेश हुआ। प्रवेश पर श्री साधुमार्गी जैन संघ, समता महिला मंडल, समता युवा संघ, आलोयणा महिला मंडल, बालिका मंडल आदि ने स्वागत गीत एवं अभिव्यक्ति

दी। साध्वी श्री सुवासश्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री शृंगारश्रीजी म.सा. ने आचार्य भगवन् की आज्ञा-पालन को सर्वोत्तम बताते हुए चातुर्मास में ज्ञान-ध्यान, तप-जप से अपनी आत्मा को भावित करने की प्रेरणा दी। इस प्रसंग पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित थे।

-बनेचन्द बोथरा

रायपुर। शासन दीपक श्री अक्षयमुनिजी म.सा. ने जैन संदीप भवन में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए भजन ''सर्वज्ञ सर्वदर्शी प्रभु महावीर के चरणों में रहूँ हर दम'' के साथ फरमाया कि धर्ममय जीवन जीने वाले व्यक्तित्व में परमात्मा नजर आते हैं। प्रभु से नाता जोड़कर तो देखो। **-अशोक सुराणा**

कर्नाटक आन्ध्रप्रदेश अंचल

बेंगलूरु। शासन दीपिका साध्वी दिव्यदेशनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा का 11 जुलाई को प्रात: सुरेशकमारजी नरेन्द्रकुमारजी पोखरना, विजयनगर के निवास स्थान ''नानेश कृपा'' से आरपीसी लेआऊट स्थित समता भवन में चातुर्मासार्थ मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्रीजी ने फरमाया कि हम योजना बनाएं कि चातुर्मास काल में हम हमारी आत्मा को विकारों से मुक्त बनाएंगे। हम हर आत्मा को अपनी आत्मा जैसा समझें और किसी भी जीव को कष्ट नहीं पहुँचाएं। साध्वीश्री ने चातुर्मास काल में विभिन्न प्रकार की तप आराधनाओं की प्रेरणा दी। साध्वीश्री दिव्यदेशनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा ने गुरुभक्ति गीतिका से वातावरण भक्तिपूर्ण बना दिया। समता महिला संघ की ओर से पंच परमेष्ठी वन्दना प्रस्तुत की गई।

श्री साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्षजी ने जिनवाणी धर्म प्रेरणा का अधिकाधिक लाभ उठाने का निवेदन किया। संघ मार्गदर्शक ने कहा कि आचार्य रामेश ने ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप से दैदीप्यमान चार रत्न साध्वीश्री का चातुर्मास हमें प्रदान किया है। संघ मंत्रीजी ने 'महत्तम महोत्सव' की जानकारी दी। अन्य अनेक जनों ने भी अपने भाव गद्य-पद्य में व्यक्त किए। इस अवसर पर संघ शिखर सदस्य, महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक, चातुर्मास संयोजक, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विजयनगर के अध्यक्ष आदि पदाधिकारियों सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। **-अशोक नागौरी**

तमिलनाडु अंचल

चैन्नई- श्री साधुमार्गी जैन संघ की आमसभा 10-4-2022 को श्री नवरत्नमलजी कांकरिया की अध्यक्षता में समता भवन कोंडीतोप में हुई, जिसमें रतनलालजी रांका को सर्वानुमति से सन् 2022-24 के लिए अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। नव मनोनीत अध्यक्षजी ने निम्नलिखित पदाधिकारियों आदि की घोषणा की- उपाध्यक्ष- सुनीलजी खेतपालिया, दीपचंदजी लुणिया, सुगनचंदजी बरड़िया, अशोकजी डागा, मंत्री- कन्हैयालालजी झाम्बर, सहमंत्री- अनिलचंदजी कोठारी, कोषाध्यक्ष- मांगीलालजी छल्लाणी एवं 36 कार्यकारिणी सदस्य। **-कन्हैयालाल झाम्बर**

वेलचौरी। शासन दीपिका साध्वी श्री समीहाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 का चैन्नई के उपनगरों में प्रवास हुआ। वेलचौरी संघ में 25 से 30 मई तक साध्वीवृन्द के सानिध्य में 14 वर्ष से ऊपर की बालिकाओं का पाँच दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। 43 डिग्री गर्मी में भी लगभग 40 बालिकाओं ने पूर्णकालिक शिविर में भाग लिया। वेलचेरी संघ एवं अन्य अनेक परिवारों की सेवाएँ प्रशंसनीय रही। 5 जून को जैन सिद्धांत के अर्थ एवं मूल की परीक्षा में लगभग 140 श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया।

-निहाल चंद कोठारी

केन्द्रीय पदाधिकारियों का प्रवास सम्पन्न

कपासन में संघ संगठन हेतु आंचलिक सम्मेलन

कपासन। दिनांक 1 जून 2022 को राष्ट्रीय अध्यक्षजी की गरिमामय उपस्थिति के मध्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोकजी चण्डालिया व राष्ट्रीय मंत्री श्री सोहनलालजी पोखरना की उपस्थिति में मेवाड़ अचंल के सभी स्थानीय संघों के अध्यक्ष व मंत्रीगणों के साथ आंचलिक सम्मेलन का आयोजन हुआ। मंत्रीजी ने बताया कि विगत समय में अंचल के चित्तौड़गढ़, बड़ीसादड़ी, भीण्डर, कानोड़, निकुम्भ, चिकारड़ा, बम्बोरा, सतखण्डा, धागड़मऊ में समता संस्कार शिविरों का आयोजन हुआ, जिसमें 508 शिविरार्थियों ने भाग लिया। समता संस्कार पाठशालाओं के पुनर्संचालन व नियमितिकरण, इदं न मम् से जोड़ना, ग्लोबल कार्ड के कार्य को पूर्ण करवाने आदि विषयों पर सामूहिक चर्चा हुई। सम्मेलन में स्थानीय संघों की गतिविधियों एवं विभिन्न आयामों की प्रगति के प्रस्तुतिकरण के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल में चार दिवसीय प्रवास

रायपुर, 23 से 26 जून 2022। समता धाड़ीवाल ज्ञान भवन में विराजित शासन दीपक श्री अक्षयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वंदन उपरांत केन्द्रीय प्रवास टीम का छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल का 4 दिवसीय प्रवास प्रारंभ हुआ। प्रवास यात्रा रायपुर से प्रारंभ होकर कोण्डागांव, जगदलपुर, मल्कानगिरि, सुकमा, गीदम, नारायणपुर, सम्बलपुर राजनांदगांव होते हुए खैरागढ़ में मुमुक्षु बहिनों सुश्री सिद्धिजी नाहर व सुश्री यशस्वीजी ढ़ेलड़िया के दीक्षा अभिनंदन कार्यक्रम में सहभागिता के साथ पूर्ण हुई। केन्द्रीय प्रवास टीम के साथ आंचलिक उपाध्यक्ष अनिलजी पारख, मंत्री नवीनजी देशलहरा, गंभीरजी सांखला एवं मदनजी पारख की प्रवास के दौरान सक्रिय सहभागिता रही। रायपुर में धनराजजी बैद की धर्मसहायिका श्रीमती मनोरमाजी बैद, कोण्डागांव में श्रीमती सुन्दरबाई विजयलालजी कोटड़िया, सुकमा में विजयजी नाहटा, गीदम में विमलचंदजी सुराणा ने तथा सम्बलपुर में संदीपजी ऊषाजी गुणधर की 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में माताजी श्रीमती इन्द्राजी गुणधर ने महाप्रभावक सदस्यता, नारायणपुर में जंवरीलालजी चौरड़िया ने विहार सेवा संयोजन सदस्यता हेतु सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास के दौरान 25 महानुभावों ने इदं न मम् में सहयोग हेतु अपनी स्वीकृति दी तथा विभिन्न संघ सदस्यों व युवा साथियों ने संघ प्रवृत्तियों की प्रभावना में योगदान हेतु स्व-दायित्व लेते हुए अपनी सहमति प्रदान की। प्रवास टीम द्वारा स्थानीय संघ के साथ बैठक में आचार्य भगवन् के विभिन्न आयामों व इदं न मम्, समता भवन, ग्लोबल कार्ड, समता प्रभातम्, समता सर्व मंगल आदि संघ प्रवृत्तियों की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान गीदम से नारायणपुर जाते समय रास्ते में अंतागढ़ में वीर पिता मंगलचंदजी टाटिया व भानपुरी में वीर नाना श्री जीवनलालजी पारख से स्नेहमिलन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गीदम में समता चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया।

राजनांदगांव में श्रीमती झंकारदेवी बैद की प्रेरणा से किशोरजी बैद, विनयजी बैद एवं बैद परिवार द्वारा जीवनचंद, भंवरलाल, इंदरचंद एवं राजकुमार बैद की पुण्यस्मृति में नवनिर्मित जीवन समता, बहुमंजिला भवन के उद्घाटन का कार्यक्रम संपन्न हुआ तथा बैद परिवार द्वारा उक्त समता भवन को आध्यात्मिक कार्यों यथा चातुर्मास, सामाजिक प्रवचन, प्रतिक्रमण, शिविर, धार्मिक पाठशाला इत्यादि के संचालन हेतु श्री अ.भा.सा. जैन संघ को समर्पित किया गया। समता भवन उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष प्रतीकजी सूर्या, संघ शिखर सदस्य एवं स्थायी संपत्ति संवर्द्धन समिति के संयोजक विमलजी सिपानी की भी उपस्थिति रही।

प्रवास के दौरान विभिन्न स्थानों पर विराजित चारित्रात्माओं के दर्शन-वंदन के लाभ प्राप्ति के साथ-साथ सभी को संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया गया। **-राष्ट्रीय महामंत्री**

विविध भेंट मार्फत

01 जून 2022 से 30 जून 2022

संघ सदस्यों द्वारा समय-समय पर संघ की विभिन्न गतिविधियों में आर्थिक सहयोग हेतु भेंट प्रदान की जाती है जिससे विभिन्न गतिविधियाँ, प्रवृत्तियाँ निर्विघ्न गतिमान रहे इसी कड़ी में विभिन्न प्रवृत्तियों में निम्न उदार महानुभावों के सौजन्य से प्राप्त भेंट का उल्लेख आपके समक्ष है।

संघ महाप्रभावक सदस्यता भेंट

2,20,000/- राजीवजी सूर्या-उज्जैन

समता भवन निर्माण प्रवृत्ति

(चिकलाकसा हेतु)

22,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त केशरीचंदजी भूरा-दिल्ली, कुसुमकुमारजी जेठमलजी सेठिया परिवार-भीनासर

(धूले हेतु)

22,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त केशरीचंदजी भूरा-दिल्ली, कुसुमकुमारजी जेठमलजी सेठिया परिवार-भीनासर

(हावड़ा हेतु)

40,61,000/- श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ, साधुमार्गी समता युवा संघ, साधुमार्गी महिला समिति -हावड़ा

(कांकरोली हेतु)

50,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त केशरीचंदजी भूरा-दिल्ली, कुसुमकुमारजी जेठमलजी सेठिया परिवार-भीनासर

(लूणकरणसर हेतु)

1,00,000/- जेठीदेवी कुमुददेवी सिपानी-बैंगलोर

1,00,000/- जेठीदेवी शांतिदेवी सिपानी-बैंगलोर

1,00,000/- छाऊदेवी दूल्हेराजजी रांका ट्रस्ट-जयनगर/मुम्बई

51,000/- छत्तरमलजी बरड़िया-सरदारशहर

50,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त केशरीचंदजी भूरा-दिल्ली, कुसुमकुमारजी जेठमलजी सेठिया परिवार-भीनासर

(शिरपुर हेतु)

50,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त केशरीचंदजी भूरा-दिल्ली, कुसुमकुमारजी जेठमलजी सेठिया परिवार-भीनासर

(शिंदखेड़ा हेतु)

50,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त केशरीचंदजी भूरा-दिल्ली, कुसुमकुमारजी जेठमलजी सेठिया परिवार-भीनासर

साधुमार्गी पब्लिकेशन सहयोग

1,000/- सुरेन्द्रकुमारजी सम्पत्तलालजी डागा

महत्तम महोत्सव

5,00,000/- सुनीलजी बम्ब-टोंक

1,00,00/- मनोजकुमारजी सम्पत्तलालजी डागा-हावड़ा

51,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त सोहनलालजी पोखरना-चित्तौड़गढ़, डोंगरमलजी इंदरचंदजी देशरड़ा-जलगाँव

इदं न मम्

5,50,000/- छाऊदेवी दूल्हेराज रांका ट्रस्ट-जयनगर/मुम्बई

5,00,000/- अशोककुमारजी जसकरणजी राजेन्द्रकुमारजी कमलचंदजी सुराणा-बैंगलोर/गंगाशहर

3,00,000/- राजेन्द्रजी हेमलताजी मीनलजी पीयूषजी पर्वजी राजदेवजी निकिताजी सुराणा-रायपुर

1,00,000/- सुन्दरलालजी सिपाणी - बैंगलोर

68,000/- डालीचन्दजी सुराणा - मलकानगिरी

51,000/- नारायणजी सुराणा-मलकानगिरी

21,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त गौतमचंदजी देरासरिया-मैसूर, कन्हैयालालजी शुभमजी सुराणा-मलकानगिरी, हिरालालजी चौरड़िया-मलकानगिरी

11,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त छत्तरमलजी

बरड़िया-सरदारशहर, अजयकुमारजी डागा-कोलकाता/बीकानेर, राज मेडिकोज-बीकानेर, जुगराजजी बोथरा-उदासर/गुवाहटी, संजयजी संचेती-मलकानगिरी, विकासजी संचेती-कोण्डागांव

6,000/- लाभचंदजी मुकेशकुमारजी पोखरना-बेगूं

5,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त मोहनलालजी कांकरिया-नोखा, आसकरणजी भँवरलालजी पींचा-जोरावरपुरा

5,000/- शिरचंदजी उत्तमचंदजी डोसी-देशनोक/कटिहार, मोहनलालजी कोटड़िया-कोण्डागांव, रावलमलजी नाहटा-जगदलपुर

4,200/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त राकेशजी गोलछा-काठमांडू, जेठमलजी सुन्दरलालजी सेठिया-हावड़ा

3,100/- विजयकुमारजी प्रवीणकुमारजी सेठिया-गंगाशहर

2,600/- सुरेन्द्रजी पारख-काठमांडू

2,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त सुभाषचंदजी चौरड़िया-हावड़ा, प्रभादेवी झाबक-फारबिसगंज, धीरेन्द्रजी दुग्गड़-फारबिसगंज, ओमप्रकाशजी डोसी-फारबिसगंज,अमनजी मनीषजी मुणोत-काठमांडू, विजयकुमारजी सुराणा-गीदम, सुरेन्द्रजी पारख-काठमांडू

1,500/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त राजेशकुमारजी बैद-फारबिसगंज, पारसजी पुगलिया-फारबिसगंज

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त नैनेशजी रजनीकांतजी कामदार-अमलनेर, विमलादेवी किशोरजी जैन-नागदा जं., नथमलजी सुराणा-फारबिसगंज, नेमीचन्दजी सुराणा-गीदम, विजयजी सन्तोषजी सुराणा-गीदम, धनराजजी कुशालजी बुरड़-गीदम, रेखचन्दजी मुकेशजी गुलेच्छा-गीदम

1000/- सुशीलजी सरोजजी लूणिया-काठमांडू

555/- कमलाबाई पुखराजजी चौपड़ा-सेलम्बा

500/- रमेशजी संतोषकुमारजी गुलेच्छा-गीदम

जीवदया

1,00,000/- रामकन्याजी चन्द्रप्रकाशजी दिनेशकुमारजी जैन-चौथ का बरवाड़ा

5,100/- लूणकरणजी बोथरा-गुवाहटी (जतनदेवी बोथरा की पुण्यस्मृति में)

21,000/- गुप्तदान-नोखागाँव

5,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त गुप्तदान-अहमदाबाद, सुधीरजी संध्याजी लूणावत-नरसिंहपुर

3,300/- वर्द्धमानजी कटारिया-भीलवाड़ा (केशवी गाँधी, प्रियंका जारोली के जन्मदिवस एवं तपस्या के उपलक्ष्य में)

2,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त इंद्रेशजी कोचर-नई दिल्ली, रोशनलाल विनोदकुमारजी हेमंतकुमारजी कोठारी-चिकारड़ा (स्व. शांतादेवी कोठारी की पुण्यस्मृति में), हीरादेवी रणजीतजी सुजीतजी पींचा-रायपुर (स्व. धनराजजी पींचा की पुण्यस्मृति में)

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त देवचंदजी नवीनकुमारजी सुराणा-देशनोक/गंगाशहर (नूतन गृहप्रवेश के उपलक्ष्य में), सुशीलजी सरोजजी लूणिया-काठमांडू, ललितकुमारजी संजयकुमारजी मुकेशकुमारजी बोहरा-पहुना (स्व. रोशनलालजी बोहरा की पुण्यस्मृति में)

1,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त पुखराजजी सम्पत्तलालजी नवलखा-बारडोली, सुरेन्द्रजी पारख-काठमांडू

832/- राजेशकुमारजी लूणावत-काठमांडू

600/- कैलाशचंदजी जैन-सवाईमाधोपुर

500/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त सिद्धार्थजी गन्ना-(स्व. छगनलालजी गन्ना की पुण्यस्मृति में), पूरनलालजी रामलालजी लोढ़ा-उगत (नवसारी), राजेन्द्रजी मालाजी गोलछा-काठमांडू

दानपेटी

24,500/- कुमुददेवी श्रद्धाजी सिपानी-बैंगलोर

20,000/- विमलाजी कमलजी सिपानी-बैंगलोर

8,000/- राहिलजी सिपानी-बैंगलोर

1,352/- माणकचंदजी डागा-बैंगलोर

1,250/- कैलाशचंदजी जैन-सवाईमाधोपुर

समता सरिता सेवा/विहार सेवा

21,000/- जवेरजी छबिलदासजी सोमानी-खड़गपुर

15,000/- गुप्तदान-नोखागाँव

11,000/- कुशालचंदजी ऋषभजी मेहता-बालाघाट

1,100/- रचितजी सेठिया-कोलकाता

सर्वधर्मी सहयोग (महिला समिति)

15,000/- गुप्तदान-नोखागाँव

2,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त सज्जनबाई बोहरा-ब्यावर, चूकीबाई बोरूंदिया-ब्यावर, प्रेमचंदजी बोरूंदिया-ब्यावर, रतनबाई नाबेड़ा-ब्यावर

1,100/- प्रेमबाईजी ललवानी-ब्यावर

1,000/- अशोककुमारजी बोरूंदिया-ब्यावर

500/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त उत्तमचंदजी चौधरी-ब्यावर, प्रेमबाई चौधरी-ब्यावर, मनीषजी चौधरी-ब्यावर, सोनूजी चौधरी-ब्यावर

श्रमणोपासक भेंट

21,000/- नीलूजी महावीरकुमारजी मेहता-बैंगलोर (शिवानी संग आशीष के शुभ विवाह के उपलक्ष्य में)

13,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त विजयकुमारजी गोलछा-बीकानेर (वीरमाता स्व. कमलादेवी गोलछा की पुण्यस्मृति में), गुप्तदान-दिल्ली, रमेशजी हेमंतजी नाहटा-मुम्बई (स्व. सूरजदेवी नाहटा की पुण्यस्मृति में)

5,500/- आरूग्गबोहिलाभं-भीनासर

2,100/- मनीषजी कटारिया-रतलाम (स्व. चंदनबालाजी रतनलालजी कटारिया की पुण्यस्मृति में)

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त भँवरलालजी नानालालजी प्रकाशचंदजी राजमलजी भंसाली-आवरीमाता, माणकचंदजी जैन-जयपुर (चि. मनोजकुमार पुत्र माणकचंदजी जैन संग सौ.का. मधु पुत्री महावीरप्रसादजी जैन-चौथ का बरवाड़ा के शुभ विवाह के उपलक्ष्य में), विमलादेवी कोठारी-तूरा

1,000/- धर्मचंदजी कोठारी-तूरा

500/- कैलाशचंदजी जैन-सवाईमाधोपुर

501/- पूनमचंदजी लोढ़ा-बालोतरा (स्व. अमरीदेवी लोढ़ा-नोखा की पुण्यस्मृति में)

श्रुत सहयोगी

51,000/- अनुपमाजी सुनीलजी जैन-इंदौर

संघ सहयोग

51,000/- विमलादेवीजी झमकलालजी गांधी-रतलाम

: विशेष :

श्रमणोपासक आजीवन सदस्यता : 56

01 अप्रैल 2022 से 30 जून 2022 तक

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के बैंक खाते में अधोलिखित राशियाँ विभिन्न दानदाताओं ने जमा करवाई हैं, लेकिन कार्यालय को जमाकर्त्ता के नाम एवं किस मद हेतु राशि जमा की गई, जिसकी सूचना प्राप्त न होने से ये राशियाँ संघ के सस्पेंस खाते में संयोजित हैं। अत: जिन दानदाताओं ने राशि के सामने अंकित दिनांक को ये राशियाँ जमा करवाई हैं, वे केन्द्रीय कार्यालय, बीकानेर को मोबाइल नम्बर 7976520588 पर सूचित कर अपनी पक्की रसीद अतिशीघ्र ही प्राप्त करें।

दिनांक	राशि	अन्य विवरण
एस.बी.आई. बैंक		
18.04.22	7950/-	Cheque No. 439337
10.05.22	3100/-	नकद
11.05.22	5000/-	CDM
यूको बैंक		
30.05.22	3500/-	नकद

उपरोक्त भेंट दाताओं का श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा आभार व्यक्त किया जाता है आप इसी तरह संघ के उत्थान में अपना योगदान बनाए रखें। -जय जिनेन्द्र!

चिंतन की कड़ियाँ

सफलता का बीजमंत्र

अच्छे कार्यो के प्रति उत्साह रखना चाहिये। उत्साह के साथ-साथ विवक्षित कार्य के प्रति उतना समर्पित भी रहना चाहिये। जिस कार्य में हम सफलता प्राप्त करना चाहते है, उस कार्य के लिए मनसा-वाचा-कर्मणा सक्रिय हो जाना चाहिये। **-आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.**

आंचलिक रिपोर्ट

सभी क्षेत्रों में चारित्रात्माएँ सुख-सातापूर्वक विराजमान हैं।

संगठन

अंचल का नाम	ऑफर के दौरान बने नए सदस्य	महिला समिति की नई सदस्य बनाने के लिए स्पॉन्सर द्वारा प्राप्त धन राशि
मेवाड़ अंचल	142	1,00,000
बीकानेर-मारवाड़ अंचल	140	16,000
जयपुर-ब्यावर अंचल	41	10,000
मध्यप्रदेश अंचल	213	44,500
छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल	344	-
कनार्टक-आन्ध्रप्रदेश अंचल	61	66,000
तमिलनाडू अंचल	-	11,000
मुम्बई-गुजरात अंचल	39	11,000
महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश अंचल	345	76,301
बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान अंचल	38	10,000
पूर्वोत्तर अंचल	52	13,000
दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश अंचल	11	.
कुल	**1426**	**3,57,801**
ऑफर में बने सदस्यों से प्राप्त राशि		**3,62,250**
स्पॉन्सर द्वारा प्राप्त राशि		**3,57,801**
कुल प्राप्त राशि		**7,20,051**

संघ स्वागतम् :- हर अंचल में साधुमार्गी परिवार की नवविवाहित बहुओं का स्वागत महिला मण्ड़ल द्वारा किया जा रहा है। उनको सामायिक किट, उपकरण, प्रतिक्रमण, क्षमासूत्र की पुस्तक आदि प्रदान करके मेंबर बनाया जा रहा है। मंडल की सारी गतिविधियां उनको समझाई जा रही है और मंडल में जुड़ने की प्रेरणा दी जा रही है ताकि वह आगे आकर मण्ड़ल से जुडे व अपनी प्रतिभा निखार सके।

केसरिया कार्यशाला

श्री भगवती सूत्र शतक दूसरा उद्धेशक पाँचवां के आधार से ''सवणे णाणे'' का थोकडा है। विगत 10 महिनों में ''केसरिया कार्यशाला'' ने ''सवणे णाणे'' थोकडे को ज्ञान-ध्यान की दृष्टि से प्रस्तुतत करने का एक सुंदर प्रयास किया है। आइए देखे अब तक का सफर.....

गणधर गौतम ने भगवान महावीर से पर्युपासना का फल पूछा तो भगवान ने ''सवणे णाणे'' का अर्थ फरमाया, सो कहते हैं-

''सवणे णाणे य विण्णाणे, पच्चक्खाणे य संजमे ।
अणण्हये तवे चेव, वोदाणे अकिरिया सिद्धी ।।''

1. भंते ! श्रमण माहण की पर्युपासना करने वाले पुरूष को उसकी पर्युपासना (सेवा) का क्या फल मिलता है ?

गौतम ! श्रवण फल मिलता है अर्थात सत्शास्त्रों का सुनना मिलता है।

''महापुरुषो के सुन ले जो कथन ते संवर जाए जग-जीवन''

कार्यशाला : श्री सुखविपाक सूत्र के सुबाहुकुमार का वर्णन का कथन श्रवण कर उस पर आधारित मौखिक प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

2. भंते ! श्रवण का क्या फल है ?

गौतम ! श्रवण का फल ज्ञान है ।

''पर्युपासना करने से होता है कल्याण। श्रवण मात्र से बढ़ जाए अंतस्थ ज्ञान।।''

कार्यशाला : कोरोना काल में पी.पी.टी. के माध्यम से 63 श्लाघनीय पुरुषों का वर्णन, आर्यक्षेत्र की जानकारी, 32 आगमों का उल्लेख तथा काल की जानकारी बहुत ही रोचक तरीके से समझाई गई थी।

3. भंते ! ज्ञान का क्या फल है ?

गौतम ! ज्ञान का फल विज्ञान (विवेचन पूर्वक ज्ञान) है।

''सीखे हुए ज्ञान का जब करते हम उपयोग
विज्ञान का लाभ लेकर निखरते सब सहयोग''

कार्यशाला : द्रव्य, क्षेत्र, काल तथा भाव पर आधारित पेपर गेम खेलाया गया था। यह भी 63 श्लाघनीय पुरूष, 32 आगम, आर्यक्षेत्र तथा काल की विस्तृत जानकारी पर आधारित थी।

4. भंते ! विज्ञान का क्या फल है ?

गौतम ! विज्ञान का फल पच्चक्खाण है ।

''विज्ञान से मिली पच्चक्खाण करने की राह
विधि पच्चक्खाण की जानकर बढ़ी 14 नियम की चाह''

कार्यशाला : 14 नियम पर आधारित ज्ञानवर्द्धक खेल जैसे मुझे पहचानो, जोडी बनाना आदि आयोजित किए गए।

5. भंते ! पच्चक्खाण का क्या फल है ?

गौतम ! पच्चक्खाण का फल संयम है ।

''पच्चक्खाण से आये संयम के द्वारे लेकर संयम, कर्मो को दूर निवारे''

कार्यशाला : संयमी आत्माएँ जैसे गजसुकुमाल, चंदनबाला, बाहुबली आदि जैसे वेशभूषा धारण कर श्राविकाओं ने बड़ी ही रचनात्मक प्रस्तुति दी ।

6. भंते ! संयम का क्या फल है ?

गौतम ! संयम का फल अनाश्रव है ।

''सयंम में रमा जब मन तो अनाश्रव से रोके कर्मो का घन''

कार्यशाला : विज्ञापन रूप में 8 कर्मो को समझाया गया तथा न्यूज रीडर की भांति 8 कर्मो को कैसे बांधते है, को बहुत ही अनुठे रूप में प्रस्तुत किया गया।

7. भंते ! अनाश्रव का क्या फल है ?

गौतम ! अनाश्रव का फल तप है ।

''अनाश्रव का सहारा मिला रूके आते कर्म
तप करके करले अब निर्जरा, सफल करें जीवन
तप कर ही माटी भी बनती कुंदन''

कार्यशाला : तप को दो भागो में बांटा गया है- **1. बाह्य तप 2. आभ्यन्तर तप**

बाह्य तप को समझाने के लिए श्री अंतगढ़ सूत्र में उल्लेखित काली सुकाली आदि महारानियों द्वारा किये गये विशिष्ट तप के आधार पर श्राविकाओं द्वारा खुद की पसंन्द की माला बनाकर लोगस्स की माला फेरने का आयोजन किया गया।

आभ्यन्तर तप जैसे प्रायश्चित, विनय, वैयावृत्य, स्वाध्याय, ध्यान तथा व्युत्सर्ग को समझाने हेतु ज्ञानवर्धक व रूचिकर खेल खेलाए गए।

8. भंते ! तप का क्या फल है ?

गौतम ! तप का फल वोदाण (कर्मो का नाश) है ।

''वोदाण में कर्मो का नाश किया 12 भावनाओं के मंथन से
स्वयं आप बीती व धर्म कथा के कथन से''

कार्यशाला : 12 भावनाओं का मंथन कर जो घटना स्वयं के साथ घटित हुई व धर्म कथा का कथन कर, 'वोदाण' की गतिविधि द्वारा सम्पूर्ण की ।

9. भंते ! वोदाण का क्या फल है ?

गौतम ! वोदाण का फल अक्रिया (निष्क्रियता-क्रिया रहित होना) है ।

''कर्मो का कर नाश लेगें अक्रिया में वास''

कार्यशाला : ध्यान साधना का अभ्यास करवाकर अक्रिय रहने की विधि बहुत ही सरल तरीके से सिखाई गई।

10. भंते ! अक्रिया का क्या फल है ?

गौतम ! अक्रिया का फल सिद्धि है ।

''सवणे णाणे के सफर से, भगवान के फरमाये ड़गर से
मिल जाए हम सभी को सिद्धी इस सफर से''

कार्यशाला : अंतिम पड़ाव 'सिद्धी' में 24 तीर्थंकर भगवंतो की स्तुति, चौबीसी तथा सिद्ध भगवान के गुणगान से भक्तिमय भजन आराधना द्वारा सम्पन्न की गई ।

युवती शक्ति– आगामी गतिविधि–श्रावक के 12 व्रत पर आधारित होनी संभावित है।

वुमन्स मोटिवेशनल फोरम

चातुर्मास से पहले कर ली तैयारी, महका दे मोक्ष की फुलवारी ।
तप से क्षय होते कर्म भारी, दी गई 'तप और पारणा' की सटीक जानकारी ।।

दान, शील, तप और भाव मोक्षमार्ग की चार सीढ़ियां है। अहोदानम्–सुपात्रदानम् से 'दान' की तथा 16 सतियों की जीवनगाथा और ''भक्ति से अभिव्यक्ति तक'' द्वारा 'शील' की सीढ़ियां चढ़ते हुए श्री अ.भा.वुमन्स मोटिवेशनल फॉरम आगे बढ़ा है 'तप' की ओर ।

छः बाह्य तप :– अनशन, अवमोदरिका (ऊनोदरी), भिक्षाचर्या, रसपरित्याग, कायक्लेश, प्रतिसंलीनता।

छः अभ्यंतर तप :– प्रायश्चित, विनय, वैयावृत्य, स्वाध्याय, ध्यान और व्युत्सर्ग ।

''तप और पारणा'' पर आधारित गतिविधि के अन्तर्गत 12 अंचल द्वारा 12 तप पर वीडियों द्वारा प्रस्तुति दी गई। 12 अंचलों से प्राप्त लगभग 70 वीडियों में से प्रत्येक अंचल से 1 श्रेष्ठ अर्थात कुल 12 वीडियों चुने गए, जिन्हे फॉरम के प्रत्येक ग्रुप में प्रेषित किया गया।

अंचलवार विजेताओं के नाम

क्र.सं.	अंचल का नाम	तप	विजेता ग्रुप
1	मेवाड़ अंचल	अनशन	चंदन बाला जी जैन, अंजना जी मेहता, आरव जी मेहता, चंदनबाला जी सहलोत, काव्या जी सहलोत
2	बीकानेर मारवाड अंचल	ऊनोदरी	नीलू जी सेठिया, विद्या जी सुराणा, पुष्पा जी दतरी, सात्विक जी सुराणा, लक्षित जी जैन
3	जयपुर ब्यावर अंचल	भिक्षाचर्या	चंचल जी गोलछा
4	मालवा अंचल	रस परित्याग	प्रीति जी मेहता
5	छत्तीसगढ़ उड़ीसा अंचल	कायक्लेश	ऋचा जी ओसवाल, संतोषी ओस्तवाल, मंजू जी ओस्तवाल, अंजलि जी ओस्तवाल, शिखा गिडिया
6	कर्नाटक– आंध्रप्रदेश अंचल	प्रतिसंलीनता	मोनिका जी रांका
7	तमिलनाडू अंचल	प्रायश्चित	पलक जी कोठारी, अरिहंत जी कोठारी, निधि जी कोठारी, निशी जी कोठारी, निमिषा जी कोठारी
8	मुम्बई गुजरात यु.ए.ई. अंचल	विनय	पूजा जी जारोली, वंदना जी जैन, सुदर्शना चौधरी, हर्षा कावड़िया
9	महाराष्ट्र खानदेश विदर्भ अंचल	वैयावृत्य	प्रियंका जी खाबिया, नेहा जी बोहरा
10	बंगाल बिहार नेपाल भूटान अंचल	स्वाध्याय	स्नेहलता जी कोठारी, कमला जी कोठारी, सुदीक्षा जी मुकीम
11	पूर्वोत्तर अंचल	ध्यान	श्वेता जी बोथरा, सांची जी चोपड़ा, नैत्य जी चोपड़ा, आरुष जी कांकरिया
12	दिल्ली पंजाब हरियाणा अंचल	व्युत्सर्ग	पूजा जी सुखानी, पूजा जी छाजेड़, खुशबू जी संचेती, रेखा जी खींवसरा

समस्त प्रतिभागियों और विजेताओं को शुभकामनाएँ व धन्यवाद।

विशेष सूचना :– इन 12 तप तथा पारणे की विधि की सम्पूर्ण जानकारी वीडियों के माध्यम से फोरम के समस्त सदस्यों को प्रेषित कर दी गई है। चार्तुमास में ज्यादा से ज्यादा तप, त्याग कर जिनशासन महकावें।

पढ़ो परदेश योजना

विदेश में उच्च अध्ययन के लिए

जैन अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र जो विदेश में उच्च अध्ययन यानी स्नातकोत्तर, एम.फिल और पीएच.डी करना चाहते हैं उनके के लिए शैक्षणिक ऋण 20 लाख राशि तक ब्याज सब्सिडी की सरकारी योजना हैं। (केवल एक बार) भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की शिक्षा ऋण योजना के तहत निर्धारित अवधि (पाठयक्रम की अवधि + पाठ्यक्रम के पूरा होने के एक साल बाद या रोजगार मिलने के छह महीने बाद जो भी पहले होता है) के लिए 100 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी दी जाएगी।

छात्र को उसी बैंक से ऋण लेना होगा जो भारतीय बैंक संघ का सदस्य है।

पात्रता–

- विद्यार्थी भारतीय नागरिक हो।
- विद्यार्थी जिसके परिवार की मासिक आय 6 लाख रुपये या इससे कम हो।
- छात्र के पास अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित प्रमाण होना चाहिए।

नोट– 1. ब्याज सब्सिडी उन छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं होगी, जिन्होंने किसी भी कारण से या तो पाठ्यक्रम को बीच में ही बंद कर दिया, या जिन्हें अनुशासनात्मक या शैक्षणिक आधार पर संस्थानों से निकाल दिया गया है।

2. यदि यह पाया जाता है कि किसी छात्र ने योजना की किसी भी शर्त का उल्लंघन किया है, तो आगे चलकर सब्सिडी बंद कर दी जाएगी।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के इच्छुक छात्र व अन्य सदस्य अधिक जानकारी के लिए माइनोरिटी सेल हेल्पलाइन नम्बर 9503571100 (हर सोमवार से शुक्रवार सुबह 11 से 12 बजे तक) पर संपर्क कर सकते हैं।

धार्मिक कार्य–

मेवाड़ अंचल–

चित्तौड़ व निम्बाहेड़ा में आचार्य श्री नानेश की जन्म दिवस पर एकासन हुए।

जयपुर–ब्यावर अंचल–

ब्यावर:– संगठन में 3 सदस्य बनाए गए । न्यू 50 थोकड़े की परीक्षा में 12 बहनों ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़–उड़ीसा अंचल–

छत्तीसगढ़ उड़ीसा अंचल में चारित्र आत्माओं का विचरण, धर्म ध्यान, तप त्याग, ज्ञान ध्यान की धारा बह रही है। ''महत्तम महोत्सव'' की घोषणा के साथ ही महिला समिति अंचल पदाधिकारी उपाध्यक्ष, अंचल मंत्री द्वारा लक्ष्य हर घर में एक सदस्य प्रतिक्रमण करने वाले अवश्य हो के तहत सम्पूर्ण अंचल में प्रतिक्रमण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। अभी तक प्रथम राउंड पूर्ण हो गया है, जो डेढ़ महीने का कोर्स था जिसमे 90 महिला प्रतिभागियों में से 17 महिलाओं ने संपूर्ण संशोधित प्रतिक्रमण विधि सहित पूर्ण कर लिया है।

दुर्ग में श्रीमती सुनन्दा जी पारख ने 16 की तपस्या तथा कु. प्रणीता बसंत जी बाफना ने 8 की तपस्या कर संघ का मान बढ़ाया ।

कर्नाटक–आंध्रप्रदेश अंचल–

हैदराबाद :– 5 जून को 50 थोकडे की परीक्षा हुई

उसमें 67 महिलाओं ने परीक्षा दी। शासन दीपक श्री विदेहमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-2 के सानिध्य में तप-त्याग हुआ। शासन दीपक श्री विदेहमुनिजी म.सा. सेवाभावी श्री उत्तमयशमुनिजी म.सा. समता भवन में विराजमान है।

हुबली :- शासन दीपिका श्री अर्चना श्री जी के सानिध्य में कर्म प्रज्ञप्ति की परीक्षा की तैयारी जारी है।

चामराज नगर :- शासन दीपक श्री छत्रांक मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-2 के पावन सानिध्य में लघुदंडक की क्लास चल रही है।

तमिलनाडु अंचल-

चैन्नई में जैन सिद्धान्त बतीसी की परीक्षा चैन्नई लेवल पर 5 जून को रखी गई जिनमें 140 सदस्यों ने भाग लिया। जिसमें 1-12 सिद्धान्त की परीक्षा रखी गई।

मुम्बई-गुजरात-यू.ए.ई अंचल-

सूरत :- 1 जून 22 को आचार्य श्री नानेश का 102 वाँ जन्मदिवस सूरत समता महिला द्वारा सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें शासन दीपिका श्री उज्जवल प्रभा जी म.सा. ठाणा-3 का सानिध्य प्राप्त हुआ। आचार्य श्री का गुणगान कर इस दिवस को सार्थक किया गया। 26 जून को मुमुक्षु बहन सुश्री मुस्कान जी बरड़िया का भव्य अभिनन्दन एवं बहुमान का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें समता महिला मण्ड़ल एवं बहु मण्ड़ल द्वारा ''अदालत में दीक्षार्थी'' नामक शीर्षक पर आधारित एक शानदार नाटक प्रस्तुत किया गया। इस नाटक के लेखक श्रीमान् श्रेयांस जी बच्छावत है।

सामाजिक कार्य

मेवाड़ अंचल	**बड़ी सादड़ी :** 1.सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में फल व बिस्किट वितरित किये गये। 2.समता भवन में बच्चों को 1 दिन अल्पाहार दिया गया। **निम्बाहेडा :** 1. कमल गौशाला में गायों को चारा डलवाया गया। 2. जीव दया में 1 बोरी मक्की कबूतरों को डलवाई गई।
बीकानेर-मारवाड़	**बीकानेर :** 1. 51,000 हजार रुपए की धन राशि सर्वधर्मी परिवार को दी। 2. पी.बी.एम हॉस्पिटल में 350 पानी कैम्पर दिए।
मुम्बई-गुजरात- यू.ए.ई	**सूरत :** 1. गरीब बच्चों को नोटबुक, पेन व स्टेशनरी का वितरण किया गया। **मुम्बई:** 1. 125000/- की धन राशि धर्मपाल क्षेत्र गांव में पानी की बोरिंग मशीन व मोटर के लिए दिये। 2. 70000/- की धनराशि सर्वधर्मी भाई-बहिनो को राशन एवं सिलाई मशीन आदि के लिये दिये। 3. 11000/धन राशि कैंसर पीड़ित मरीज को देकर सहायता की । 4. 5000/- की धन राशि एक बच्चे के स्कुल की फीस जमा करने के लिए दी गई। **अंकलेश्वर :** राजकीय विद्यालय-वलिया में बच्चों को स्कूल बैग और कलर किट का वितरण किया।
छत्तीसगढ़-उड़ीसा	सम्पूर्ण अंचल में आए करे शुद्ध सामायिक के अंतर्गत सेल घड़ी के विकल्प में 200 से 250 सामायिक चाबी घड़ी अंचल महिला समिति पधाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई जिसे सभी सराह रहे है ।

शिविर

महिला समिति के अथक प्रयासों तथा पुरुषार्थ से देश के विभिन्न शहरों तथा गाँवों में ग्रीष्मावकाश के अवसर पर छोटे-बड़े सभी बच्चों को धार्मिक खेल-खेल में ज्ञानवर्द्धक एवं जीवनोपयोगी रोचक बातें सीखने को मिली।

क्र.सं.	अंचल	शिविर
		बच्चों का शिविर
1.	मेवाड़ अंचल	बड़ीसादड़ी : 2 जून से 9 जून तक कर्मबन्धन एवं हमारा जीवन, सचित्त-अचित्त का विवेक, सामायिक, प्रतिक्रमण आदि विषयों पर आयोजित शिविर में 142 बच्चों ने भाग लिया।
2.	बीकानेर-मारवाड़	गंगाशहर-भीनासर : 20 से 26 जून तक अहिंसा, अचौर्य, सत्य, जीवन में विनय विषयों पर आयोजित शिविर में 200 बच्चों ने भाग लिया। जिसे कहानी, पी.पी.टी, नाटक आदि से समझाया।
3.	जयपुर-ब्यावर	ब्यावर : 13 जून से 21 जून तक 9 दिवसीय आवासीय आई जैन माई जैन शिविर में 18 बच्चियों ने भाग लिया।
4.	छत्तीसगढ़-उड़ीसा	दुर्ग : 3 से 12 जून तक 9 दिवसीय जैन तत्व, जीवन उपयोगी बातें आवासीय शिविर में 109 बालक-बालिकाओं ने भाग लिया।
5.	कर्नाटक-आंध्रप्रदेश	विजयनगर : 5 दिवसीय समता संस्कार शिविर में 250 बच्चों ने भाग लिया।
6.	मुम्बई-गुजरात-यू.ए.ई	अंकलेश्वर : तीन दिन का बच्चो का शिविर जिसमें जैन तत्व के बारे में जानकारी दी गई।
		महिलाओं का शिविर
7.	बीकानेर-मारवाड़	जोधपुर में महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया।
8.	जयपुर-ब्यावर	ब्यावर : 15 से 16 जून को लोगस्स की साधना तथा 19-20 जून को दिव्य दिशा-दिशा बंधन शिविर।
9.	छत्तीसगढ़-उड़ीसा	दुर्ग : 3 से 11 जून तक जैन तत्व शिविर में 80 महिलाओं ने भाग लिया।
10.	मुम्बई-गुजरात-यू.ए.ई	अहमदाबाद : 19 से 20 जून नवकार से भव पार विषय पर नवकार मंत्र का थोकडा करवाया गया तथा धर्म करत संसार सुख पर जानकारी दी गई।

प्रवास

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के राष्ट्रीय अध्यक्षाजी, राष्ट्रीय महामंत्रीजी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्षाजी, राष्ट्रीय उपाध्यक्षाजी, राष्ट्रीय मंत्रीजी एवं कार्यकारिणी सदस्याओं आदि ने तमिलनाडु, कर्नाटक-

आंध्रप्रदेश, जयपुर-ब्यावर आदि के अनेक शहरों में प्रवास कर संघ उन्नयन हेतु प्रयास किया। प्रवास में सभी प्रवृत्तियों के बारे मे विस्तार से समझाया गया। इस दौरान आरुग्गबोहिलाभं की भी प्रभावना की गई एवं नई बहूओं का सम्मान किया गया। प्रवासी दल को वीर परिवार से मिलने का शुभ अवसर मिला। सभी स्थानों पर महत्तम महोत्सव की भी जानकारी दी गई। सक्रिय सदस्याओं को कार्य विवरण संघ की एकरूपता पर विशेष जानकारी दी गई।

• **तमिलनाडु**	29 मई, 2022	वेल्लोर, आकोंटा, कांचीपुरम्
• **जयपुर-ब्यावर**	12 जून, 2022	कोटा
• **मध्यप्रदेश**	15 जून 2022	हरदा, चारवा, खिरकिया, मूंदी, बीड़
• **कर्नाटक-आंध्रप्रदेश**	18 से 21 जून 2022	पांढरकवड़ा, आदिलाबाद, हैदराबाद, विशाखापट्टनम्, विजयनगरम्

रमन की बुद्धिमानी

-संकलित

काफी समय पहले की बात है। किसी गाँव में रमन और गोपाल नामक दो व्यक्ति रहते थे। वे दोनों पड़ौसी थे। रमन स्वभाव से सीधा और परोपकारी था। वह सदा सबसे अच्छा व्यवहार करता था, इसके विपरीत गोपाल बेईमान और ठग था। वह सदा लोगों को सताता और धोखा देता था। रमन की एक छोटी-सी चाय की दुकान थी। बस उसी से उसका गुजारा होता था। गोपाल की किराने की दुकान थी। वह शहर से सामान लाकर बेचता और खूब मुनाफा कमाता था।

एक बार किसी की शादी में रमन को दूसरे गाँव जाना था। उसने सोने-चाँदी के पुराने जेवरों का संदूक गोपाल के पास रख दिय। जब वह शादी से लौटा तो उसने अपना जेवरों का संदूक गोपाल से ले लिया और खोलकर देखा तो चौंक गया। उसने देखा कि जेवरों की जगह उसमें कंकड़, पत्थर भरे हैं। उसने गोपाल से पूछा तो उसने कहा कि मुझे क्या पता? रमन समझ गया कि बेईमान और लालची गोपाल ने उसे ठग लिया। उसने मन ही मन गोपाल को सीख देने का निश्चय किया।

एक दिन गोपाल को किसी काम से बहुत दूर जाना था। उसने अपने पाँच वर्ष के बेटे अमित को रमन के पास छोड़ दिय। रमन ने उसे रख लिया। उसने एक तोता खरीदा और उसे बोलना सीखाया कि ''बापू मैं तुम्हारा अमित हूँ।'' कुछ दिनों बाद जब गोपाल ने पूछा तो उसने कोई उत्तर नहीं दिया। फिर उसने पिंजरा गोपाल के हाथ में पकड़ा दिया। तोता बोला- ''उठ, बापू मैं तुम्हारा अमित हूँ।'' गोपाल ने कहा- ''मेरा बेटा तोता कैसे बन सकता है?'' रमन ने कहा- ''जिस प्रकार मेरे जेवर कंकर-पत्थर बन गए उसी प्रकार तुम्हारा बेटा भी तोता बन गया।''

गोपाल समझ गया, वह तुरन्त घर गया और उसके सारे जेवर वापस कर दिए। तब रमन ने कहा- ''भाई गोपाल! बेईमानी और ठगी से अमीर बनने की सोचना अच्छी बात नहीं है।'' गोपाल चुप रहा क्योंकि उसे सीख मिल गई थी।

समता शाखा रिपोर्ट

क्रमांक	अंचल का नाम	आंचलिक गतिविधि	05-06	12-06	19-06	26-06
1	मेवाड़	आंचलिक उपस्थिति	1499	1553	1576	1688
		आंचलिक क्षेत्र	87	90	94	93
2	बीकानेर-मारवाड़	आंचलिक उपस्थिति	631	581	553	592
		आंचलिक क्षेत्र	41	42	42	41
3	जयपुर-ब्यावर	आंचलिक उपस्थिति	399	505	471	470
		आंचलिक क्षेत्र	27	28	28	28
4	मध्यप्रदेश	आंचलिक उपस्थिति	1117	1140	1083	1040
		आंचलिक क्षेत्र	73	71	72	72
5	छत्तीसगढ़-उड़ीसा	आंचलिक उपस्थिति	1803	1820	2002	2056
		आंचलिक क्षेत्र	155	154	154	150
6	कर्नाटक-तेलंगाना-आंध्रप्रदेश	आंचलिक उपस्थिति	374	345	415	285
		आंचलिक क्षेत्र	25	25	23	22
7	तमिलनाडु	आंचलिक उपस्थिति	285	320	291	451
		आंचलिक क्षेत्र	12	12	12	13
8	मुंबई-गुजरात-यू.ए.ई	आंचलिक उपस्थिति	432	404	485	591
		आंचलिक क्षेत्र	36	36	35	30
9	महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश	आंचलिक उपस्थिति	396	398	363	464
		आंचलिक क्षेत्र	40	42	39	48
10	बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान-झारखण्ड-आंशिक उड़ीसा	आंचलिक उपस्थिति	274	331	294	321
		आंचलिक क्षेत्र	40	39	42	38
11	पूर्वोत्तर	आंचलिक उपस्थिति	172	221	184	235
		आंचलिक क्षेत्र	26	26	25	26
12	दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-यू.पी.	आंचलिक उपस्थिति	121	102	134	100
		आंचलिक क्षेत्र	10	9	9	10
13	अंतरराष्ट्रीय शाखा	आंचलिक उपस्थिति	16	14	17	9
		आंचलिक क्षेत्र	7	7	7	4
संयुक्त रिपोर्ट						
कुल उपस्थिति			7519	7734	7868	8302
कुल क्षेत्र			579	581	582	575

समता शाखा में सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज़ करवाने वाले 10 संघों की सूची

क्रमांक	संघ का नाम	उपस्थिति	क्रमांक	संघ का नाम	उपस्थिति
1	उदयपुर	1158	6	राजनांदगाँव	597
2	दुर्ग	1090	7	सूरत	555
3	चैन्नई	757	8	ब्यावर (उत्क्रांति ग्राम)	530
4	रतलाम	730	9	नोखामंडी	503
5	रायपुर	722	10	बैंगलुरू	443

जीवदया कार्यक्रम का सफल आयोजन

हावड़ा, 9 जुलाई। सम्पूर्ण विश्व में परोपकार की भावना का मूल तत्व करुणा ही है। हर धर्म में दया को एक प्रखर गुण के रूप में देखा जाता है। दया की भावना से परोपकार की भावना जागृत होती है। मानव अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए बेगुनाह पशुओं की बलि दे रहा है। इन सभी विचारों को ध्यान में रखते हुए आचार्यश्री की असीम अनुकम्पा से और सभी के सहयोग से समता युवा संघ हावड़ा द्वारा 15 गायों एवं 21 बछड़ों को कसाईयों के हाथों में जाने से बचाकर सुरक्षित गौशाला में पहुँचाया गया।

जीवों के प्रति अभयदान के भाव को साकार करने के लिए एवं मैत्रीभाव के संकल्प को पूरा करने में सहयोग हेतु समता युवा संघ हावड़ा सभी दानदाताओं एवं उन सभी व्यक्तियों/संस्थाओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल करने में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया।

-समता युवा संघ, हावड़ा

कोलकाता, 10 जुलाई 2022। श्री समता युवा संघ कोलकाता द्वारा जीवदया के अंतर्गत श्री साधुमार्गी जैन संघ एवं महिला समिति कोलकाता व अन्य दानदाताओं के सहयोग से 31 गायों को कसाईखाने से बचाकर सुरक्षित गौशाला पहुँचाया गया।

समता युवा संघ कोलकाता प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अपना सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं व युवा संघ के सदस्यों का आभार व्यक्त करता है एवं भविष्य में भी आप सभी के सहयोग की अपेक्षा रखता है।

-समता युवा संघ, कोलकाता

Inspring Youth

सूरत, 29 जुलाई। शासन दीपिका साध्वी श्री उज्ज्वलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा-3 के पावन सानिध्य में 3 दिवसीय प्रेरक सेमिनार 'INSPIRING YOUTH' का आयोजन समता भवन, पर्वत पाटिया में समता युवा संघ, सूरत द्वारा किया गया, जिसमें म.सा. ने बहुत ही सरल तरीके से युवाओं को MOTIVATE किया व संघ के प्रति अपनी जिम्मेदारी को कैसे निभा सकते हैं के बारे में बताया।

Day 1- मन के मोबाइल को करें रिचार्ज

- पहले पहचानें कि क्या हम सिर्फ नाम के जैन हैं या क्रिया से भी जैन हैं।
- अपने मन के मोबाइल को चार्ज करने के लिए हमें निम्न बातें ध्यान में रखनी चाहिए।
  - स्वयं पे विश्वास रखें कि हम कर सकते हैं।
  - सकारात्मक सोचें, अपने गुरु की उपासना करें।
  - दूसरों से comparision ना करें।
  - संकल्प करें कि जो कार्य हाथ में लिया है उसको पूरा करेंगे और अपने आप को recharge करते रहें कि 'yes I can do it'.

Day 2- युवा कौन

उठो, जागो, लक्ष्य को प्राप्त करो। असफलता से हमेशा सीखना चाहिए कि हम अपने कार्य को और बेहतर कैसे कर सकते हैं ना कि निराश होवें।

युवाओं की विशेषता होती है कि वे धैर्यवान, समझदार होते हैं एवं साथ ही अपने साथियों में उत्साह भरने के लिए हँसी-मजाक भी करते हैं।

युवाओं को 'THINK OUT OF THE BOX' सोचना चाहिए कि वे अपने कार्य को कैसे संपन्न कर सकते हैं। पुरुषार्थ करना चाहिए, जिसके लिए परिश्रम करना पड़ेगा और गंभीरता से सोचना पड़ेगा।

युवाओं को अपने कार्य का पूरा ज्ञान होना चाहिए कि कैसे RESPONSIBILITY के साथ अपने कार्य को पूरा कर सकते हैं और अपने आप पर 'CONTROL' भी होना चाहिए।

Day 3- 'एक अकेला अधूरा'

संघ में सभी का अपना-अपना महत्त्व है। संघ सबसे मिलकर बना है। अकेली लौ जल्दी बुझ जाती है लेकिन दावानल को हवा भी बुझा नहीं पाएगी।

जीने के लिए श्वास जरूरी है और जीवन के लिए आत्मविश्वास जरूरी है।

4 चीजें हमेशा हमारे साथ नहीं रहती- समय, सम्पति, सत्ता और शरीर।

4 चीजें हमेशा हमारे साथ रहती हैं- समझदारी, सत्संगत, सद्भावना और सच्चे दोस्त।

1 और 1- 11 होते हैं अर्थात् सब मिलकर कार्य करेंगे तो कार्य जल्दी हो सकता है।

सभी युवाओं में सहनशीलता का vitamin होना चाहिए, जिससे हम हमारे जीवन में हमेशा सफल होंगे व कुछ ना कुछ नया सीखते रहेंगे।

हमें किसी भी कार्य को छोटा नहीं समझना चाहिए बल्कि संघ के हित के लिए सबको साथ में लेकर कार्य करना चाहिए। यही है PROPER LEADERSHIP QUALITY।

कुछ ACTIVITY के साथ 'युवा कैसे एक-दूसरे से जुड़ें, अपने आप को पहचानें व संघ में अपना योगदान दें' विषय पर बताया गया।

अंतिम दिवस एक परीक्षा का आयोजन किया गया।

शिविर को सफल बनाने में 40 से अधिक युवा साथियों ने मिलकर सूरत के प्रत्येक युवा साथी से संपर्क कर सेमिनार की भव्य प्रभावना की, जिसके फलस्वरूप 100 से अधिक युवा साथियों की ऐतिहासिक उपस्थिति रही। इस सेमिनार से अनेक नए युवा साथी संघ सेवा से जुड़े।

-मनीष सुराना, मंत्री

दीक्षार्थी बहन का भावभरा उद्बोधन

उदयपुर में संघ की तीनों इकाईयों की उपस्थिति में अभिनंदन समारोह में दीक्षार्थी बहिन अनमोलजी जैन ने अपने भावोद्गार में कहा कि ''संसार तृष्णा की आग में सुलग रहा है, परन्तु संयम तृप्ति देता है। संसार में दु:ख ही दु:ख है किंतु संयम में आनंद ही आनंद है। मुझे अपने मासीजी म.सा. साध्वी श्री रजतमणिजी म.सा. से संयम की प्रेरणा मिली, फिर इस पंचम आरे के अलौकिक महापुरुष आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर का शरणा मिला। मैंने ''आरुग्गबोहिलाभं'' में भी रहकर जीवन को आगे बढ़ाया। आज जो यहाँ मेरा अभिनंदन किया गया है, यह अभिनंदन मेरा नहीं अपितु त्याग-संयम, वैराग्य एवं भगवान महावीर, आचार्य श्री रामेश एवं उपाध्याय भगवन् का अभिनंदन है। आप सबके आशीर्वाद से मैं शुद्ध संयम का पालन कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करूं यही मंगलकामना है।'' ऐसे शुभ भावों के साथ मुमुक्षु बहिन ने संयम ग्रहण किया।

राम चमकते भानु समाना

परिवारांजलि रिपोर्ट

देव, गुरु, धर्म को वंदन

परिवारांजलि से नए परिवारों को जोड़ने के साथ ही पूर्व में अंजलियों से जुड़े हुए परिवारों से भी घर-घर जाकर सम्पर्क किया जा रहा है एवं परिवारांजलि के स्टीकर्स पेस्ट किए जाने का कार्य निरन्तर जारी है। 31 अगस्त 2022 तक समस्त परिवारांजलि परिवारों से सम्पर्क करते हुए स्टीकर्स पेस्टिंग का कार्य पूर्ण करने के लक्ष्य के साथ प्रत्येक क्षेत्र में संयोजिकाएँ एवं पदाधिकारीगण सकारात्मक ऊर्जा के साथ निरन्तर कार्य कर रहे हैं।

समस्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय मंत्री, परिवारांजलि आंचलिक संयोजिकाएँ, स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री, संयोजिकाओं से निवेदन है कि समय पर कार्य पूर्ण करने हेतु पुरुषार्थ करें एवं प्रत्येक परिवार को परिवारांजलि से जोड़ने एवं स्टीकर्स पेस्टिंग के कार्य को शीघ्र पूर्ण कराएं एवं कार्य में सहयोग प्रदान करें।

।।जय गुरु नाना।। ।।जय महावीर।। ।।जय गुरु राम।।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

संघनिष्ठ महिला मंडल तथा बहू मंडल की अध्यक्षा महोदया एवं मंत्री महोदया को विदित रहे कि श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के राष्ट्रीय गणवेश की एकरूपता के रूप में केसरिया गणवेश का जो प्रारूप है उसको बनाए रखें। स्थानीय स्तर पर उसमें किसी भी प्रकार की डिजाइनिंग (जरी, बार्डर या अन्य प्रिंट) मान्य नहीं होगा।

गणवेश उपलब्धता संपर्क सूत्र- 9328619771

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति

समता छात्रवृत्ति योजना

(कक्षा 1 से 12 तक)

– साधुमार्गी परिवार के विद्यार्थियों के लिए –

कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं।
छात्रवृत्ति आवेदन के लिए गत कक्षा में विद्यार्थी ने कम से कम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हो।
छात्रवृत्ति की राशि विद्यार्थी के स्कूल के खाते में प्रदान की जाएगी।

पूर्ण विवरण, पात्रता, आवेदन प्रपत्र इत्यादि महिला समिति एवं श्री संघ की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वेबसाइट–
www.sadhumargi.com/application-form/
www.sabsjmsorg/downloads/
सम्पर्क सूत्र : 7231033008

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

तीनों इकाई के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण एवं स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री से करबद्ध निवेदन है कि अपने क्षेत्र में समता छात्रवृत्ति की प्रभावना करें, जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित हो सके।

SIPANI
RITZY. POETIC. URBANE

सामाजिक जिम्मेदारी ही हमारी पहचान

सिपानी सेवा सदन, बैंगलोर एक ऐसा निवास स्थान है जहाँ बुजुर्ग एवं असहाय व्यक्तियों को निःशुल्क भोजन, कपडे, चिकित्सा आदि उपलब्ध करवाए जाते हैं।

इस सदन ने छः वर्ष पूर्ण कर लिए हैं एवं 100 से शुरुआत करके वर्तमान में 300 व्यक्तियों को यह सेवा उपलब्ध है। अब हम 100 अतिरिक्त आवासियों को जोडने की व्यवस्था कर रहे हैं।

इस सुविधा में पूर्ण सुसज्जित एंबुलेन्स, डाक्टर व नर्सिंग देखभाल आदि की सुविधा चौबीसों घंटे उप्लब्ध है एवं 40 का स्टाफ इस सेवा में नियुक्त है।

आर के सिपानी फाउंडेशन

439 18वाँ मेइन , 6वाँ ब्लॉक, कोरमंगला, बेंगलूर – 560 095

संपर्क सूत्र : संतोष 9964105057, 9243667700, सिपानी कार्यालय । ई–मेल : sipanigrand@gmail.com

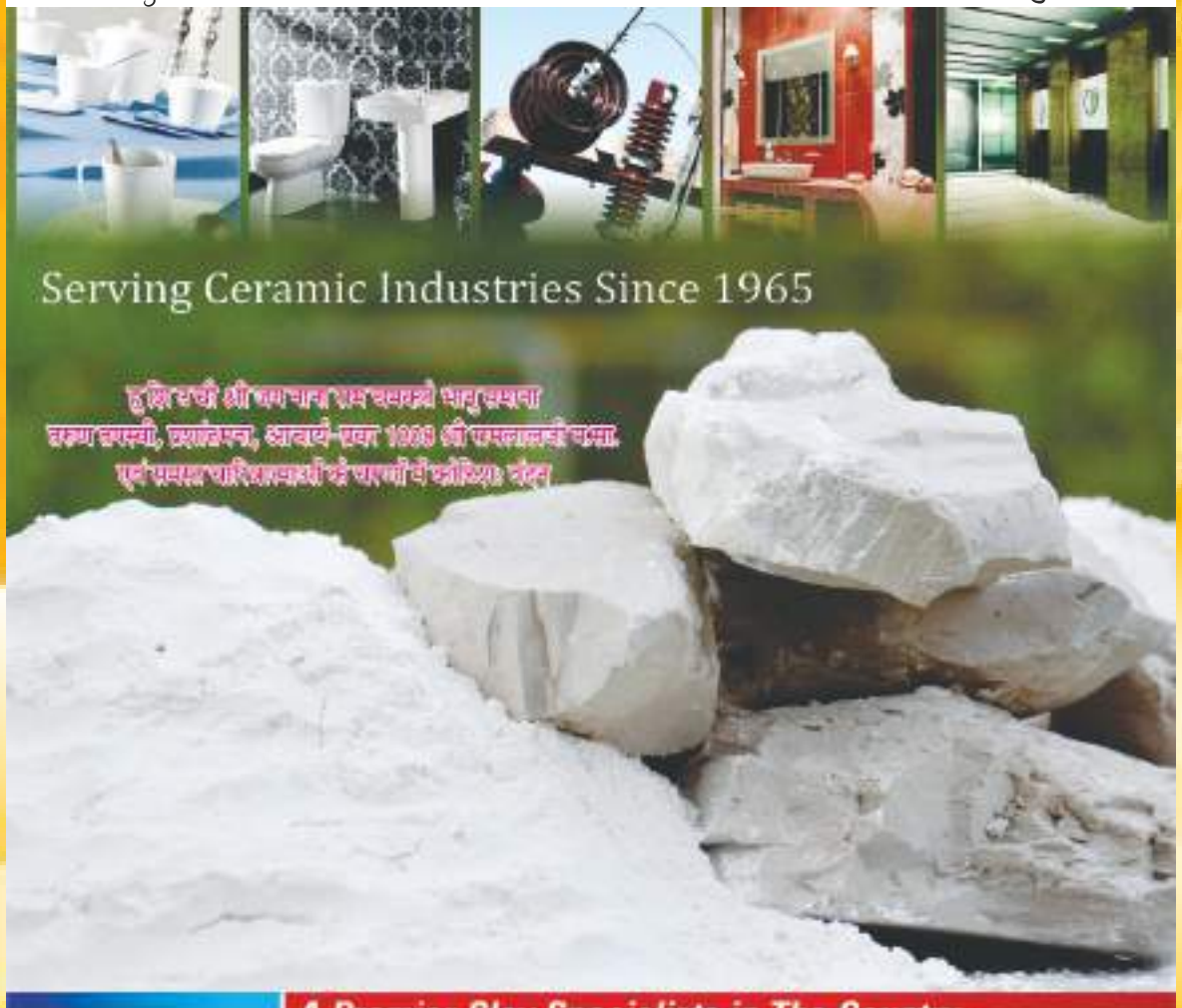

A Premier Clay Specialists in The Country...

- 48 years of experience with efficient processing technology and high-quality deposits of raw materials.
- Extraction, Processing and Refining of industrial minerals, particularly Ball Clay, China Clay, Bentonite, Silica Sand, Quartz, Potassium & Sodium Feldspar.
- In-depth knowledge of the market and understands the need for high-grade raw materials in the ceramic industries.
- Extraction of raw materials to the final delivery of the finished product, all of our procedures are subjected to ongoing quality monitoring.
- Export good quantity of minerals to various countries.
- Import of many others minerals and raw materials for Indian ceramics industries.

JLD MINERALS
Jaichand Lal Daga group

Corporate Office :
1st Floor, Labhuji Ke Katla,
Bikaner-334001, Rajasthan, INDIA

Phone : +91-151-2220380 / 2521624 / 3294234
FAX : +91-151-2522768, Mobile No. 09829217944
Email : wbcclay@yahoo.com

www.jldminerals.com

।। जय महावीर ।।

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा

Exam date
18 Sept. 2022

भाग 1 से 12 तक लिखित परीक्षा होगी और 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों हेतु ओरल परीक्षा होगी (भाग 1 से 4 भाग तक)

सकल जैन समाज में सभी आयु व वर्ग के परीक्षार्थी यह परीक्षा दे सकते हैं।

कृपया अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक प्रभावना करावें ।

☎ 7231933008

केंद्रीय जैन संस्कार पाठ्यक्रम टीम

संक्षिप्त सांसारिक परिचय

मुमुक्षु श्रीमती किरणदेवी झाबक

नाम	:	श्रीमती किरणदेवी झाबक
उम्र	:	76 वर्ष
जन्मस्थान	:	बीकानेर
व्यावहारिक शिक्षा	:	5वीं
धार्मिक अध्ययन	:	सामायिक
तपस्या	:	1 से 4 तक, अठाई, 10 पच्चक्खाण

पारिवारिक परिचय

पति	:	स्व. श्री नवरतनजी झाबक
सास-ससुर	:	स्व. श्री पन्नालालजी-रूपादेवी झाबक
पुत्र-पुत्रवधू	:	महावीरजी-टीनाजी झाबक
देवर	:	माणकचन्दजी, स्व. ईश्वरचन्दजी, स्व. जेठमलजी, सुरेन्द्रकुमारजी, रविन्द्रकुमारजी झाबक
सुपौत्री	:	आराध्या, दिव्यांशी झाबक
पुत्री-दामाद	:	शशिजी-दौलतजी बैद, सिम्मीजी-चैनरूपजी बांठिया
पिताजी-माताजी	:	स्व. श्री पूनमचंदजी-मिश्रीदेवी दस्साणी
भ्राता	:	स्व. श्री झंवरलालजी, नेमचन्दजी, जयन्तीलालजी, कांतिलालजी, शांतिलालजी दस्साणी
परिवार से दीक्षित	:	स्मृतिशेष साध्वी श्री विपुलाश्रीजी म.सा. (संसारपक्षीय छोटी बहिन)

'अपश्चिम तीर्थंकर महावीर भाग-5' का हुआ विमोचन

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के अन्तर्गत साधुमार्गी पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'अपश्चिम तीर्थंकर महावीर' भाग-5 का विमोचन 17 जुलाई 2022 को उदयपुर के अटल सामुदायिक भवन में संघ प्रमुखजनों के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं उदयपुर संघ के पदाधिकारियों सहित गणमान्यजनों की उपस्थिति गौरवान्वित करने वाली थी।

पथ प्रदर्शक, प्रेरक, अलौकिक भगवान महावीर की जीवन गाथा को समेटे इस पुस्तक में अनुत्तर ज्ञानचर्या के सोलहवें वर्ष से बीसवें वर्ष तक की जानकारी विस्तार से दी गई है। साध्वी श्री विपुलाश्रीजी म.सा. के पुरुषार्थ से पाठकों के समक्ष आयी इस पुस्तक के चार भाग पूर्व में साधुमार्गी पब्लिकेशन से ही प्रकाशित हो चुके हैं।

-टीम साधुमार्गी पब्लिकेशन

रचनाकारों अथवा लेखकके विचारों से संपादक की सहमति होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र बीकानेर ही रहेगा।
प्रधान सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक गौतम चन्द जैन के लिए जैन आर्ट प्रेस, बीकानेर के लिए भण्डारी ऑफसेट, जोधपुर (राज.) में मुद्रित प्रतियाँ 24900
प्रेषक :श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ
समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर - 334401 (राज.), फोन नं. 0151-2270261